तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

■ रायपुर, मंगलवार 5 दिसंबर 2023 ■ मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष-8 ■ वर्ष- 39 ■ अंक-246 ■ पृष्ठ-8 ■ डाक संस्करण 6 दिसंबर 2023 ■ मूल्य 1.00 रु.

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
Twitter - Tchhattisgarh36
Instagram -tarunchhattisgarh.raipur

phone: 0771-2543112

संक्षेप

भूपेश बघेल के चारों सलाहकारों ने दिया इस्तीफा

रायपुर,5 दिसंबर। सीएम भूपेश बघेल के इस्तीफे के बाद उनके करीबियों के इस्तीफे के दौर शुरू हो गया है। पहले ओएसडी,निज सचिवों को हटाया गया, अब उनके सलाहकारों ने इस्तीफा दे दिया है। इनमें राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा, पंचायत ग्रामीण विकास सलाहकार प्रदीप शर्मा, संसदीय सलाहकार राजेश तिवारी और मीडिया सलाहकार रूचिर गर्ग शामिल हैं। सभी ने तीन दिन पहले ही इस्तीफा भेज दिया था,जिसे मुख्य सचिव ने सोमवार को मंजूर कर आगे की कार्रवाई के लिए जीएडी को भेज दिया है। बता दें कि चारों सलाहकारों के इस्तीफे के बाद राज्य शासन ने एक दिसंबर से उनकी सेवाएं समाप्त करते हुए उनकी सभी सरकारी सुविधाएं वापस ले ली है।

दो बाइकों में टक्कर से आरक्षक की मौत

धमतरी,5 दिसंबर। केरेगांव के बांसपारा के पास दो बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई. इस हादसे में एक आरक्षक की मौत हो गई है. मृतक का नाम सुरेश निषाद बताया जा रहा है. जो कि पुलिस लाइन में पदस्थ था. वहीं दूसरे बाइक चालक की हालत गंभीर बताई जा रही है. जिसे रायपुर रेफर कर दिया गया है. पूरा मामला केरेगांव थाना का है.

भिलाई में युकां अध्यक्ष पर चाकू से हमला

दुर्ग,5दिसंबर। भिलाई विधायक देवेंद्र यादव की जीत का जश्न मना रहे वैशाली नगर युवक कांग्रेस अध्यक्ष पलाश लीमेश पर चाकू से हमले से शहर में दहशत का माहौल है. घायल कांग्रेस नेता को शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा. मिली जानकारी के मुताबिक, पलाश अपने दोस्तों के साथ जेवरा सिरसा स्थित ढाबे खाना खाने पहुंचा था, जहां हारे हुए भाजपा प्रत्याशी और भाजपा नेताओं पर कमेंट कर रहा था. चुनाव की घटनाओं का जिक्र कर रहा था. इस दौरान वहां उपस्थित विक्की सिंह को बुरा लगा और उसने पलाश पर हमला कर दिया. पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी विक्की को हिरासत में लिया है.

'मिचौंग' का असर, ट्रेनें रद्द

रायपुर,5 दिसंबर। बंगाल की खाड़ी में बनें चक्रवाती तूफान मिचौंग का प्रभाव देश के कई राज्यों में पड़ा है. इसका असर छत्तीसगढ़ में दिख रहा है. जिसके कारण कई जगहों पर भारी बारिश हुई है. वहीं आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में चक्रवाती तूफान की चेतावनी के चलते भारतीय रेलवे ने पांच ट्रेने रद्द कर दी है.

मिचौंग के चलते रद्द की गई ट्रेनें, 4 दिसंबर को एमजीआर चेन्नई सेंट्रल (मद्रास) -बिलासपुर एक्सप्रेस का नहीं होगा परिचालन., बिलासपुर-एनार्कुलम एक्सप्रेस भी 4 दिसंबर तक रद्द.,बिलासपुर से चलने वाली बिलासपुर-तिरुनेलवेली एक्सप्रेस 5 दिसंबर तक नहीं चलेगी., 6 दिसंबर से एनार्कुलम से चलने वाली एनार्कुलम-बिलासपुर एक्सप्रेस नहीं आएगी., कोरबा-कोचुवेळी 6 दिसंबर तक रद्द.

आचार संहिता खत्म होते ही पुलिस विभाग में तबादला

जांजगीर चांपा,5 दिसंबर। छत्तीसगढ़ में भाजपा ने एतिहासिक जीत के साथ सरकार बनाई है. आचार संहिता खत्म होते ही तबदला का दौर शुरू हो चुका है.

दिल्ली दरबार तय करेगा नाम,रायपुर में लगेगी मुहर

रमन सिंह,विष्णुदेव साय, अरुण साव,लता उसेंडी, रेणुका सिंह,ओपी चौधरी के नाम चर्चा में

मुख्य नगर संवाददाता

नई दिल्ली/रायपुर,5दिसंबर। तीन अहम राज्यों में जीत के बाद भाजपा मुख्यमंत्री का नाम तय करने में जल्दबाजी के मूड में नहीं है। पूर्ण बहुमत के बावजूद पार्टी ने अभी किसी का नाम तय नहीं किया है। पार्टी में इस पर करीब-करीब सहमति है कि राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में पुराने चेहरे पर दांव लगाने के बदले नई पीढ़ी को मौका मिले। छत्तीसगढ़ में आदिवासी नेता पर दांव लगाने के संकेत हैं। नई दिल्ली में पार्टी के बड़े नेता नाम चयन करने के लिए मंथन कर रहे हैं। दिल्ली दरबार से ही मुख्यमंत्री पद के लिए नाम तय होगा तथा इस नाम पर रायपुर में विधायक दल मुहर लगायेगा।

चुनाव नतीजे आने के बाद रविवार देर रात पीएम नरेंद्र मोदी ने पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और संगठन महासचिव बीएल संतोष के साथ मैराथन बैठक की थी। इस बैठक में इन राज्यों में नया नेतृत्व उभारने पर सैद्धांतिक सहमति बनी है। विधायक दल की बैठक की तारीख और पर्यवेक्षकों के नाम पर मुहर लगाना बाकी है। भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के नाम पर रायशुमारी की जाएगी। बताया जाता है कि इसके पहले एक अन्य समिति की बैठक होगी जिसमें छत्तीसगढ़ सहित राजस्थान, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री पद के प्रत्याशी का नाम तय होगा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री को लेकर अभी कयासों का दौर जारी है।

छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिला है। नए मुख्यमंत्री के चयन को लेकर चर्चा का बाजार काफी गर्म है। अलग-अलग क्षेत्रों में अपने-अपने विधायकों को मुख्यमंत्री का दावेदार बताया जा रहा है लेकिन नाम तय सिर्फ हाईकमान ही करेगा। राज्य में आदिवासी विधायकों की संख्या भी काफी ज्यादा है। बस्तर और सरगुजा में मिली सफलता के बाद किसी महिला आदिवासी विधायक को मुख्यमंत्री बनाने की चर्चा है। वर्तमान में केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह तथा कोण्डागांव की लता उसेंडी एवं पूर्व कलेक्टर कलेक्टर व विधायक ओपी चौधरी के नाम चर्चा में हैं। छत्तीसगढ़ प्रभारी ओम माथुर को राजस्थान का मुख्यमंत्री बनाए जाने की चर्चा है। ओम माथुर उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में चुनाव के रणनीतिकार रहे हैं। वे प्रधानमंत्री के काफी निकटस्थों में हैं। भाजपा आलाकमान मुख्यमंत्री के चयन के लिए शीघ्र ही पर्यवेक्षक भेजेगा।

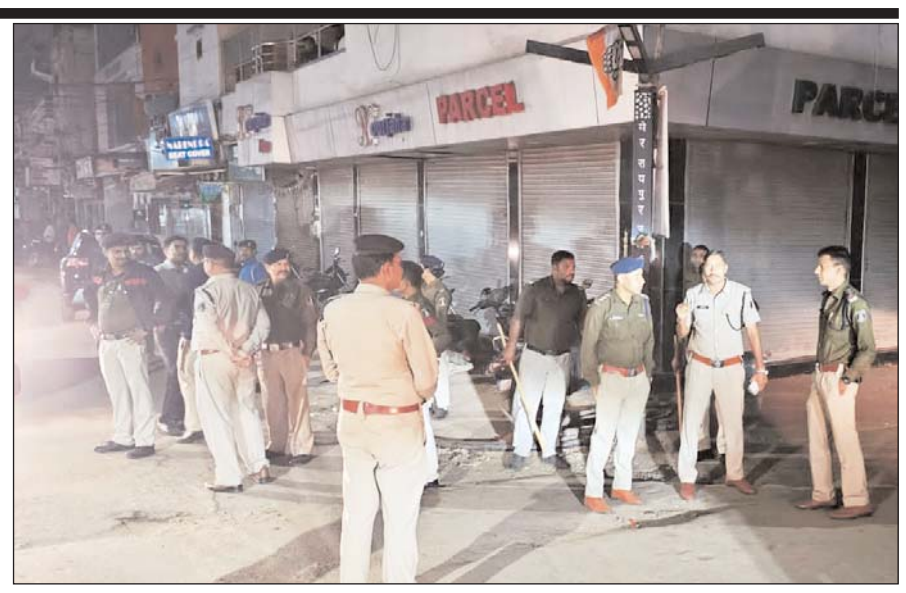

शपथ के पहले ही भाजपा एक्शन मोड में

छोटा पारा बैजनाथ पारा में देर रात तक खुली रहने वाली दुकानें कराई गई बंद

■ तरुण छत्तीसगढ़

रायपुर,5 दिसंबर। भाजपा सरकार सुनिश्चित होने के बाद रायपुर दक्षिण विधायक बृजमोहन अग्रवाल एक्शन में आ गए है। अपनी नई पारी का आगाज वे धमाकेदार अंदाज में कर रहे हैं। कल रात उनके निर्देश पर देर रात तक खुलने वाली छोटा पारा और बैजनाथ पारा की दुकानें पुलिस द्वारा रात 10:30 बजे ही बंद करा दी गई। बृजमोहन ने साफ कह दिया है कि रायपुर शहर में अब गुंडाराज नहीं कानून का राज चलेगा। गुंडागर्दी करने वाले, नागरिकों को परेशान करने वाले सलाखों के पीछे जाएंगे। बृजमोहन ने कहा कांग्रेस राज में रायपुर के छोटा पारा और बैजनाथ पारा एक तरह से अपराधियों का गढ़ बन गया था। यहां की दुकानें देर रात तक गुलजार रहती थी। ऐसा इसलिए क्योंकि कांग्रेस सरकार के सबसे ताकतवर लोगों का यह इलाका था, यहां उनके गुर्गों की धमक थी। बेखौफ अपराधियों का यह ठिकाना रहता था। इस वजह से क्षेत्र की आम जनता त्रस्त थी। उनकी शिकायतों को कांग्रेस सरकार के दबाव में पुलिस नजर अंदाज करती थी। बृजमोहन अग्रवाल ने भी इस विषय पर कई दफा पुलिस प्रशासन के समक्ष अपनी आपत्ति जताई थी। किंतु कोई कार्रवाई नहीं की गई थी। बृजमोहन ने कहा कि भाजपा की सरकार में लोगों की सुरक्षा का ख्याल रखना हमारा पहला कर्तव्य है। बीते 5 वर्षों में रायपुर शहर सहित संपूर्ण प्रदेश में अपराध बढ़े हैं। इन बढ़े अपराधों को रोककर लोगों के मन में सुरक्षा का भाव पैदा करना बेहद जरूरी है।

घर जा रही छात्रा पर युवक ने किया जानलेवा हमला

बिलासपुर,5दिसंबर। जिले में कॉलेज छात्रा पर सरेराह जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है. सहेली के साथ कॉलेज से पैदल घर लौट रही छात्रा पर एक युवक धारदार हथियार चापड़ से जानलेवा हमला कर दिया, जिससे छात्रा के गले में गंभीर चोट आई है. घायल छात्रा को इलाज के लिए सिम्स में भर्ती कराया गया है. मामला कोटा थाना क्षेत्र का है. पुलिस हमलावर युवक के खिलाफ जुर्म दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है. कोटा क्षेत्र की निवासी युवती कोटा स्थित निरंजन केशरवानी शासकीय कालेज में एमए प्रथम वर्ष की छात्रा है. उसी कालेज में खैरझींटी साजापाली निवासी योगेश साहू पढ़ाई कर रहा था. फाइनल ईयर में फेल होने के बाद उसने प्राइवेट परीक्षा दी थी. उस दौरान उसकी युवती से दोस्ती हो गई थी, लेकिन बाद में छात्र ने आरोपी युवक से बातचीत बंद कर दी थी.रोज की तरह युवती पढ़ाई के लिए निरंजन केशरवानी कॉलेज कोटा गई हुई थी, जब वह कॉलेज से घर वापस जा रही थी. इसी दौरान अचानक योगेश साहू ने छात्रा पर जानलेवा हमला कर दिया. इस हमले में छात्रा के गले और सिर पर चोट आई है. युवक घटना को अंजाम देने के बाद फरार हो गया है.

6 को होने वाली I.N.D.I.A की बैठक टली

नई दिल्ली,5 दिसंबर। बुधवार को होने वाली विपक्षी इंडिया ब्लॉक की बैठक शीर्ष नेताओं के शामिल न होने के फैसले के बाद स्थगित कर दी गई। कांग्रेस की ओर से यह बैठक बुलाई गई थी। दरअसल, बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, बिहार के सीएम नीतीश कुमार और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने इस बैठक में शामिल होने में असमर्थता जताई थी। ममता बनर्जी ने सबसे पहले इसमें महीं शामिल होने की बात कही थी। इसके बाद नीतीश कुमार और अखिलेश यादव ने भी अपनी असमर्थता जता दी। विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक के नेता 2024 के लोकसभा चुनावों की रणनीति तैयार करने के लिए 6 दिसंबर को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर बैठक करने वाले हैं।

माना जा रहा है कि कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन की बैठक को बुलाने का एक तरफा फैसला लिया। कांग्रेस की ओर से इसको लेकर किसी भी सहयोगी दलों से राय नहीं ली गई। यही कारण है कि इन नेताओं ने इस बैठक से दूरी बनाई। इसके अलावा कांग्रेस की ओर से यह बैठक ऐसे समय में बुलाई गई, जब तीन बड़े राज्य मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में उसे हार का सामना करना पड़ा। इंडिया गठबंधन के कई दलों का कहना है कि कांग्रेस ने इन चुनाव में हमारी नहीं सुनी। हमें अपमानित करने की कोशिश की गई। इन चुनाव के दौरान अपने सहयोगी दलों का भी कांग्रेस की ओर से साथ नहीं लिया गया। यही कारण है कि इंडिया गठबंधन के नेताओं में नाराज की बढ़ गई है। कुछ तो इसे कांग्रेस का अहंकार बता रहे हैं।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने सोमवार को दावा किया कि राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनावों के नतीजे हिंदी पट्टी में जबरदस्त कांग्रेस विरोधी भावना को दशार्ते हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रमुख सहयोगियों ने इंडिया गठबंधन के नेतृत्व के लिए जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के सुप्रीमो जैसे विश्वसनीय चेहरे पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री की दौड़ में शामिल होने की बात से रेणुका सिंह ने काटी कन्नी

रायपुर,5 दिसंबर। भरतपुर-सोनहर विधानसभा सीट पर जीत हासिल करने के बाद रायपुर पहुंची केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह ने मुख्यमंत्री बनने के सवाल पर कहा कि इस बात को मैं नहीं जानती हूं. बस मैं इस बात से खुश हूं कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बन रही है, और कमल फूल छाप का कोई व्यक्ति मुख्यमंत्री का कुर्सी की पर बैठेगा. सांसद और अब विधायक रेणुका सिंह ने लल्लूराम डॉट कॉम से चर्चा में कहा कि इस चुनाव को जनता ने लड़ा है, और इसलिए लड़ा है क्योंकि पिछले 5 साल कांग्रेस पार्टी केवल मुख्यमंत्री की कुर्सी को बचाने के लिए छत्तीसगढ़ के विकास की भारत सरकार को राशि भेज रही थी, उसका बंदरबाट कर रही थी. 5 सालों में कांग्रेस ने कुछ नहीं किया है, इसलिए जनता ने भाजपा को समर्थन दिया और बंपर जीत हासिल हुई है. उन्होंने कहा कि सरगुजा संभाग में कांग्रेस पार्टी की सरकार के तीन कैबिनेट मंत्री थे. उनके जितने भी विधायक थे, कहीं ना कहीं, किसी न किसी निगम-आयोग-मंडल में अध्यक्ष के रूप में काम कर रहे थे. लेकिन उपलब्धियों की बात हो तो जीरो है. क्योंकि यह पिछले 5 साल में केवल लड़ाई में व्यस्त रहे. कांग्रेस पार्टी के इतने सारे विधायकों ने सरकार होने के बाद भी विकास कार्य छोड़ दीजिए, जनता की जो छोटी-छोटी समस्याएं थी, उन्हें दूर करने का काम नहीं किया. इस वजह से जनता उन्हें हराया है.

रेणुका सिंह ने बतौर सांसद अपनी उपलब्धि बताते हुए कहा कि देश के इतिहास में जो नहीं हुआ वह मैंने किया है. अंबिकापुर से हमने ट्रेन चलाई. आने वाले समय में 196 किलोमीटर तक का रोड बनेगा. हवाई अड्डा बनकर तैयार है. इसके साथ भारत सरकार वहां पर काम कर रही है. जनता को इस बात को देख रही थी.रेणुका सिंह ने कांग्रेस पार्टी की घोषणा पत्र को नारा करार देते हुए कहा कि देश की आजादी के बाद उन्होंने एक नारा दिया था गरीबी हटाएंगे, विकास करेंगे, लेकिन 75 वर्ष में इसी नारे को लगाते रहे. इस नारा को किसी ने हटाया, देश में किसी ने विकास किया, तो भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किया है.

मूंछ मुड़वाने में मैं भगत की करूंगा मदद : केदार

रायपुर,5 दिसंबर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 के परिणाम आने के बाद भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है. प्रदेश में कांग्रेस की हार और बीजेपी की जीत हर ओर चर्चा है. वहीं सियासी बयानबाजी भी जारी है. इस बीच पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के मूंछ मुंडवाने वाले बयान पर बीजेपी उन्हें रडार में लेने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं. अब अमरजीत भगत को केदार कश्यप ने आड़े हाथों लिया है और कहा कि भगत चाहे तो मैं ही उनकी मूंछ मुड़वाने में उनकी मदद करूंगा. बता दें कि चुनाव से पहले पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के मूंछ मुड़वाने के बयान और उनके वीडियो वायरल होने पर भाजपा नेता केदार कश्यप ने कहा कि जनता ने उनके गुरुर को तोड़ने का काम किया, उनके दावे खत्म हो गए. अमरजीत भगत मेरे पड़ोसी हैं वे चाहे तो मैं ही उनकी मूंछ मुड़वाने में उनकी मदद

करूंगा. बुलडोजर को लेकर भाजपा नेता केदार कश्यप ने कहा कि भ्रष्टाचार, कुशासन पर बुलडोजर चलेगा. जो गलत करेगा, उस पर बुलडोजर चलेगा. हमारे कार्यकर्ताओ में जोश और जुनून है. छत्तीसगढ़ में आदिवासी मुख्यमंत्री के चेहरे पर केदार कश्यप ने कहा कि उद्देश्य था कि सरकार बने. सभी जगह बेहतर परिणाम और सबका समर्थन प्राप्त हुआ. सबका साथ, सबका विकास यही लेकर चलते हैं. विधायक दल की बैठक के बाद सीएम का फैसला होगा. बस्तर और सरगुजा की सीट पर मिली बढ़त को लेकर केदार कश्यप ने कहा, कांग्रेस ने 75 पार की बात कही थी. सारे दिग्गज नेता हार गए. पीसीसी चीफ दीपक बैज घमंड के साथ कहते थे मैं केवल फॉर्म भरने जाऊंगा, वोट मिल जायेगा फिर प्रमाण पत्र लूंगा. कांग्रेस ने जनता को टॉलरेट किया. भाजपा के मंडल अध्यक्ष ने उन्हें हराया है.

खुद के सीएम बनने की इच्छा पर केदार कश्यप ने कहा मैंने दावा नहीं किया. भाजपा ने पद प्रतिष्ठा सम्मान दिया है. मुझे विधायक मंत्री प्रदेश में महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई. इसे बड़ा दायित्व और क्या हो सकता है.

अपनी चलाने के चक्कर में निपट गए सबः भगत

रायपुर,5 दिसंबर। कांग्रेस की बड़ी हार पर पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि अपनी-अपनी चलाने के चक्कर में सब निपट गए. जो जनादेश आया है, उसकी थोड़ी भी उम्मीद नहीं थी. आपस में सामंजस्य की कमी भी रही, जिसका असर दिखा.

टिकट काटने का फॉर्मूला फ्लाप होने पर अमरजीत भगत ने कहा कि यह फॉर्मूला नहीं चल पाया. इसी के चलते एक दूसरे को निपटाने में यह हुआ. अमरजीत भगत ने गड़बड़ी की भी आशंका जताई है.

टीएस सिंहदेव के इस बयान पर कि मुझे सीएम नहीं बनाए इस वजह से सभी सीटें हारे अमरजीत भगत ने कहा कि इन बातों में कोई दम नहीं है, पहले सबको साथ लेकर तो चलना था. बुलडोजर को लेकर अमरजीत भगत ने कहा कि बिना ब्रेक की गाड़ी है. जिसे टारगेट किया है उसे भोगना पड़ेगा.

चेन्नई में तैरती दिखी कारें सड़क पर घूम रहे मगरमच्छ

नई दिल्ली,5 दिसंबर। चक्रवात मिचौंग (उच्चारण मिगजौम) आज आंध्र प्रदेश में बापटला के करीब नेल्लोर और मछलीपट्टनम के बीच टकराने की संभावना है, क्योंकि बंगाल की खाड़ी के ऊपर गंभीर चक्रवाती तूफान लगातार तेज हो रहा है। मौसम प्रणाली के कारण पिछले कुछ घंटों में आंध्र प्रदेश, पुडुचेरी और तमिलनाडु में कई स्थानों पर भारी बारिश हुई। चेन्नई में चक्रवात मिचौंग के प्रभाव के कारण सोमवार को भारी बारिश हुई, सड़कें नदियों में बदल गईं और वाहन बह गए, जिससे अधिकारियों को शैक्षणिक संस्थानों को बंद करने की घोषणा करनी पड़ी। निजी कार्यालयों ने अपने कर्मचारियों को स्थिति में सुधार होने तक घर से काम करने के लिए कहा। तेज हवाओं के साथ हुई बारिश से पेड़, दीवारें और बिजली के खंभे गिर गए। तमिलनाडु की राजधानी में बारिश से संबंधित घटनाओं में आठ लोगों की मौत हो गई। बाढ़ का पानी सरकारी अस्पतालों में घुस गया, जिसके परिणामस्वरूप स्वास्थ्य सेवाएं अस्थायी रूप से बंद हो गईं, जबकि मेट्रो स्टेशनों पर जलभराव के मामले सामने आए। जलमग्न सड़क को पार करते हुए एक मगरमच्छ का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। लगातार बारिश के कारण बिजली गुल हो गई और इंटरनेट बाधित हो गया।

चक्रवात ने परिवहन सेवाओं पर असर डाला, कई ट्रेनें और उड़ानें रद्द कर दी गईं। मंगलवार सुबह 9 बजे तक कोई उड़ान उपलब्ध नहीं होने के कारण चेन्नई हवाईअड्डे के रनवे पर पानी भर गया, जिससे यात्रियों को परेशानी और असुविधा हुई। एक्स के माध्यम से अपने नवीनतम संचार में, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा, दक्षिणी आंध्र प्रदेश और आसपास के उत्तरी तमिलनाडु तटों से दूर पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर गंभीर चक्रवाती तूफान मिचौंग पिछले दिनों 7 किमी प्रति घंटे की गति के साथ उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गया है। 6 घंटे और सुबह 2:30 बजे नेल्लोर से लगभग 20 किमी उत्तर-उत्तरपूर्व, चेन्नई से 170 किमी उत्तर, बापटला से 150 किमी दक्षिण और मछलीपट्टनम से 210 किमी दक्षिण-दक्षिणपश्चिम

पिछले 5 वर्षों में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों की उपेक्षा होती रही

jasclaudius@gmail.com

कुर्सी बचाने के चक्कर में हुई खेल की अनदेखी

✍ जसवंत क्लाडियस,तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

एक नवम्बर 2000 को हमारे प्रदेश के गठन के साथ ही खेलों की दुनिया में छत्तीसगढ़ के बच्चों, किशोरों, युवाओं के लिए खेलकूद में अपनी प्रतिभा को दिखलाने की अपार संभावना थी। समय के आगे बढ़ने के साथ ही साथ 2018 दिसम्बर तक प्रदेश के खिलाड़ियों ने व्हालीबाल, बास्केटबाल, हैंडबाल, बैडमिंटन, शक्तितोलन, शतरंज, क्रिकेट, नेटबाल, भारोत्तोलन, कयाकिंग-कैनोइंग, टेनिस, रोलबाल, फुटबाल आदि कई खेल हैं जिसमें शानदार प्रदर्शन किया। वस्तुतः 2018 दिसम्बर तक खेलकूद के लिए अनुकूल वातावरण बन गया था परंतु दुर्भाग्य की बात है इसी समय छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार आ गई और खेल का भविष्य अंधकारमय हो गया। छत्तीसगढ़ राज्य में एक परंपरा मुख्यमंत्री को छत्तीसगढ़ राज्य ओलंपिक संघ के अध्यक्ष बनाने से शुरू हुई। वास्तव में यह सही हो सकती थी जब मुख्यमंत्री की सोच खेल को आगे बढ़ाने की हो। वह खेल के महत्व को समझने वाला हो। उनमें खेलकूद से जुड़े हुए लोगों को लेकर चलने की चाहत हो। सोचनीय तथ्य यह है कि छत्तीसगढ़ के कांग्रेसी मुख्यमंत्री इस वचार से भिन्नता रखने वाले निकले साथ ही साथ खेल विभाग में पदस्थ युवा मंत्री की बात ही निराली है। वे पांच वर्षों तक खेल विभाग के मंत्री रहे लेकिन खेलहित में ऐसा कुछ भी नहीं किया जिसका उल्लेख यहां पर किया जा सके। इसके अलावा जिन अधिकारियों की नियुक्ति खेल संचालनालय में हुई वे भी खेल के माध्यम से छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने के महत्व को नहीं समझ सके। खेल संचालनालय में राज्य सेवा स्तर के अधिकारी को खेल प्रमुख बनाकर करीब पांच वर्ष तक पदस्थ कर दिया गया जैसे कि उनके बिना छत्तीसगढ़ में खेल गतिविधियों को संचालित नहीं किया जा सकेगा। कांग्रेस सरकार के इसी कार्यकाल में संचालनालय में पदस्थ तेजतर्रार और खेल को बढ़ावा देने के लिए सकारात्मक सोच रखने वाले अधिकारियों को स्थानांतरित कर दिया गया। खेल संघ के पदाधिकारियों के साथ समान व्यवहार नहीं किया गया। कुछ पदाधिकारी खेल अधिकारियों को अपने भरोसे में लेकर मनमर्जी से आदेश निकलवाने लगे। खेल संघ के ऐसे पदाधिकारी जो अपने पक्ष को मजबूती से रखते थे न सिर्फ उनका अपमान किया गया बल्कि उनके खेल, खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों की उपेक्षा की गई। यहां तक बजट आबंटन में भी पक्षपात की बातें आती रही। कुल मिलाकर मुख्यमंत्री का खेल संघ का अध्यक्ष होना छत्तीसगढ़ के खेल, खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, अभिभावकों के लिए भारी पड़ गया। खेल दिवस को दिये जाने वाले अलंकरण, पुरस्कार समारोह, उत्कृष्ट खिलाड़ी की घोषणा जैसी मान्यता धरी की धरी रह गई। 2022, 2023 में दो राष्ट्रीय खेल हुए परंतु परंपरा अनुसार खेलों में भाग लेने से पहले स्वर्ण, रजत, कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के लिए प्रोत्साहन राशि की घोषणा तक नहीं की गई हालांकि हमारे जाबाज खिलाड़ियों ने अपने दम पर पदक जीते। 2023 में अब चुनकर आई नई सरकार के समक्ष खेल विभाग में आमूलचूल परिवर्तन की चुनौती है क्योंकि प्रदेश में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं सिर्फ उन्हें निखारने की आवश्यकता है।

एक नजर

खुली संगीत एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन

भिलाई, 5 दिसंबर। भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीडा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित खुली संगीत एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन 12 से 16 दिसम्बर के मध्य महात्मा गांधी कला मंदिर सिविक सेंटर, भिलाई निवास में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में कर्नाटक (सुगम शास्त्रीय गायन), हिन्दुस्तानी (सुगम, शास्त्रीय गायन), लोक गायन, एकल नृत्य (भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, कथक, ओडिसी), हिन्दुस्तानी वाद्य (तंतुवाद्य एवं ताल वाद्य) तथा खुली आयु वर्ग समूह में नृत्य स्पर्धा का आयोजन होगा। आयु समूह को दो वर्गों में 6 से 12 वर्ष एवं 13 से 18 वर्ष में विभक्त किया गया है। प्रतियोगिता हेतु प्रवेश पत्र दिनांक 04 से 8 दिसम्बर तक प्रदान किये जायेंगे। इच्छक प्रतिभागी प्रतियोगिता से संबंधित जानकारी एवं प्रवेश पत्र के लिये क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग, भिलाई इस्पात संयंत्र, बोकारो हॉस्टल, सेक्टर-4 में कार्यालयीन समय में संपर्क कर सकते है। प्रवेश पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि 08 दिसम्बर 2023 है।

नौसेना दिवस पर वैशालीनगर कॉलेज में रक्तदान शिविर का आयोजन

भिलाई, 5 दिसंबर। नौसेना दिवस एवं विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में एनसीसी, एनएसएस एवं रेड रिबन क्लब इकाई के अंतर्गत कीर्ति परमानंद एवं सन्ना ब्लड कंपोनेंट सेंटर भिलाई के साथ संयुक्त रूप से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । इस शिविर का शुभारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ श्रीमती अलका मेश्राम ने अपने उद्बोधन में कहा कि ब्लड डोनेशन करते समय ये सोचे की आपका दिया हुआ ब्लड किसी की जिंदगी बचाने में कार्यकारी सिद्ध होगा। इस मूल मंत्र के साथ आज एनएसएस एवं रेड रिबन क्लब के कार्यक्रम अधिकारी सुरेश कुमार ठाकुर, एनसीसी के 17 कैडेट, एनएसएस के 08 स्वयंसेवकों एवं कंप्यूटर साइंस के 3 छात्र छात्राओं ने रक्तदान किया। इस कार्यक्रम का संचालन लेफ्टिनेंट महेश कुमार अलेंद्र के द्वारा किया गया । कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ कैलाश शर्मा, दिनेश कुमार सोनी,स्पोर्ट ऑफिसर यशवंत कुमार देशमुख, सहायक प्राध्यापक डॉ अजय मनहर, अमृतेश शुक्ला उपस्थित रहे।

आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत पद्मश्री अनूप जलोटा नाईट का आयोजन

भिलाई, 5 दिसंबर। भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन के तत्वाधान में 09 दिसम्बर को भिलाई क्लब के क्रिस्टल गार्डन में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत पद्मश्री अनूप जलोटा नाईट कार्यक्रम का आयोजन संध्या 7.30 बजे से किया जा रहा है। क्रीड़ा सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग के माध्यम से आयोजित इस विशेष संगीत संध्या में अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पद्मश्री अनूप जलोटा द्वारा भजन व गीत-गजल के विविध बानगी पेश की जायेगी। इस आयोजन में संगतकार के रूप में मुंबई से अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वादक कलाकार निर्णायक की भूमिका अदा करेंगे। आयोजन में अनूप जलोटा अपने बेहद चर्चित गीतों के विशेष प्रस्तुतिओं को सुरमई अंदाज में प्रस्तुत करेंगे। गत वर्षों से सुर सम्राट अनूप जलोटा के अविस्मरणीय गायकी के प्रति रुझान को दृष्टिगत करते हुए संयंत्र प्रबंधन द्वारा यह आयोजन भिलाई के संगीत प्रेमियों को समर्पित किया जा रहा है। भिलाई के संगीत सुधीजनों के लिये प्रवेश पूर्णतया निःशुल्क है।

बेमौसम बारिश ने बढ़ाई ठिठुरन जन जीवन अस्त व्यस्त

भिलाई, 5 दिसंबर। शीत ऋतु में मौसम की बेरुखी देखने को मिल रही है। घने बादलों

का डेरा है और रात से रुक-रुक कर वर्षा हो रही है। बेमौसम बारिस से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। इसी में ठण्ड का प्रकोप भी बढ़ गया है। बेमौसम बारिश ने ठिठुरन इस कदर बढ़ाई है लोगों के गर्म कपड़े बाहर निकल गए हैं। तापमान में भी गिरावट आई है। दक्षिण भारत में आये चक्रवात का असर देखने को मिल रहा है। पूरा माहौल मानसून की तरह का हो गया है।

7 दिसम्बर तक आयोजित हो रहे कार्यक्रम

धमतरी 5 दिसम्बर । जिला एड्स नियंत्रण समिति के तत्वावधान में जिले में 1 से 7 दिसम्बर तक ''विश्व एड्स दिवस सप्ताह'' के रूप में मनाया जा रहा है। पखवाड़े का शुभारंभ 1 दिसम्बर को जिला चिकित्सालय धमतरी के ब्लड बैंक में ब्लड डोनेशन शिविर आयोजित कर किया गया। इस दौरान जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर महाविद्यालयों में एड्स की रोकथाम एवं बचाव से संबंधित अनेक कार्यक्रम एवं संगोष्ठी तथा रंगोली प्रतियोगितायें आयोजित की जा रहीं हैं।

इसी कड़ी में आज जिला चिकित्सालय धमतरी परिसर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.के. मण्डल तथा सिविल सर्जन डॉ. ए.के. टोण्डर द्वारा जनजागरुकता एवं भेदभाव निषेध की शपथ दिलायी गई।

विजय की जीत के बाद कवर्धावासियों ने मनाई दूसरी बार दीपावली

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा,5 दिसंबर। प्रदेश सरकार में कद्दावर मंत्री और कवर्धा विधायक मो. अकबर को कवर्धा विधानसभा से 39592 मतों से करारी सिकस्त देकर कवर्धा की सत्ता अपने नाम करने वाले कवर्धा विधानसभा से भाजपा के युवा प्रत्याशी विजय शर्मा की जीत के जश्न में शामिल हुए कवर्धा के नागरिक !लोगो ने घर घर दीपक जलाकर अपने खुशियों का प्रदर्शन किया,तो वही शहर से लेकर गाँव गाँव मे खूब आतिशबाजी की गई।लोगो ने अपनी भावना व्यक्त करते हुए कहा कवर्धा को दबाव की राजनीति से आज मुक्ति मिली । लोगो ने कहा दूसरी बार हमें दिवाली मनाने का मौका मिला है । परिणाम मात्र से ही कवर्धा में नया उत्साह का संचार हो रहा है ।

देररात जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा भाजपा प्रत्याशियों को विजयी घोषित करते हुए प्रमाण पत्र वितरण किया गया। जिसके बाद भाजपा के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों द्वारा अपने विजेता प्रत्याशियों का गाजे-बाजे, आतिषी धमाकों के साथ विजय जुलूश निकाला गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं तथा नगर की जनता का उत्साह देखते ही बन रहा था। उनके साथ हजारों की संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता व उनके समर्थक चल रहे थे। मतगणना स्थल नवीन कृषि उपज मण्डी से देररात प्रारंभ हुआ । इस दौरान ट्रांसपोर्ट नगर के पास मिनीमाता चौक, ठाकुर पारा, ऋषभ देव चौक, एकता चौक, सिग्रल चौक में नगरवासियों ने भाजपा के विजयी प्रत्याशी विजय शर्मा का रंग गुलाल, फूल माला के साथ आरती उतारकर भव्य व आत्मीय स्वागत किया। भाजपा प्रत्याशि के इस आत्मीय सम्मान में नगर की महिलाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। महिलाएं भाजपा प्रत्याशियों के विजय जुलूस आने घरों से बाहर निकलकर माताओं ने आरती की थाल लेकर विजय शर्मा का स्वागत किया ।इस दौरान नगर वासियों ने घर घर व मंदिरों में दीप जलाकर लोकतंत्र के महापर्व को दीपोत्सव में बदल दिया । दूसरी तरफ भाजपा के उत्साही कार्यकर्ताओं ने मार्ग में पडने वाले सभी चौक चौराहों में दूसरी बार दीपावली मनाते हुए जोरदार आतिशबाजी की और पूरे आसमान को रात के अंधेरे में रोशन कर दिया। विजय जुलुश नगर के मुख्य मार्ग से झंडा चौक पहुंचा। जहां कवर्धा विधानसभा के विजेता प्रत्याशी विजय शर्मा ने भगवा ध्वज को पूरी श्रद्धाभक्ति और आस्था के साथ नमन किया तथा पूजा अर्चना की। इस अवसर पर उन्होने एक नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह जीत कवर्धा की जनता की जीत है, इस जीत के साथ ही कवर्धा की जनता को कांग्रेस शासनकाल के भय, आतंक और भ्रष्टाचार से मुक्ति मिल गई है। उन्होने कहा कि पैसे और पसीने की लड़ाई में पसीने की जीत हुई है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता और नगरवासी उपस्थित थे।

बीआरएम की टीम को बीजिंग में गोल्ड अवार्ड, निदेशक प्रभारी को सौंपा

भिलाई, 5 दिसंबर। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की क्वालिटी सर्कल टीमों ने अपनी सृजनशीलता को ऊंची उड़ान देने में कामयाबी हासिल की है। चीन के बीजिंग में 30 अक्टूबर से 02 नवम्बर 2023 के मध्य आयोजित क्वालिटी कंट्रोल सर्कल के इंटरनेशनल कन्वेंशन में बीएसपी की बीआरएम विभाग की क्वालिटी सर्कल टीम 'सारथी' ने गोल्ड अवार्ड जीतने में कामयाबी हासिल की है। 4 दिसम्बर को भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता को, सभी कार्यपालक निदेशकगणों की उपस्थिति में इस गोल्ड अवार्ड को सुपुर्द किया। निदेशक प्रभारी सभागार में आज आयोजित एक संक्षिप्त समारोह में विजेता टीम के सदस्यों ने संयंत्र के निदेशक प्रभारी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुतिकरण दिया। यह प्रस्तुतिकरण बीजिंग में भी आयोजित क्वालिटी सर्कल सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया था और इसे ही स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ था। इस अवसर पर संयंत्र के कार्यपालक निदेशक अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेशक एस मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेशक डॉ ए के पंडा, कार्यपालक निदेशक ए के चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक समीर स्वरूप, कार्यपालक निदेशक बी के गिरी, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, मुख्य महाप्रबंधक एम के गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक श्रीमती निशा सोनी और महाप्रबंधक एम के दुबे उपस्थित थे। व्यावसायिक उत्कृष्टता विभाग के मार्गदर्शन में बीई विभाग के विभागाध्यक्ष व महाप्रबंधक मनोज दुबे के नेतृत्व में बार रॉड मिल की टीम 'सारथी' जिसमें दीपेश कुमार चुघ, धनराज साहू, शूभम शिंदे, कुंते लाल व यशवंत कुमार शामिल है, ने क्वालिटी कंसेप्ट्स के इंटरनेशनल कन्वेंशन में गोल्ड अवार्ड जीतकर भिलाई का नाम रौशन किया है। इस प्रतियोगिता में बीएसपी की टीम ने अपने विभाग में किए गए ।

मैत्री बाग में मनाया गया 38 वाँ कब-बुलबुल उत्सव

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 5 दिसंबर। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग एवं भारत स्काउट गाइड जिला संघ भिलाई के तत्वावधान में, 38 वाँ कब-बुलबुल उत्सव सोमवार को मैत्री बाग के मोमबत्ती गार्डन में मनाया गया। इस उत्सव के समापन तथा पुरस्कार वितरण समारोह के विशिष्ट अतिथि, मुख्य महाप्रबंधक जे वाय सपकाले तथा उप महाप्रबंधक डॉ एन के जैन थे। इस अवसर पर जे वाय सपकाले ने कब बुलबुल द्वारा किये गये गतिविधियों की सराहना की तथा उत्सव में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। उन्होंने अभिभावकों को इस तरह के कार्यक्रम में बच्चों को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए धन्यवाद दिया। उत्सव में सम्मिलित सभी शालाओं में से, भिलाई इस्पात विकास विद्यालय सेक्टर-6 विजेता रहा। उद्घाटन, जिला आयुक्त (गाइड) एवं प्राचार्या (सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर -10) श्रीमती सुमिता सरकार द्वारा स्काउट-गाइड का ध्वजारोहण करके किया गया। झंडा गीत व ईश-प्रार्थना के बाद जिला आयुक्त (स्काउट) एवं प्राचार्य (भिलाई विद्यालय सेक्टर-2) विजय सिंह पवार ने स्वागत भाषण दिया तथा कार्यक्रम को गति प्रदान की। इस अवसर पर अर्जुन अवार्डी, ओलंपियन एवं उप महाप्रबंधक राजेंद्र प्रसाद ने बच्चों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कब-बुलबुल उत्सव और इसके विविध प्रतियोगिताओं से बच्चों में अनुशासन जागृत होता है, जो आगे इनके जीवन को सही राह पर ले जाने में सहायता करता है। इस उत्सव में विविधता से भरे रंगारंग कार्यक्रमों में बीएसपी के आठ अलग-अलग शालाओं के 275 कब-बुलबुल ने भाग लिया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी। जिसमें गांठ, चित्रकला, सामूहिक नृत्य, बुलबुल ट्री, विविध वेशभूषा, गंध प्रतियोगिता, साहसिक गतिविधि, झंडा गीत प्रतियोगिता, प्रतिज्ञा नियम आदि शामिल हैं। सभी प्रतियोगिताओं में कब-बुलबुल ने पूरे जोश के साथ भाग लिया। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी, कब बुलबुल उत्सव-2023 में, दस अलग-अलग प्रतियोगिताओं का आयोजन कर बच्चों में निहित प्रतिभाओं का मूल्यांकन किया गया। कब-बुलबुल द्वारा, सामूहिक नृत्य में प्रकृति, पशु-पक्षियों, परियों की वेशभूषा एवं मुखौटे आदि का प्रयोग करते हुए संगीतमय नृत्य की प्रस्तुति दी गई। जिसने आयोजकों, निर्णायकों एवं दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर लिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतीकरण में कागभौड़ा में जंगल, जल और अपनी जमीन की रक्षा के लिए बस्तर जिले के आदिवासी आंदोलन पर आधारित घटना के मंचन ने सभी को भावविभोर कर दिया। इनके अलावा स्वतंत्रता सेनानी रानी लक्ष्मी बाई, चंद्रयान-3 के सफल मिशन और देशभक्ति पर आधारित छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य को विशेष सराहना मिली।

कब-बुलबुल उत्सव में सम्पन्न होने वाली इन विभिन्न प्रतियोगिताओं हेतु जिला शिक्षा अधिकारी, दुर्ग के द्वारा मनोनीत छः शासकीय विद्यालयों में कार्यरत, 03 स्काउट व 03 गाइडर ने निर्णायक की भूमिका निभाई। स्पष्ट प्रस्तुतिकरण, गणवेश, निर्धारित समय सीमा, अनुशासन, कौशल आदि के मानदंण्ड के अनुरूप ही उत्कृष्ट विजेताओं का चयन किया गया। समारोह का संचालन मनीष तिवारी एवं प्रधान पाठिका (ई.एम.एम.एस-मरोदा) श्रीमती सरिता बहल, ने किया। धन्यवाद ज्ञापन, श्रीमती सुमिता सरकार प्राचार्य (एसएसएस-10) ने किया ।

सेल ने सीएसआर के तहत दिव्यांगजनों के लिए वितरित किए सहायक उपकरण

भिलाई, 5 दिसंबर। देश की सार्वजनिक क्षेत्र की महारत्न कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने सोमवार को नई दिल्ली में अपने निगमित कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम के सहयोग से दिव्यांगजनों के विभिन्न वर्गों को सहायक उपकरण वितरित किए। कंपनी ने निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत अपने इस प्रमुख कार्यक्रम को लगातार दूसरे वर्ष आयोजित किया। सेल ने इसके साथ ही, देश भर में फैले अपने विभिन्न संयंत्रों और इकाइयों में बड़ी संख्या में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित किए। सेल द्वारा प्रदान किए गए सहायक उपकरणों में ट्राइसाइकिल, मोटराइज्ड ट्राई साइकिल, स्मार्ट केन, स्मार्ट फोन, घुटने के ब्रेसिज़ और श्रवण यंत्र शामिल हैं। इस अवसर सेल अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश ने पिछले कुछ वर्षों में दिव्यांगता के प्रति सामाजिक जागरूकता में सकारात्मक बदलाव का उल्लेख किया और दिव्यांगजनों को सुविधा और सहायता प्रदान करने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता दोहराई। वर्तमान में, सेल अपने संयंत्रों के इलाकों में दिव्यांगजनों के लिए ज़रूरी विभिन्न विशेष सुविधाओं जैसे राउरकेला में %ब्लाइंड, ड़ेफ़ और मानसिक रूप से विकलांग बच्चों के लिए स्कूल एवं होम एंड होप, बोकारो में आशालता केंद्र, दुर्गापुर में विकलांग उन्मुख शिक्षा कार्यक्रम% एवं %दुर्गापुर विकलांग हैप्पी होम और बर्नपुर में चेशायर होम इत्यादि का संचालन कर रहा है।

विश्व एड्स दिवस पर विविध गतिविधियां

अंवरी, 5 दिसंबर। छत्तीसगढ़ महतारी महाविद्यालय भखारा में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर रेड रिबन क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना और छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति के संयुक्त तत्वावधान में विविध कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम समस्त महाविद्यालयीन अधिकारियों कर्मचारियों एवं छात्र छात्राओं को एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता अभियान चलाने तथा एड्स पीड़ित के प्रति सहानुभूति रखने के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ शैलेन्द्र कुमार साहू ने प्रतिज्ञा दिलाई। इसके पश्चात् छात्र छात्राओं के मध्य विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। प्रश्नमंच में वैज्ञानिकों के नाम पर आधारित - अरस्तू, न्यूटन, गैलीलियो, मार्टिन कूपर, चार्ल्स बैवेज नामित पांच टीमों ने भाग लिया जिसमें मार्टिन कूपर टीम ने विजय प्राप्त की। इस टीम में बीएससी भाग 3 से लेखनी, रोशनी, रेशमा, टुमेश्वरी एवं बीएससी प्रथम से चेतना ने भाग लिया। रंगोली प्रतियोगिता में चांदनी बी ए भाग तीन ने प्रथम, प्रीति बीएससी भाग तीन ने द्वितीय तथा गीतांजलि बी ए भाग एक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में राजेश्वरी साहू बीएससी भाग एक ने प्रथम, राजलक्ष्मी देवांगन बी ए भाग एक ने द्वितीय तथा दामिनी बी ए भाग एक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। समस्त विजयी छात्र छात्राओं को रेड रिबन क्लब के द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिह्न के माध्यम से पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार से प्राचार्य डॉ शैलेन्द्र कुमार साहू, प्राध्यापकगण एम एस साहू, टी के साहू, ऐमेश्वरी ढीढी, नेहा साहू, उषा साहू, हिमानी जोशी, एस के साहू, अंजु कुर्रे, दिनेश कुमार साहू एवं कर्मचारी तोमेश्वर मौर्यवंशी तथा बी ए, बीएससी, बी काम के समस्त छात्र छात्राओं की उपस्थिति रही। सभी ने विजयी छात्र छात्राओं को हृदय से बधाई दी।

विश्व एड्स दिवस पर छात्र-छात्राओं ने ली प्रतिज्ञा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

अंवरी,5 दिसंबर। छत्तीसगढ़ महतारी महाविद्यालय भखारा में विश्व एड्स दिवस पर महाविद्यालय में संचालित रेड रिबन क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय में समस्त महाविद्यालयीन अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र छात्राओं को एचआईवी एड्स के जागरूकता अभियान चलाने हेतु महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ शैलेन्द्र कुमार साहू ने प्रतिज्ञा दिलाई। इस अवसर पर महाविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें रंगोली, प्रश्न मंच, पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजयी छात्र छात्राओं को बधाई दी और रेड रिबन क्लब के द्वारा इन्हें प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिह्न से पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाएगा। महाविद्यालय के प्राध्यापकगण ने एचआईवी/एड्स से संबंधित जानकारी दी। सुश्री नेहा साहू सहायक प्राध्यापक जंतु विज्ञान ने एचआईवी/ एड्स के कारण/ बचाव पर जानकारी देते हुए कहा कि आज एड्स विश्व भर में महामारी की तरह फैलता जा रहा है जो लाईलाज है केवल सावधानी बरतकर इससे बचा जा सकता है। विश्व में एड्स की शुरुआत कहां से हुई और यह आज कितना अपने पैर पसारते जा रहा है इस पर विचार करना आवश्यक है । इसी कड़ी में सुश्री ऐमेश्वरी ढीढी सहायक प्राध्यापक वनस्पति विज्ञान ने एचआईवी एड्स के लक्षणों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एड्स पीड़ित व्यक्ति के जीवन अवधि को थेरेपी के माध्यम से बढ़ाया जा सकता है। आज एचआईवी एड्स भयावह रूप ले लिया है। समस्त शासकीय अस्पतालों में इसकी निशुल्क जांच की जाती है तथा एड्स पीड़ित व्यक्ति की जानकारी गुप्त रखी जाती है ताकि पीड़ित व्यक्ति की मानसिक स्थिति संतुलित रह सके। अन्य सहायक प्राध्यापकों व छात्र छात्राओं ने भी एचआईवी एड्स पर अपने विचार व्यक्त किये। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ शैलेन्द्र कुमार साहू ने कहा कि आज युवा वर्ग आगे आकर एचआईवी एड्स के प्रति समाज जो भ्रांतियां हैं उसे दूर कर जागरूकता फैलाएं। जैसे एड्स पीड़ित व्यक्ति से हाथ मिलाने, उसके द्वारा प्रयोग किए गए शौचालय का उपयोग करने, साथ में खाना खाने आदि से एड्स नहीं फैलता। हमें समाज में एचआईवी एड्स के प्रति कारणों, लक्षणों, बचाव और एड्स के प्रति फैली भ्रांतियों को बताते हुए जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है जिससे हमारा समाज स्वस्थ सुंदर हो सके। कार्यक्रम का संचालन टी के साहू सहायक प्राध्यापक हिंदी तथा कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना ने किया तथा आभार व्यक्त एम एस साहू सहायक प्राध्यापक राजनीतिविज्ञान ने किया ?। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार से प्राचार्य डॉ शैलेन्द्र कुमार साहू प्राध्यापकगण एम एस साहू, टी के साहू, ऐमेश्वरी ढीढी, नेहा साहू, दिनेश कुमार साहू, उषा साहू, हिमानी जोशी, अंजु कुर्रे, एस के साहू एवं कर्मचारी तोमेश्वर मौर्यवंशी तथा समस्त छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

एक नजर

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाईन आवेदन 30 तक

राजनांदगांव 5 दिसम्बर। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की पात्रता रखने वाले महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों से ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित की गई है। नवीन एवं नवीनीकरण आवेदन के लिए विद्यार्थी 30 दिसम्बर 2023 तक ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। प्रस्ताव लॉक करने के अंतिम तिथि 15 दिसम्बर 2023 से 20 जनवरी 20 जनवरी 2024 तक एवं स्वीकृति लॉक करने की अंतिम तिथि 15 दिसम्बर 2023 से 24 जनवरी 2024 तक निर्धारित है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के पात्रता रखने वाले विद्यार्थी वेबसाईट http://postmatricscholarship.cg.nic.in पर पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन प्रस्तुत कर सकते है।

डिश टीवी ने वॉइस सर्च सुविधा को किया लांच

रायपुर 5 दिसंबर। उपभोक्ता इंटरएक्शन को बढ़ाने और इंटरफेस और मनोरंजन अनुभव को पुनः परिभाषित करने के लिए एक आकर्षक पहल के रूप में, डिश टीवी, भारत की प्रमुख डीटीएच कंपनी ने अपने मोबाइल एप्लिकेशन - माय डिश टीवी एप्लिकेशन में एक वॉइस सर्च सुविधा को लांच किया है। छ्व्र॥ इंडस्ट्री में इस तरह की पहल प्रगति का संकेत है। वॉयस सर्च फीचर इसके पहले ही मौजूद सर्च सुविधाओं के साथ उपभोक्ताओं को एप्लिकेशन के साथ वॉइस कमांड का उपयोग करने की सुविधा प्रदान करती है। माय डिश टीवी एप्लिकेशन के भीतर नई जोड़ी गई वॉयस सर्च फीचर ने गूगल की प्रगत आवाज पहचान प्रौद्योगिकी और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण कार्यक्षमता का उपयोग किया है, जो उपभोक्ताओं के लिए अलग अनुभव देने का वादा करती है। यह उनकी उपभोक्ता आवाज सुनकर न सिर्फ उसका उत्तर देता है बल्कि उपभोक्ता को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करता है। वॉयस सर्च फीचर के साथ, उपभोक्ता आसानी से एप्लिकेशन में नेविगेट कर सकते हैं, वॉइस कमांड के माध्यम से वे सीधे एप्लिकेशन पर पहुँच सकते है। सब्सक्राइबर्स अब सुविधाजनक टॉप-अप के लिए मेरा खाता रीचार्ज करें या पैक बदलें के ऑप्शन को चुनकर असुविधा रहित सदस्यता को चुन सकते हैं।

आईआईएफएल समस्ता बॉन्ड्स की मदद से 1,000 करोड़ तक की पूंजी जुटाएगी

रायपुर 5 दिसंबर। भारत की सबसे बड़ी नॉन-बैंकिंग माईक्रोफाईनेंस कंपनियों (एनबीएफसी-एमएफआई) में से एक, आईआईएफएल समस्ता फाईनेंस सिक्योर्ड बॉन्ड्स के अपने पहले पब्लिक इश्यू की मदद से 1,000 करोड़ रु. तक की पूंजी जुटाएगा, जिसका उद्देश्य व्यावसायिक वृद्धि और पूंजी निर्माण के लिए किया जाएगा। ये बॉन्ड अत्यधिक सुरक्षा के साथ 10.50 प्रतिशत तक का रिटर्न प्रदान करेंगे। ये इश्यू सोमवार, 4 दिसंबर, 2023 से मिलना शुरू होंगे, और शुक्रवार, 15 दिसंबर, 2023 तक मिलेंगे। आईआईएफएल समस्ता आईआईएफएल फाईनेंस का अंग है, जो भारत के सबसे बड़े रिटेल केंद्रित एनबीएफसी समूहों में से एक है, जिसके पास 73,066 करोड़ रु. के लोन एस्सेट अंडर मैनेजमेंट हैं। आईआईएफएल समस्ता फाईनेंस 200 करोड़ रु. के बॉन्ड्स जारी करेगा, और उसके पास 800 करोड़ रु. तक के ओवर-सब्सक्रिप्शन (कुल मिलाकर 1,000 करोड़ रु.) बनाए रखने के लिए ग्रीन-शू का विकल्प भी होगा। आईआईएफएल समस्ता बॉन्ड 60 महीने की अवधि के लिए 10.50 प्रतिशत प्रतिवर्ष की सर्वाधिक कूपन दर प्रदान करते हैं। ये एनसीडी 24 महीने, 36 महीने और 60 महीने की अवधि के लिए उपलब्ध हैं। ब्याज के भुगतान की फ्रीक्वेंसी हर सीरीज़ के लिए मासिक और वार्षिक आधार पर उपलब्ध होगी।

ईप्पी ने अपने मसाला नूडल्स पोर्टफोलियो का विस्तार किया

रायपुर 5 दिसंबर। आईटीसी के अग्रणी इंस्टैंट नूडल्स एवं पास्ता ब्रांड सनफास्ट ईप्पी ने एक नया वेरिएंट ईप्पी वाव मसाला नूडल्य लॉन्च करते हुए अपनी प्रोडक्ट रेंज का विस्तार किया है। यह नई स्वादिष्ट पेशकश सिर्फ 10 रुपए प्रति पैक (50 ग्राम) में उपभोक्ताओं के लिए एक बेहतर मसाला फ्लेवर देने का वादा करती है। ईप्पी ने यह महसूस किया कि उपभोक्ताओं को एक किफायती कीमत पर अच्छी क्वालिटी के मसालेदार नूडल्स की तलाश है। देश के सबसे पसंदीदा नूडल्स ब्रांड में से एक होने के नाते ईप्पी ने उपभोक्ताओं की इस ज़रूरत को पूरा करने के लिए ईप्पी वाव मसाला तैयार किया है। यह नई पेशकश ईप्पी वाव मसाला सिर्फ 10 रुपए की प्रतिस्पर्धी कीमत पर मसालेदार और स्वादिष्ट होने का वादा करती है।

ऐतिहासिक जीत दर्ज कर बृजमोहन ने रचा कीर्तिमान

रायपुर 5 दिसंबर। छत्तीसगढ़ के इस विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता बृजमोहन अग्रवाल ने लगातार आठवीं बार प्रचंड जीत दर्ज करते हुए रायपुर दक्षिण विधानसभा से अपने प्रतिद्वंदी महंत रामसुंदर दास को 67819 मतों से परास्त किया है। बृजमोहन अग्रवाल की यह जीत छत्तीसगढ़ के इतिहास की सबसे बड़ी जीत है। भाजपा हो या कांग्रेस किसी भी पार्टी के विधानसभा प्रत्याशी ने कभी भी इतनी बड़ी जीत दर्ज नहीं की है। आठ बार विधानसभा चुनाव जीतने वाले तो देश में कई नेता होंगे परंतु लगातार आठ बार विधानसभा चुनाव जीतने वाले चंद लोग ही भारत की राजनीति में है। बृजमोहन अग्रवाल का अपनी आठवीं पंचवर्षीय में रिकार्ड 67819 मतों से जितना भी यह साबित करता है कि वे जनता के बीच कितने लोकप्रिय हैं। आज की राजनीति में 5 साल विधायक रहने के बाद लोग अपनी विधानसभा नहीं संभाल पाते। पराजित होकर राजनीति से किनारे लगा दिए जाते हैं। ऐसे में जहां जाति,धर्म और संप्रदाय की राजनीति हावी हो उसे दौर में बृजमोहन अग्रवाल का सभी समाजों,वर्गो का साथ और आशीर्वाद मिलना कोई साधारण बात नहीं है। इस संबंध में जब हमने बृजमोहन अग्रवाल से बात की तो उन्होंने अपनी जीत का श्रेय माता बाबूजी के आशीर्वाद,भारतीय जनता पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ताओं और मतदाताओं को दिया। उन्होंने कहा कि जनता हमें विधायक के रूप में अपना सेवक चुनती है ,कोई शासक नहीं। इसलिए हमारे मन में हमेशा सेवा का भाव होना चाहिए। मैंने अपनी 40 साल की राजनीति में खुद को जनता का सेवक ही माना है। 24 घंटे सातों दिन में जनता की सेवा में समर्पित होकर कार्य करने का प्रयास करता हूं। यही वजह है कि जनता का प्रेम, साथ और आशीर्वाद सदैव मेरे साथ बना रहता है।

लोगों के बीच अपनापन, प्रेम व्यवहार ही सच्चा पुण्य है: भानु चंद्राकर

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कुरुद 5 दिसंबर। परमार्थ के कर्मों को अपना दायित्व समझने व इन कर्मों में सुकून अनुभव करने वाले समाज सेवी भानु चंद्राकर विगत कई सालों से जन सेवा के कार्य में जुटे हुए हैं। भानु चंद्राकर के अनुसार संसार के लोगों के बीच अपनापन, प्रेम व्यवहार ही सबसे बड़ा पुण्य कर्म है बाकी सब चीजें गौण है। भानु चंद्राकर का लोगों के प्रति आत्मीयता, सद्भाव उनके आचरण में समाहित है, वे कई सालों से एक परंपरा चला रहे है जिसके तहत वे अपने निवास स्थान में मौसम के अनुरूप व्यंजन बनवाकर शहर के लोगों को आमंत्रित कर एक साथ बैठकर नाश्ता करवाना एवं स्वयं उनके साथ मिलकर नाश्ता करना उनका दिनचर्या बन गया है, जो कि आम लोगों के प्रति उनके आपसी प्रेम, व्यवहार, आत्मीयता को दर्शाता है। इसी कड़ी में गत दिनों कुरूद नगर के पत्रकारों के एक दल के साथ उन्होंने अपने निवास में ठंड के मौसम के अनुरूप बनाए जाने वाले स्वास्तिक व्यंजन का भी उक्त दल के साथ नाश्ता चाय का आनंद लिया। वहीं भानु चंद्राकर रक्तदान के प्रति भी लोगों में जागरूकता ला रहे हैं तथा उनके प्रयास से अब तक लगभग सात से आठ हजार लोगों को रक्तदान का लाभ भी मिल चुका है। भानु चंद्राकर ने पत्रकारों से मुलाकात के दौरान बातचीत में बताया कि क्षेत्र के लोगों की तकलीफ को देखते हुए मुझे दुःख होता था तथा मन में प्रेरणा जागृत हुआ कि क्यों ना जरूरत मंद लोगों की सहायता की जाय। इसी उद्देश्य को लेकर वे वंदे मातरम समिति के माध्यम से लोगों को राहत पहुंचा रहे हैं तथा यह सिलसिला लगातार जारी है जो कि अब धमतरी जिला में एक पहचान बन गया है। इसी प्रकार लावारिस लाश को सद्गति देने हेतु वंदे मातरम परिवार के माध्यम से समिति के सदस्यों के साथ मिलकर विगत 13 14 वर्षों से मुक्तिधाम में सद्गति प्रदान करने का कार्य कर रहे है तथा गरीब परिवार के लोगों की मृत्यु होने पर दाह संस्कार हेतु तीन क्विंटल लकड़ी प्रदान किया जाता है। वंदे मातरम समिति परिवार द्वारा किए जा रहे यह पुनीत कार्य कुरूद नगर के लिए बड़े ही गौरव की बात है। भानु चंद्राकर जी द्वारा जनहित में सेवाभाव से किए जा रहे निस्वार्थ कार्यों की लोगों द्वारा भूरी भूरी प्रशंसा की जा रही है। वे अब तक लगभग 2000 लोगों को सहायता पहुंचा चुके हैं।

राज्यपाल से सैनिक कल्याण बोर्ड के संचालक ने की मुलाकात

रायपुर, 5 दिसंबर। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन से आज राजभवन में सैनिक कल्याण बोर्ड के संचालक विवेक शर्मा ने मुलाकात कर सशस्त्र सेना झण्डा दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में आमंत्रित किया।

विश्व एड्स दिवस सप्ताह 7 दिसम्बर तक

धमतरी 5 दिसम्बर। जिला एड्स नियंत्रण समिति के तत्वावधान में जिले में 1 से 7 दिसम्बर तक ''विश्व एड्स दिवस सप्ताह'' के रूप में मनाया जा रहा है। पखवाड़े का शुभारंभ 1 दिसम्बर को जिला चिकित्सालय धमतरी के ब्लड बैंक में ब्लड डोनेशन शिविर आयोजित कर किया गया। इस दौरान जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर महाविद्यालयों में एड्स की रोकथाम एवं बचाव से संबंधित अनेक कार्यक्रम एवं संगोष्ठी तथा रंगोली प्रतियोगितायें आयोजित की जा रहीं हैं। इसी कड़ी में आज जिला चिकित्सालय धमतरी परिसर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.के. मण्डल तथा सिविल सर्जन डॉ. ए.के. टोण्डर द्वारा जनजागरुकता एवं भेदभाव निषेध की शपथ दिलायी गई। इस अवसर पर सीएमएचओ ने हरी झण्डी दिखाकर प्रशिक्षु नर्सिंग छात्र-छात्राओं की जनजागरुकता रैली को रवाना किया, जो शहर के मुख्य मार्ग से होते हुए वापस जिला चिकित्सालय के परिसर में संगोष्ठी के बाद सम्पन्न हुई। विश्व एड्स सप्ताह के अन्तर्गत जिला चिकित्सालय परिसर में इस वर्ष के थीम ''समुदाय को नेतृत्व करने दे'' के आधार पर ट्रांसजेन्डर समुदाय द्वारा एड्स नियंत्रण जनजागरुकता रैली का नेतृत्व के साथ-साथ अस्पताल परिसर एवं शहर के चौक-चौराहों में जनजागरुकता के साथ ही प्रचार-प्रसार सामग्री का वितरण किया गया।

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस 7 दिसम्बर को

राजनांदगांव 7 दिसम्बर। भारत की रक्षा करते हुए भारतीय सशस्त्र सेना के शहीद हुए जवानों को पुण्य स्मरण करने एवं उनके सम्मान में प्रतिवर्ष 7 दिसम्बर को सशस्त्र सेना झण्डा दिवस का आयोजन किया जाता है। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ग्रुप कैप्टन श्री ब्रिजेश कुमार शर्मा (सेवा निवृत्त) ने बताया कि इस अवसर पर शहीद जवानों के परिवारों एवं जरूरतमंद भूतपूर्व सैनिकों की सहायता के लिए ध्वज वितरण कर धनराशि एकत्रित किया जाता है और एकत्रित राशि को समामेलित विशेष निधि राज्य सैनिक बोर्ड के कोष में जमा कराया जाता है। ध्वज का न्यूनतम मूल्य निर्धारित नहीं है, कोई भी नागरिक स्वेच्छा से राशि दान कर सकते है। अंशदान कर राशि नगद, चेक या डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से कार्यालय जिला सैनिक कल्याण कार्यालय राजनांदगांव को प्रदान कर पावती प्राप्त कर सकते है। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस की अंशदान राशि पर आयकर की धारा 80-जी के तहत आयकर में 100 प्रतिशत की छूट है।

कलिंगा विश्वविद्यालय में एएसपी ओएल मीडिया प्राइवेट लिमिटेड का कैंपस ड्राइव

रायपुर 5 दिसंबर। कलिंगा विश्वविद्यालय मध्य भारत का एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान है। नवाचार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (ह्वष्ट) द्वारा क्क+ मान्यता प्रदान की गई है। यह छत्तीसगढ़ का एकमात्र विश्वविद्यालय है, जो वर्ष 2022 और 2023 में एनआईआरएफ रैंकिंग में शीर्ष 101- 150 विश्वविद्यालयों के बैंड में शामिल है। नेतृत्व शक्ति के विकास के साथ जिम्मेदार नागरिकों की भावना विकसित करने के लिए वैश्विक मानकों के अनुसार छात्रों में नवाचार विकसित करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले बहु-विषयक अनुसंधान-केंद्रित शिक्षा और कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों को प्रशिक्षित किया जाता है। 1 दिसंबर 2023 को, कलिंगा विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण और प्लेसमेंट विभाग (सीसीआरसी) द्वारा ऑन-कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया था। कलिंगा यूनिवर्सिटी के 11 छात्रों को पुणे की बहुराष्ट्रीय कंपनी एएसपी ओएल मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ, ऑपरेशन मैनेजर और एचआर मैनेजर द्वारा विभिन्न पदों के लिए चुना गया। चयन प्रक्रिया तीन चरणों में आयोजित की गई - लिखित परीक्षा, समूह चर्चा और साक्षात्कार। कैम्पस प्लेसमेंट कंपनियों और छात्रों के बीच समन्वय स्थापित करता है। कलिंगा विश्वविद्यालय इस उपलब्धि के लिए चुने जाने पर छात्रों श्री कड़ा श्रीनिवास, श्री पृथ्वी नारायण, सुश्री निरिक्षा तांडासा, सुश्री जी हर्षिता, श्री सौरव कमल, श्री रोहन आचार्य, श्री आदित्य कुमार, सुश्री कोमल तावरी, सुश्री रेणुका जोध, सुश्री अंतरा दास, सुश्री अंकिता परिदा और उनके परिवारों को बधाई देता है और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता है।

जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

राजनांदगांव 5 दिसंबर। पुलिस मुख्यालय रायपुर के निर्देशानुसार 10 दिसम्बर मानव अधिकार दिवस पर वाद-विवाद प्रतियोगिता कराने हेतु जिला एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता कराने के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव श्री मोहित गर्ग के मार्गदर्शन में अति.पुलिस अधीक्षक (आईयूसीएडब्ल्यू) श्रीमती सोनिया उके के नेतृत्व में आज दिनांक 01.12.2023 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित मिटिंग हॉल में मानव अधिकार के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया। वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभागीयों (पुलिस कर्मचारियों) ने भाग लिया प्रतियोगिता पक्ष प्रतिभागियों में से दो प्रतिभागीयों 1. आर. 1303 विवेक बर्वे रक्षित केंद्र राजनांदगांव को पक्ष में और 2. प्र.आर.833 संदीप देशमुख थाना अजाक को विपक्ष के रूप में रेंज स्तरीय प्रतियोगिता हेतु चयन किया। यह कार्यक्रम निर्णायक जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री चंद्र किशोर लाड़े, रक्षित निरीक्षक श्री अरविंद साहू, निरीक्षक संतोष कुमार भुआर्य की उपस्थित मैं संपन्न हुआ।

डार्क पैटर्न अधिसूचना ई-कॉमर्स व्यापार में करेगी सुधार : कैट

रायपुर 5 दिसंबर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, एवं कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों पर डार्क पैटर्न के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की अधिसूचना का कनफ़ेडरेशन ऑफ़ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने स्वागत किया है और कहा है कि इससे ई-कॉमर्स कंपनियों द्वारा ग्राहकों को बरगलाने की प्रवृति पर रोक लगेगी।

ई-कॉमर्स कंपनियों के मनमाने रवैये के खिलाफ़ कैट द्वारा गत चार वर्षों से लगातार किए जा रहे संघर्ष में इसको सरकार का एक बड़ा कदम माना जा रहा है। कैट इस संबंध में केंद्रीय सरकार के वाणिज्य मंत्रालय एवं उपभोक्ता मंत्रालय से लगातार इस बात का आग्रह कर रहा था कि ई कॉमर्स कंपनियाँ अपने भ्रामक बिज़नेस मॉडल के ज़रिए न केवल व्यापारियों का उत्पीड़न कर रहा था बल्कि ग्राहकों के हितों को भी बड़ी हानि पहुँचा रहा था। जिस पर रोक के लिए ज़रूरी कदम उठाए जाने बेहद आवश्यक हैं। कन्फ़ेडरेशन ऑफ़ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री जितेन्द्र दोशी ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री श्री पीयूष गोयल को इस कदम के लिए धन्यवाद करते हुए आग्रह किया कि अब ई- कॉमर्स पालिसी एवं नियमों को भी तुरंत लागू किया जाये जिससे भारत में ई-कॉमर्स का व्यापार एक बेहद व्यवस्थित तरीक़े से चल सके और ई-कॉमर्स पोर्टल की ज़िम्मेदारी तय हो। श्री पारवानी एवं श्री दोशी ने बताया कि डार्क पैटर्न उसे कहा जाता है जिसके ज़रिए ग्राहकों को धोखा अथवा उनकी पसंद में हेरफेर करने का प्रयास किया जाता है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) द्वारा 30 नवंबर को इस संबंध में ÷डार्क पैटर्न की रोकथाम और विनियमन के लिए दिशानिर्देश÷ के रूप में एक गजट अधिसूचना जारी की गई थी, जो भारत में सामान देने अथवा सेवाओं को प्रदान करने वाले सभी प्लेटफार्मों, विज्ञापनदाताओं और विक्रेताओं पर लागू है। अभिसूचना के मुताबिक़ डार्क पैटर्न का सहारा लेना, भ्रामक विज्ञापन देना या अनुचित व्यापार करना,उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन होगा। इसमें कहा गया है कि जुर्माना उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार लगाया जाएगा। श्री पारवानी एवं श्री दोशी ने कहा कि उभरते डिजिटल व्यवसाय में, उपभोक्ताओं को उनकी खरीदारी के विकल्पों और व्यवहार में हेरफेर करके गुमराह करने के लिए ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों द्वारा डार्क पैटर्न का तेजी से उपयोग किया जा रहा है।

जन्म-मृत्यु संसार और शरीर की होती है: इन्दुभवानन्द महाराज

रायपुर 5 दिसंबर। डूण्डा कौशल्या माता बिहार में साहू परिवार एवं समाज की ओर से आयोजित श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह में अंतिम दिन की कथा पर प्रकाश डालते हुए श्री शंकराचार्य आश्रम रायपुर के प्रमुख डॉ. इन्दुभवानन्द महाराज ने बताया कि जन्म मृत्यु शरीर और संसार की होती है आत्मा की जन्म मृत्यु नहीं होती है आत्मा आवागमन से रहित है। ÷मैं मरूंगा÷ ये पशु बुद्धि है, तुम पशु बुद्धि का त्याग करो तुम ना तो कभी पैदा हुए हो और न कभी तुम्हारी मृत्यु होगी। जन्म और मृत्यु देह की होती है ,तुम तो साक्षात ब्रह्म हो। अपने ब्रह्मपना का अनुभव करो। वास्तव में मन ही वासना विशिष्ट सूक्ष्म शरीर की सृष्टि कर लेता है और उस शरीर में ÷मैं बुद्धि÷ हो जाने से आत्मा फॅस जाता है। स्वयं प्रकाश आत्मा का आना-जाना कुछ नहीं होता है वह तो आकाश के समान सबका आधार एवं अनंत है। परीक्षित तुम अपने हृदय में विद्यमान आत्मा के बारे में स्वयं विचार करो ब्राह्मण की आज्ञा से तक्षक तुमको भस्म नहीं करेगा मृत्यु भी तुमको भस्म नहीं करेगी तुम स्वयं मृत्यु के भी मृत्यु हो तुम्हें कोई मार नहीं सकता है ऐसा मन में अनुसंधान करो। इसके पूर्व सुधि वक्ता ने अंतिम दिन की शेष कथाओं पर भी प्रकाश डाला। कथा के पूर्व यजमान सुंदरलाल साहू एवं उनके परिवार ने भागवत ग्रंथ की पूजन कर आरती उतारी।

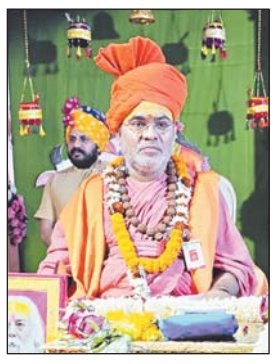

अनियमित कर्मचारियों के पदाधिकारी को जेल भेजना कांग्रेस पार्टी को पड़ा भारी

रायपुर 5 दिसंबर। रवि गढ़पाले प्रदेश अध्यक्ष जी का कहना है कि कांग्रेस पार्टी ने अपने जन घोषणा पत्र 2018 में अनियमित कर्मचारियों को नियमित करने का वादा और शासकीय विभागों में आऊट सोर्सिंग बंद करने का वादा किया था लेकिन कांग्रेस की सरकार ने अपना किया हुआ वादा पूरे 5 साल में पूरा नहीं किया वेतन के लिए कर्मचारियों को तरसा दिए और जब अनियमित कर्मचारी आंदोलन करते थे तो उनके आंदोलन पर पुलिसिया कार्यवाही की जाती थी जबरन एफआईआर दर्ज किए जाते थे। उनके प्रदेश अध्यक्ष श्री रवि गढ़पाले समेत पांच पदाधिकारीयों को रायपुर सेंट्रल जेल की हवा तक खिलाई गई। प्रदेश के ढाई लाख से अधिक अनियमित कर्मचारियों ने इसका जवाब अपने मताधिकार का उपयोग करते हुए अपने पूरे परिवार के साथ कांग्रेस पार्टी को हराकर बदला ले लिया है। भूपेंद्र साहू प्रदेश सचिव का कहना है कि प्रदेश के लाखो अनियमित कर्मचारियों को नई सरकार भारतीय जनता पार्टी से उम्मीद है कि मोदी की गारंटी अनुसार आने वाले 100 दिन के अंदर कर्मचारियों के लिए कमेटी गठित कर अनियमित कर्मचारी संघठन के पदाधिकारी को शामिल करने के साथ-साथ सभी मांगों को पूर्ण करने का कार्य जल्द से जल्द प्रारंभ किया जाए। साथ ही अनियमित कर्मचारियों के लिए अच्छे दिन आ गया है सभी वर्ग के अनियमित कर्मचारियों के साथ न्याय होनी की उम्मीद जताई है। जिस तरह कांग्रेस पार्टी की सरकार ने अनियमित कर्मचारियों को पूरे 5 साल आर्थिक रूप से गरीब होने मजबूर किया लगातार अनियमित कर्मचारियों के साथ अन्याय हुआ अनियमित कर्मचारियों की प्रगति को रोकने का कार्य किया इसलिए कांग्रेस पार्टी की सरकार को आज अनियमित होना पड़ा आज हमे नियमित किया रहता तो शायद आज कांग्रेस सरकार भी नियमित रहता लेकिन बहुत दुख की बात है आज छत्तीसगढ़ की अनियमित कर्मचारी और उनके परिवार ने कांग्रेस पार्टी को अनियमित कर दिया। हमे मोदी की गारंटी और भारतीय जनता पार्टी की सरकार से उम्मीद है अनियमित कर्मचारियों के साथ कभी अन्याय नही करेगी।

वक्ता मंच द्वारा गर्म कपड़ों का वितरण आरंभ हुआ

रायपुर 5 दिसंबर। छत्तीसगढ़ प्रदेश की प्रतिष्ठित सामाजिक व साहित्यिक संस्था वक्ता मंच द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी शीत ऋतु में जरुरतमंदों हेतु गर्म कपड़ों का निशुल्क वितरण आरंभ किया गया है द्य बढती ठंड के दृष्टिगत आज शाम रायपुर के न्यू राजेंद्र नगर चौक के सामने स्थित फुटपाथ से वितरण कार्य की शुरुआत की गई द्य आज 100 से अधिक पुरुषों, महिलाओं व बच्चों को कंबल, स्वेटर, शाल व जैकेट बांटे गये द्य इस अवसर पर वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश पराते, संयोजक शुभम साहू सहित डॉ गौरी अग्रवाल, उर्मिला देवी, पूर्नेश डडसेना, ज्योति शुक्ला,शोभा शर्मा, विभा शर्मा,शिवानी मैत्रा, प्रगति पराते, दुष्यंत साहू, राजू छत्तीसगढिया, हरिशंकर साहू, विवेक बेहरा, ओम प्रकाश साहू एवं राजवीर साहू उपस्थित थे ।

विशेष बच्चों की पसंद का ध्यान रख माताएं बनाएं स्वादिष्ट व्यंजन

एकता चिल्ड्रन हॉस्पिटल में विश्व विकलांगता दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

रायपुर 5 दिसंबर। बाल चिकित्सा देखभाल के लिए समर्पित अग्रणी स्वास्थ्य सेवा संस्थान ,एकता चिल्ड्रन हॉस्पिटल में विश्व विकलांगता दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन करा गया जिसका उद्देश्य ऐसे विशेष बच्चों की क्षमताओं पर ध्यान केंद्रित करने को प्रयोत्साहित करना था.

एकता चिल्ड्रेन हॉस्पिटल करुणा और उत्सव के केंद्र में तब्दील हो गया जब विशेष बच्चों की मांएं एक कार्यक्रम में मुख्य मंच पर आई . जिसका उद्देश्य विकलांग बच्चों को गले लगाना और उन्हें सशक्त बनाना था। विश्व विकलांगता दिवस के उपलक्ष्य में, अद्वितीय चुनौतियों का सामना करने वाले व्यक्तियों के लिए जागरूकता, समझ और समावेशिता को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया जो विशेष बच्चों और उनके परिवारों के लिए खुशी, गर्मजोशी और स्वादिष्ट घर का बना व्यंजन लेकर आया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एक दिल छू लेने वाली पहल थी, जहां माताओं ने अपने बच्चों के प्रति अपने प्यार और चुनौतियों से प्रेरित होकर, विशेष बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के व्यंजन तैयार करके अपने पाक कौशल का प्रदर्शन किया। घर में बने भोजन की सुगंध हवा में भर गई, जिससे बच्चों और उनके परिवारों दोनों के लिए एक गर्म और आरामदायक माहौल बन गया। एकता चिल्ड्रेन हॉस्पिटल की वरिष्ठ बाल विशेषज्ञ डॉ. संगीता नागराज ने इस आयोजन के प्रति अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, ÷हमारा लक्ष्य न केवल चिकित्सा देखभाल प्रदान करना है, बल्कि एक ऐसा वातावरण बनाना भी है जहां हर बच्चा प्यार और समर्थन महसूस करे। यह आयोजन एक इन बच्चों और उनके परिवारों की ताकत और लचीलेपन का प्रमाण। हम उन माताओं के आभारी हैं जिन्होंने इन अद्भुत व्यंजनों को तैयार करने में अपना प्यार डाला। एक विशेष सेशन डॉ संगीता नागराज ने ÷विशेष बच्चों के लिए भोजन और पोषण पर आयोजित किया गया जिसमे बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा करी गयी.बच्चों ने, मुस्कुराहट के साथ, पूरे कमरे को रोशन कर दिया, विशेष रूप से तैयार किए गए भोजन का आनंद लिया, जिससे समुदाय और जुड़ाव की भावना पैदा हुई। इस कार्यक्रम में बच्चों को शामिल करने के लिए डिज़ाइन की गई विभिन्न गतिविधियाँ और खेल भी शामिल थे, जो एक समावेशी वातावरण को बढ़ावा देते थे जो शारीरिक या संज्ञानात्मक मतभेदों से परे था। एकता चिल्ड्रेन हॉस्पिटल की वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. शिखा विश्वकर्मा ने कहा, ÷उत्सवों के अलावा, एकता चिल्ड्रेन हॉस्पिटल ने इस अवसर का उपयोग एक ऐसे समाज के निर्माण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए किया जो विविधता को अपनाता है और विकलांग व्यक्तियों का समर्थन करता है।

कांग्रेस का आत्मघाती कार्ड

समय के चक्र को पीछे लौटा कर सियासी चमत्कार कर दिखाने की सोच असल में समझ के दिवालियेपन का संकेत देती है। इस प्रयास में कांग्रेस ने सबकी पार्टी होने की अपनी विशिष्ट पहचान को संदिग्ध बना दिया है। चूंकि विचारधारा और जन-गोलबंदी के मोर्चों पर कांग्रेस नेतृत्व दीर्घकालिक रणनीति के जरिए राजनीति की नई समझ बनाने में विफल है, इसलिए अक्सर वह चुनाव जीतने के ऐसे टोना-टोटकों करने में लग जाता है, जिनके सफल होने की कोई गुंजाइश नहीं होती। हाल में उसने जातीय जनगणना और अस्मिता की राजनीति के ऐसे टोटके अपनाए हैं। इसके पीछे सोच संभवतः यह है कि अगर जातीय विभाजन रेखा हिंदुओं के बीच राजनीतिक विमर्श का मुख्य बिंदु बन जाए, तो भाजपा की हिंदुत्व की सियासत को हराया जा सकता है। यह मुद्दा अपनाते वक्त कांग्रेस (यह बात अन्य तमाम विपक्षी दलों पर भी लागू होती है) ने यह सोचने की जरूरत नहीं समझी कि आखिर जातीय न्याय की राजनीति उसका ट्रंप कार्ड कैसे हो सकती है, क्योंकि इससे खुद उसके अपने रिकॉर्ड पर कई सवाल उठेंगे। राहुल गांधी अगर कहते हैं कि सेक्रेटरी स्तर पर आज ओबीसी के सिर्फ तीन अधिकारी हैं, तो यह प्रश्न उनसे भी पूछा जाएगा कि इसके लिए कांग्रेस की कितनी जिम्मेदारी नहीं बनती है? बहरहाल, मसला सिर्फ इतना नहीं है। इससे अधिक अहम बात यह है कि भाजपा अगर आज देश के एक बड़े हिस्से में अपराजेय मालूम पड़ती है, तो उसका एक प्रमुख कारण यह है कि जातीय प्रतिनिधित्व की आकांक्षाओं को उसने अपनी हिंदुत्व राजनीति के बड़े तंबू अंदर समेट लिया है। इस तरह वह 1990 के दशक में उभरी

संपादकीय

मंडलवादी राजनीति की काट तैयार कर चुकी है। हकीकत यह है कि उत्तर भारत में आज ओबीसी मतदाताओं का सबसे बड़ा हिस्सा भाजपा का समर्थक है। दलित और आदिवासी समुदायों में भी उसकी पैठ अब काफी मजबूत हो चुकी है। इसके बीच समय के चक्र को पीछे लौटा कर सियासी चमत्कार कर दिखाने की सोच असल में समझ के दिवालियेपन का संकेत देती है। उधर इस प्रयास में कांग्रेस ने सबकी पार्टी होने के अपने यूएसपी को संदिग्ध बना दिया है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में यह रणनीति आत्मघाती साबित हुई। क्या कांग्रेस अब ताजा चुनाव नतीजों से कोई सबक लेगी? इसकी संभावना कम है, क्योंकि दूसरा रास्ता श्रमसाध्य राजनीति का है, जिसके लिए विपक्ष अभी तैयार नहीं है।

प्रादेशिक पार्टियां कांग्रेस पर हावी होंगी

चार राज्यों के चुनाव नतीजों की घोषणा के बीच विपक्षी पार्टियों के गठबंधन 'इंडिया' की बैठक बुलाने की घोषणा कर दी गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गठबंधन में शामिल सभी 28 पार्टियों को छह दिसंबर को दिल्ली बुलाया है। बताया गया है कि पांच राज्यों के चुनाव नतीजों पर चर्चा की जाएगी। गौरतलब है कि 'इंडिया' की आखिरी बैठक 30 अगस्त और एक सितंबर को मुंबई में हुई थी। उसके बाद कांग्रेस पांच राज्यों के चुनाव में व्यस्त हो गई और फिर कोई बैठक नहीं हुई। कांग्रेस ने सीट बंटवारे वगैरह की बात भी रोक दी थी क्योंकि कांग्रेस नेताओं को लग रहा था कि पांच राज्यों में अच्छा प्रदर्शन करने से उसकी मोलभाव करने की क्षमता बढ़ेगी लेकिन नतीजों से सब उलटा हो गया। कांग्रेस जहां सबसे मजबूत मानी जा रही थी वहां भी हार गई। छत्तीसगढ़ में वह बुरी तरह से हारी है तो मध्य प्रदेश में जहां उसकी जीत पक्की मानी जा रही थी वहां तो वह पिछली बार के मुकाबले भी बहुत पीछे रह गई। राजस्थान में भी उसने सत्ता गंवा दी। सांत्वना के लिए एक तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार बनी है। इसलिए अब 'इंडिया' की बैठक में या सीट बंटवारे की बातचीत में प्रादेशिक पार्टियां हावी रहेंगी। वे कांग्रेस पर दबाव बनाएंगी कि उसे कम सीटों पर लड़ना चाहिए और प्रादेशिक पार्टियों को ज्यादा सीटें देनी चाहिएं। बिहार से लेकर झारखंड और पश्चिम बंगाल से महाराष्ट्र तक में कांग्रेस ने मोलभाव करने की अपनी ताकत गंवा दी है।

महर्षि अरविन्द हैं आध्यात्मिक क्रांति के सशक्त हस्ताक्षर

स्मृति दिवस
ललित गर्ग

अरविंद का देहांत 5 दिसंबर 1950 को हुआ। बताया जाता है कि निधन के बाद चार दिन तक उनके पार्थिव शरीर में दिव्य आभा बने रहने के कारण उनका अंतिम संस्कार नहीं किया गया और अंततः नौ दिसंबर को उन्हें आश्रम में समाधि दी गयी। उनकी आध्यात्मिकता एवं राष्ट्रीयता दोनों ही एक सिक्के के दो पहलू थे। जो भी उनकी राष्ट्रीयता की छांव में आता, देश के लिये बलिदान होने को तत्पर हो जाता है और जो भी उनकी आध्यात्मिकता की छांव में आता, विभाव स्वभाव में बदल जाता।

देश के महान क्रांतिकारियों में से एक महर्षि अरविन्द देश की आध्यात्मिक क्रांति की के सशस्त हस्ताक्षर थे। वे एक क्रांतिकारी, योगी, समाज-सुधारक, विचारक एवं दार्शनिक थे। क्रांतिकारी इसलिए की वे गरमदल के लिए प्रेरणास्रोत थे और दार्शनिक इसलिए की उन्होंने क्रमविकास का एक नया सिद्धांत गढ़ा। दर्शनशास्त्र में जीव वैज्ञानिक चार्ल्स डार्विन के साथ उनका नाम भी जोड़ा जाता है। उन्हीं के आह्वान पर हजारों बंगाली युवकों ने देश की स्वतंत्रता के लिए हंसते-हंसते फांसी के फंदों को चूम लिया था। सशस्त्र क्रांति के पीछे उनकी ही प्रेरणा थी। वे व्यक्ति नहीं, धर्म, दर्शन, योग, साहित्य साधना, संस्कृति एवं राष्ट्रीयता के प्रेरणापुरुष थे। पर हमारे सामने समस्या यह है कि हम कैसे मापे उस आकाश को, कैसे बांधे उस समन्दर को, कैसे गिने बरसात की बूंदों को? अरविन्द के क्रांतिकारी एवं आध्यात्मिक जीवन की उपलब्धियां उम्र के पैमानों से इतनी ज्यादा है कि उनके आकलन में गणित का हर फामूर्ला छोटा पड़ जाता है। उन्होंने पुरुषार्थ से न केवल स्वयं का बल्कि राष्ट्र का भाग्य रचा, जो आज भी हमारे जीवन की दशा एवं दिशा बदलने में सक्षम है।

क्रांतिकारी महर्षि अरविन्द का जन्म 15 अगस्त 1872 को कोलकाता (बंगाल की धरती) में हुआ। उनके पिता के.डी. घोष एक डॉक्टर तथा अंग्रेजों के प्रशंसक थे। पिता अंग्रेजों के प्रशंसक लेकिन उनके चारों बेटे अंग्रेजों के लिए सिरदर्द बन गए। अरविन्द ने युवा अवस्था में स्वतन्त्रता संग्राम में क्रान्तिकारी के रूप में भाग लिया, किन्तु बाद में यह एक योगी बन गये और इन्होंने पांडिचेरी में एक आश्रम स्थापित किया। वेद, उपनिषद ग्रन्थों आदि पर टीका लिखी। योग साधना पर मौलिक ग्रन्थ लिखे। उनका पूरे विश्व में दर्शन शास्त्र पर बहुत प्रभाव रहा है और उनकी साधना पद्धति के अनुयायी सब देशों में पाये जाते हैं। वे कवि भी थे और गुरु भी। अरविन्द के पिता डॉक्टर कृष्णधन घोष उन्हें उच्च शिक्षा दिला कर उच्च सरकारी पद दिलाना चाहते थे, अतएव मात्र 7 वर्ष की उम्र में ही उन्होंने इन्हें इंग्लैण्ड भेज दिया। उन्होंने केवल 18 वर्ष की आयु में ही आई० सी० एस० की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली थी। इसके साथ ही उन्होंने अंग्रेजी, जर्मन, फ्रेंच, ग्रीक एवं इटैलियन भाषाओं में भी निपुणता प्राप्त की थी। देशभक्ति से प्रेरित एवं आजादी के लिये कुछ अनूठा करने की भावना रखने वाले अरविन्द ने जानबूझ कर घुड़सवारी की परीक्षा देने से इनकार कर दिया और राष्ट्र-सेवा करने की ठान ली। इनकी प्रतिभा से बड़ौदा नरेश अत्यधिक प्रभावित थे अतः उन्होंने इन्हें अपनी रियासत में शिक्षाशास्त्री के रूप में नियुक्त कर लिया। बड़ौदा में ये प्राध्यापक, वाइस प्रिंसिपल, निजी सचिव आदि कार्य योग्यतापूर्वक करते रहे और इस दौरान हजारों छात्रों को चरित्रवान देशभक्त बनाया। 1896 से 1905 तक उन्होंने बड़ौदा रियासत में राजस्व अधिकारी से लेकर बड़ौदा कालेज के फ्रेंच अध्यापक और उपाचार्य रहने तक रियासत की सेना में क्रान्तिकारियों को प्रशिक्षण भी दिलाया था। हजारों युवकों को उन्होंने क्रान्ति की दीक्षा दी थी।

लार्ड कर्जन के बंग-भंग की योजना रखने पर सारा देश तिलमिला उठा, आन्दोलित हो गया। बंगाल में इसके विरोध के लिये जब उग्र आन्दोलन हुआ तो अरविन्द घोष ने इसमे सक्रिय रूप से भाग लिया। नेशनल लॉ कॉलेज की स्थापना में भी इनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। मात्र 75 रुपये मासिक पर इन्होंने वहाँ अध्यापन-कार्य किया। पैसे की जरूरत होने के बावजूद उन्होंने कठिनाई का मार्ग चुना। अरविन्द कलकत्ता आये तो राजा सुबोध मलिक की अट्टालिका में ठहराये गये। पर जन-साधारण को मिलने में संकोच होता था। अतः वे सभी को विस्मित करते हुए छक्कू खानसामा गली में आ गये। उन्होंने किशोरगंज (वर्तमान में बंगलादेश में) में स्वदेशी आन्दोलन प्रारम्भ कर दिया। अब वे केवल धोती, कुर्ता और चादर ही पहनते थे। उसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय विद्यालय से भी अलग होकर अग्निवर्षी पत्रिका वन्देमातरम् का प्रकाशन प्रारम्भ किया।

ब्रिटिश सरकार इनके क्रान्तिकारी विचारों और कार्यों से अत्यधिक आतंकित थी अतः 2 मई 1908 को चालीस युवकों के साथ उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इतिहास में इसे अलीपुर षडयन्त्र केस के नाम से जानते है। उन्हें एक वर्ष तक अलीपुर जेल में कैद रखा गया। अलीपुर जेल में ही उन्हें हिन्दू धर्म एवं हिन्दू-राष्ट्र विषयक अद्भुत आध्यात्मिक अनुभूति हुई। वे जेल में गीता पढ़ा करते और भगवान श्रीकृष्ण की आराधना किया करते। ऐसा कहा जाता है कि अरविंद जब अलीपुर जेल में थे तब उन्हें साधना के दौरान भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन हुए। श्रीकृष्ण की प्रेरणा से वे क्रांतिकारी आंदोलन को छोड़कर योग और अध्यात्म में रम गए। जेल से बाहर आकर वे किसी भी आंदोलन में भाग लेने के इच्छुक नहीं थे। वे गुप्त रूप से पांडिचेरी चले गए। वहीं पर रहते हुए उन्होंने योग द्वारा सिद्धि प्राप्त की और आज के वैज्ञानिकों को बता दिया कि इस जगत को चलाने के लिए एक अन्य जगत और भी है। खासकर उन्होंने डार्विन जैसे जीव वैज्ञानिकों के सिद्धांत से आगे चेतना के विकास की एक कहानी लिखी और समझाया कि किस तरह धरती पर जीवन का विकास हुआ। उनकी प्रमुख कृतियां हैं- द मदर, लेटर्स ऑन योगा, सावित्री, योग समन्वय, दिव्य जीवन, फ्यूचर पोयट्री।

अलीपुर षडयन्त्र केस में अरविन्द को शामिल करने के लिये सरकार की ओर से जो गवाह तैयार किया था उसकी एक दिन जेल में ही हत्या कर दी गयी। घोष के पक्ष में प्रसिद्ध बैरिस्टर चितरंजन दास ने मुकदमे की पैरवी की थी। उन्होंने अपने प्रबल तर्कों के आधार पर अरविन्द को सारे अभियोगों से मुक्त घोषित करा दिया। इससे सम्बन्धित अदालती फैसले 6 मई 1908 को जनता के सामने आये। 30 मई 1909 को उत्तरपाड़ा में एक संवर्धन सभा की गयी वहाँ अरविन्द का एक प्रभावशाली व्याख्यान हुआ जो इतिहास में उत्तरपाड़ा अभिभाषण के नाम से प्रसिद्ध हुआ। उन्होंने अपने इस अभिभाषण में धर्म एवं राष्ट्र विषयक कारावास-अनुभूति का विशद विवेचन किया। उन्होंने कहा था चाहे सरकार क्रांतिकारियों को जेल में बंद करे, फांसी दे या यातनाएं दे पर हम यह सब सहन करेंगे और यह स्वतंत्रता का आंदोलन कभी रूकेगा नहीं। एक दिन अवश्य आएगा जब अंग्रेजों को हिन्दुस्तान छोड़कर जाना होगा। यह इत्तेफाक नहीं है कि 15 अगस्त को भारत की आजादी मिली और इसी दिन उनका जन्मदिन मनाया जाता है।

अरविंद का देहांत 5 दिसंबर 1950 को हुआ। बताया जाता है कि निधन के बाद चार दिन तक उनके पार्थिव शरीर में दिव्य आभा बने रहने के कारण उनका अंतिम संस्कार नहीं किया गया और अंततः नौ दिसंबर को उन्हें आश्रम में समाधि दी गयी। उनकी आध्यात्मिकता एवं राष्ट्रीयता दोनों ही एक सिक्के के दो पहलू थे। जो भी उनकी राष्ट्रीयता की छांव में आता, देश के लिये बलिदान होने को तत्पर हो जाता है और जो भी उनकी आध्यात्मिकता की छांव में आता, विभाव स्वभाव में बदल जाता। उस आभावलय का प्रभाव ही विलक्षण एवं अनूठा था कि व्यक्ति भीतर से रू-ब-रू होने लगता। स्वयं की पहचान में उसे शब्द नहीं तलाशने पड़ते। जरूरत इस बात की है कि हम योगी अरविन्द को भौतिक चमत्कारों से तोलने का मन और माहौल न बनायें बल्कि उन्हें जीकर देखें तो सही, आचरण स्वयं चमत्कार बन जायेगा। उनके बताये मार्ग का अनुसरण करें, यही उस दिव्य आत्मा के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। बिजनेस से रिलेटेड आप अपने कर्मचारियों के साथ मीटिंग करेंगे व्यापारिक लाभ पर चर्चा करेंगे। आप किसी बिजनेस की शुरूआत करेंगे जिसमे परिवार वालों का सहयोग मिलेगा। बच्चो के साथ पार्क में घूमने जायेंगे, बच्चो में उत्साह देखने को मिलेगा। आपके पेंडिंग वर्क कम्पलीट होंगे, जिससे टेंशन कम होगी।

वृष राशिःआज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। ट्रांसपोर्ट के व्यापारी आज किसी बुकिंग से अच्छा लाभ कमाएंगे। आज आपके दयालु स्वभाव कोई कोई अनजान आदमी फायदा उठाना चाहेगा। अनजान लोगो से आज आपको सावधान रहने की जरुरत है। आज माता-पिता के साथ आपके रिश्ते और मजबूत होंगे। आपके आसपास कोई धार्मिक कार्यक्रम होगा जिसमें आपका परिवार शामिल होगा।

मिथुन राशिःआज आपका दिन खुशहाल रहेगा। नयी कार्य योजनाओं को स्टार्ट करने के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा ।प्रॉपर्टी खरीदने का विचार बना रहे लोग आज किसी प्रॉपर्टी डीलर्स से बातचीत करेंगे। आज आपको बिजनेस के सिलसिले में कहीं बाहर जाना पड़ेगा। इंजीनियरिंग करने वाले स्टूडेंट्स का प्लेसमेंट अच्छी कम्पनी में होने के योग बने हुये है ।

कर्क राशिःआज आपका दिन लाभदायक रहेगा। दूर-दराज के लोगों से सम्पर्क बनाकर बिजनेस करना लाभकारी रहेगा और बिजनेस भी दूर तक फैलेगा। इस राशि की महिलाओं को बिजनेस में आज ज्यादा ही लाभ होगा। वर्क फ्रॉम होम कर रहे लोगों का कार्य आज पूरा हो जायेगा। होलसेल का बिजनेस कर रहे लोगों को अधिक मुनाफा होगा ।जो लोग फिल्म जगत से जुड़े हैं उनको काम का अच्छा ऑफर मिल सकता है।

सिंह राशिःआज आपका दिन नयी-नयी खुशियाँ लेकर आएगा। अच्छे भविष्य के लिए आप कंप्यूटर कोर्स ज्वाइन कर सकते हैं। विद्यार्थी अपने प्रोजेक्ट को पूरा करने में सीनियर्स की मदद लेंगे। हेल्थ से रिलेटेड प्रोब्लम्स आज खत्म होगीं, जिससे आप ज्यादा एनर्जेटिक रहेंगे और आपका मन खुश रहेगा। किसी बचपन के मित्र से मुलाकात होगी पुरानी यादें ताजा होंगी।

कन्या राशिःआज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आज आप खुद को आर्थिक तौर पर मजबूत करने की कोशिश करेंगे और सफल भी रहेंगे। विरोधी आपकी कार्यशैली से प्रभावित होकर दोस्ती का हांथ बढ़ा सकते हैं। अपने जीवनसाथी का समर्थन और प्यार आपके दाम्पत्य जीवन को मजबूत करेगा। आप किसी कॉलेज में एडमिशन लेने का मन बना सकते है। आपका भविष्य अच्छा बनेगा। आज दूसरों के मामलों में दखल ना दें, आवश्यकता पड़ने पर ही अपनी राय दें। इस राशि के जो लोग वकील है, आज उन्हें किसी पूराने केस में जीत मिलेगी। साथ ही नया केस भी मिल सकता है।

तुला राशिःआज आपका दिन शानदार रहेगा। अधिक भागदौड़ वाला काम होने के बावजूद भी आप पॉजिटिव रहेंगे। आपके अच्छे व्यवहार के जरिये आपके कुछ नए दोस्त बन सकते है। आज आपके सारे काम समय से पूरे हो जायेंगे। शेयर मार्किट में पैसा लगाने से पहले किसी एक्सपर्ट की राय जरुर लें। महिलाएं आज घर के काम में बिजी रहेंगी। कई दिनों से रुका हुआ कार्य पूरा करने का आज सही समय है।

वृश्चिक राशिःआज आपका दिन आपके लकी रहने वाला है। इस राशि के जो लोग सिंगगिंग में अपना करिअर बनाना चाहते है उनके लिए आज का दिन सफलता दिलाने वाला है। क्रिकेट से जुड़ी महिलाओं के लिए आज का दिन कॉन्फिडेंस से भरा साबित होगा। समाज सेवा करने का अवसर मिलेगा जिससे आपको फेम मिलेगी। बैंकिंग की तैयारी कर रहे युवाओं को और मेहनत करने की जरुरत है। अच्छा परिणाम आएगा।

धनु राशिःआज आपका दिन बेहद खुशहाल रहेगा। आज आप फिजूल में अपना समय ना विताएं। कार्यों को पूरा करने पर ध्यान लगायें। समाज के लोग आपके अच्छे व्यवहार से खुश होंगे, आपकी तारीफ भी करेंगे। आज काम अधिक होने के कारण मेहनत अधिक करनी पड़ सकती है, आपका पेशेंस आपको सफलता दिलाएगा। लवमेट्स के रिश्ते में चल रही अनबन आज समाप्त हो जाएगी।

मकर राशिः आज आपका दिन बेहद खुशनुमा रहेगा। कामकाज के मामले में आपकी प्रॉब्लम जल्दी ही सुलझ जायेगी। अगर आप बहुत दिनों से किसी से मिलने की सोच रहे है, तो आज का दिन बेहतर है। परिवार में चल रही अनबन आज सुलझ जाएगी। तालमेल अच्छा बना रहेगा। समाज में आपकी पहचान नए लोगों से होगी जो भविष्य में आपको लाभ देंगे।

कुम्भ राशिःआज आपका दिन मिला जुला रहेगा। पेरेंट्स बच्चों के साथ किसी शोपिंग मॉल में घूमने जायेंगे। छात्रों को नया प्रोजेक्ट मिलेगा जिसको सब साथ मिलकर पूरा करेंगे। नव विवाहित दम्पति अपने परिवार के साथ कही मंदिर घूमने जायेंगे, जिससे उनमे काफी प्रेम बढ़ेगा। आज आप कहीं बाहर घूमने जायेंगे जिससे आपका मन फ्रेश होगा।

मीन राशिः आज आपका दिन ताजगी से भरा रहेगा। इस राशि के मीडिया से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा, किसी नए प्रोजेक्ट पर काम मिलेगा। आज शाम को आप दोस्तों के साथ क्रिकेट खेलने जायेंगे। इस राशि के जिन लोगों का बर्थडे है वह अपने साथियों के साथ मूवी देखने का प्लान बनायेंगे।

व्यंग्य

कमाल की इंसानियत

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

आज के समय में इंसानियत ढूँढ़ना मतलब पानी पर पानी लिखने जैसा काम है। काश इंसानियत का नाम महंगाई होता हर जगह देखने को मिल जाती। मगर वो कहते है न, कि जब जब लोगो का इंसानियत पर से विश्वास उठा है, तब तब कोई न कोई सच्चा इंसान सामने आकर लोगो में इंसानियत का अलख बनकर जल उठता है। बहरहाल आज हम आपको एक ऐसी ही इंसानियत की निशानी वाली कहानी से रूबरू करवाना चाहते है। ये इंसानियत की कहानी उन हजारों बेरहमों के लिए एक मिसाल है, जो आज भी इंसानियत का खून करते हैं। चुनाव का मौसम था रिक्शा चलाने वाले रामू काका कड़ी दुपहरिया में पेट पालने के लिए मजबूर थे। बदन ऐसा कि उनका साथ नहीं दे रहा था। इसी रिक्शा से उन्होंने अपने बच्चों को पढ़ाया-लिखाया, काबिल बनाया, बच्चे थे कि उन्हें धक्के मारकर घर से बाहर निकाल दिया। जब से साँप आस्तिन में ज्यादा और धरती पर कम रहने लगे हैं, तब से ये घटनाएँ आम हो चली हैं। रामू काका हमेशा रोया करते थे। बच्चों ने उन्हें दूध में से मक्खी की तरह बाहर कर दिया था। एक वक्त था उनके लिये पैसे मायने नहीं रखते। बच्चों को ही सब कुछ समझते थे। बच्चे थे कि पैसों के सिवाय किसी और चीज को नहीं समझते थे। उन्होंने सोचा भी नहीं था एक दिन ऐसा आएगा जब उनके पास न पैसे होंगे ना ही कोई काम। ऐसे में हाथ जोड़ते हुए एक दिन एक आदमी आया और उसने बिना किसी सवाल-जवाब के अगले दो महीने के लिए रामू काका के खाने-पीने और दूसरी जरूरतों की जिम्मेदारी ले ली। उसे पता था की रामू काका बेसहारा हैं पर उसने काका की आंखो का दर्द देख लिया था।

उसको लोगों ने कहा कि तुम काका की मदद क्यों करते हो उन्हें तो उनके बेटे तक नहीं पूछते। ऐसे में तुम क्यों तकलीफ उठाते हो। आदमी था कि लोगों की बात अनसुना कर रामू काका की मदद करने लगा। लेकिन फिर वह कई सालों के लिए गायब हो गया। रामू काका ने न जाने उसकी क्या मदद की थी कि वह फिर कुछ सालों के बाद आया और उसी तरह उनकी मदद करने लगा। उसकी मदद किसी इंसानियत से कम नहीं थी। रामू काका उस चातक की तरह हो चुके थे जो उस आदमी को अपना घनश्याम मानने लगे। वह कई सालों में एक बार आकर दो-तीन महीने मदद करता और फिर गायब हो जाता। वैसे जानते हैं वह आदमी कौन था ......और कोई नहीं वही जो हर पाँच साल में नेता बनकर आता है।

मुद्दा

क्यों नहीं अभिभावकों को सरकारी स्कूलों पर भरोसा ?

प्रियंका सौरभ

आईआईएम अहमदाबाद के शिक्षा का अधिकार संसाधन केंद्र के एक हालिया अध्ययन ने पुष्टि की है कि शिक्षा की खराब गुणवत्ता के कारण माता-पिता को सरकारी स्कूलों पर भरोसा नहीं है और वे अपने बच्चों को निजी स्कूलों में दाखिला दिलाना पसंद करते हैं, भले ही इसके लिए उन्हें ट्यूशन और अन्य फीस पर काफी अधिक खर्च करना पड़े। बच्चों को निजी स्कूलों में भेजने के लिए परिवारों द्वारा बताये गए दो सबसे प्रमुख कारण है - सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता के प्रति असंतोष और पास में कोई सरकारी माध्यमिक विद्यालय का न होना। विद्यालय भी अपर्याप्त बुनियादी सुविधाओं या इसकी खराब गुणवत्ता से ग्रस्त हैं। हालांकि स्कूल भवन, पेयजल और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता के संबंध में स्थिति में सुधार हुआ है, लेकिन खेल के मैदानों, कंप्यूटरों और रैंप के मामले में स्थिति अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। इस वजह से सरकारी स्कूल गरीबों और अशिक्षितों के बच्चों का सहारा बन गए, जहां उन्हें नौकरशाही और शिक्षक संघों की दया पर रहना पड़ता है।

इसके परिणामस्वरूप इन स्कूलों के लिए स्थापित मानकों-पाठ्यपुस्तकों की गुणवत्ता और प्रासंगिकता, विद्यार्थियों की उपलब्धियों का निरीक्षण का विकास थम गया। आज नब्बे प्रतिशत से ज्यादा सार्वजर्वनिक खर्च की राशि भारतीय स्कूलों में अध्यापकों के वेतन और प्रशासन पर ही खर्च होती है। फिर भी विश्व में बिना अनुमति अवकाश लेने वाले अध्यापकों की संख्या भारत में सबसे अधिक है। हमारे स्कूलों में अध्यापक आते ही नहीं हैं और चार में से एक सरकारी स्कूल में रोज कोई न कोई अध्यापक छुट्टी पर होता है। शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट (एएसईआर) 2022 के अनुसार, बच्चों की सरल अंग्रेजी वाक्यों को पढ़ने की क्षमता कक्षा के बच्चों के लिए 2016 के स्तर पर बनी हुई है (2016 में 24.7% से 2022 में 24.5% तक)। 2022 में 68.9% स्कूलों में खेल का मैदान है, लड़कियों के लिए उपयोग योग्य शौचालयों वाले स्कूलों में 2022 में केवल 68.4% की वृद्धि हुई है, पीने के पानी की उपलब्धता वाले स्कूलों का अनुपात सिर्फ 76% है। यूनेस्को की 2021 की भारत के लिए शिक्षा की स्थिति रिपोर्ट के अनुसारः कोई शिक्षक नहीं, कोई कक्षा नहीं, भारत में लगभग 1।1 लाख स्कूल एकल-शिक्षक संस्थाएँ हैं। 2022 में शिक्षकों की औसत उपस्थिति 87.1% है और पिछले कई वर्षों से औसत छात्र उपस्थिति लगभग 72% बनी हुई है। सुधार के बावजूद, कुछ क्षेत्रों में लिंग असमानताएँ बनी हुई हैं। नामांकित न होने वाली 15-16 साल की लड़कियों के अनुपात में गिरावट जारी है, जो 2022 में 7.9% हो गई है। भारत में प्राथमिक स्तर की कक्षा (1-5) में स्कूलों में ड्रॉपआउट की कुल दर 1.5 प्रतिशत है, उच्च प्राथमिक कक्षा (6-8) में 3 प्रतिशत है। माध्यमिक स्तर की कक्षा (9-10) में 12 प्रतिशत के साथ उच्चतम स्थान है जो अभी भी एक बड़ी चुनौती है। 2022 में किसी न किसी रूप में प्रारंभिक बचपन की शिक्षा में नामांकित 3-वर्षीय बच्चों का अनुपात 78.3% है। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ) को समय-समय पर संशोधित किया जाता है, लेकिन पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता और प्रभावशीलता को लेकर चिंताएं हैं। उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण 2021-22 पारंपरिक पाठ्यक्रमों की तुलना में व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों में कम नामांकन का संकेत देता है। कोविड-19 महामारी ने डिजिटल विभाजन को उजागर किया, जिसमें कई छात्रों के पास ऑनलाइन शिक्षा तक पहुंच नहीं थी। नीति आयोग 2023 के अनुसार, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों का स्कोर अधिक है, जबकि बिहार और झारखंड जैसे राज्यों का स्कोर कम है, जो शिक्षा की गुणवत्ता में असमानताओं को दशार्ता है। कक्षा क-VIII में सशुल्क निजी ट्यूशन कक्षाएं लेने वाले बच्चों का अनुपात 2018 में 26.4% से बढ़कर 2022 में 30.5% हो गया। ये सब बेहद चिंतनीय है। देश और राज्य सरकारों के लिए यह कम लज्जा की बात नहीं है कि जिन कामों को उन्हें खुद करना चाहिए, उनके लिए अदालतों को आदेश देना पड़ता है। प्राथमिक स्कूलों में शिक्षा की बदहाली किसी से छिपी नही है। पूरे देश में सरकारी स्कूलों की स्थिति बहुत खराब है। कई स्कूलों में तो शिक्षक पढ़ाने ही नहीं जाते,जहां जाते हैं वहां वे मन से नहीं पढ़ाते। इन स्कूलों की दशा सुधारने के लिए बना तंत्र भी लगभग पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है। किसी का किसी पर नियंत्रण नहीं है। आज पूरे तंत्र पर भ्रष्टाचार का बोलबाला है। सरकारी प्राथमिक स्कूलों की इस दशा को सुधारने के लिए सभी सरकारी अधिकारियों, निर्वाचित प्रतिनिधियों और न्यायिक कार्य से जुड़े अधिकारियों के लिए यह अनिवार्य कर दिया जाए कि वे अपने बच्चे को पढ़ने के लिए इन्हीं स्कूलों में भेजें। सरकारी स्कूलों को निजी स्कूलों से अधिक आकर्षक बनाने की पहल की जा सकती है अगर पर्याप्त कक्षाएँ, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएँ और मनोरंजक सुविधाएँ सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाये। स्वच्छ पेयजल, क्रियाशील शौचालय और नियमित स्वच्छता जागरूकता अभियान, डिजिटल शिक्षण की सुविधा के लिए कंप्यूटर, टैबलेट और इंटरनेट कनेक्टिविटी तक पहुंच प्रदान की जाए। ओडिशा सरकार का 5टी हाई स्कूल परिवर्तन कार्यक्रम पारदर्शिता, प्रौद्योगिकी, टीम वर्क और परिवर्तन की ओर ले जाने वाली समयबद्धता की 5टी अवधारणा पर आधारित है। 2021 में लॉन्च किया गया यह कार्यक्रम सभी उच्च विद्यालयों में स्मार्ट और डिजिटल कक्षाओं, ई-पुस्तकालयों, आधुनिक विज्ञान प्रयोगशालाओं, बेहतर स्वच्छता सुविधाओं और खेल सुविधाओं के रूप में शैक्षिक प्रौद्योगिकी को अपनाने पर केंद्रित है। योग्यता-आधारित भर्ती लागू करना, प्रतिस्पर्धी वेतन प्रदान करना, और व्यावसायिक विकास के अवसर प्रदान करना,शैक्षणिक कौशल और विषय ज्ञान को बढ़ाने के लिए नियमित कार्यशालाएँ, सेमिनार और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना, शिक्षकों को प्रेरित करने और उनके प्रयासों को मान्यता देने के लिए प्रदर्शन-आधारित इनाम प्रणाली लागू करना इस दिशा में बेहतरीन प्रयास साबित हो सकता है। एक समग्र दृष्टिकोण को शामिल करना जो संज्ञानात्मक, सामाजिक, भावनात्मक और शारीरिक विकास पर केंद्रित हो। छात्रों को भविष्य में रोजगार के अवसरों के लिए तैयार करने के लिए व्यावसायिक कौशल और उद्यमशीलता प्रशिक्षण को एकीकृत करना,परियोजनाओं, क्षेत्र यात्राओं और व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से अनुभवात्मक सीखने को प्रोत्साहित करना, एक स्वागत योग्य और समावेशी वातावरण को बढ़ावा देना जो विविधता का सम्मान करता हो और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देता हो। विद्यार्थियों की प्रगति पर चर्चा करने और चिंताओं को दूर करने के लिए नियमित अभिभावक-शिक्षक बातचीत को प्रोत्साहित करना, स्वामित्व की भावना को बढ़ावा देने के लिए स्कूल की गतिविधियों और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में स्थानीय समुदायों को शामिल करना जैसे ओडिशा सरकार का स्कूल अभियान, अपनी तरह की एक अनूठी पहल है जो ओडिशा में सरकारी स्कूलों के सुधार में योगदान करने के लिए पूर्व छात्र समुदाय को प्रेरित और संगठित करने का प्रयास करती है। ओडिशा के आदर्श विद्यालय (ओएवी) मॉडल का उद्देश्य सुलभ, गुणात्मक और सस्ती अंग्रेजी माध्यम शिक्षा प्रदान करके ग्रामीण शहरी अंतर को पाटना है। अब तक ओडिशा के ग्रामीण और अर्ध शहरी क्षेत्रों के सभी 314 ब्लॉकों में 315 अंग्रेजी माध्यम के सह-शिक्षा हैं। इन पहलों को लागू करके, हम एक अधिक न्यायसंगत और समावेशी शिक्षा प्रणाली बना सकते हैं, जो प्रत्येक बच्चे को अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए सशक्त बनाती है। इसका उद्देश्य सशक्त, सुसज्जित और नैतिक युवाओं की एक पीढ़ी का निर्माण करना है, जो 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हों। देश में माध्यमिक शिक्षा हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, और इसकी वर्तमान स्थिति से तुलना करते हुए, केंद्र और राज्य सरकारों- दोनों की वार्षिक शिक्षा योजना में इसे प्राथमिकता देकर माध्यमिक शिक्षा पर अधिक नीतिगत ध्यान केंद्रित करने का समय आ गया है। सस्ती माध्यमिक शिक्षा का प्रावधान सुनिश्चित करने हेतु सार्वजनिक निवेश में पर्याप्त वृद्धि होनी चाहिए। शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने, शिक्षकों के प्रशिक्षण, पर्याप्त शिक्षण-अधिगम संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और एक जवाबदेह और पारदर्शी शासन-व्यस्था की संरचना बनाने के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर समान ध्यान दिया जाना चाहिए। इस दिशा में जब तक कठोर उपाय नहीं किए जाते, वर्ष 2030 तक सार्वभौमिक स्तर माध्यमिक शिक्षा प्राप्त करना दुर्ग्राह्य ही लगता है।

सत्ता बदली, उपार्जन केंद्रों में धान की आवक होगी तेज

62 जगह पर धान का उपार्जन करना किया गया है सुनिश्चित

कोरबा 5 दिसंबर। 3100 प्रति क्विंटल की दर पर धान की खरीदी करने वाली भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ की सत्ता पर आसीन हो रही है। माना जा रहा है कि अगले कुछ दिनों में किसानों के द्वारा धान की बिक्री उत्पादन केदो में की जाएगी। वे विधानसभा चुनाव के परिणाम को लेकर रुके हुए थे।

कोरबा जिले में इस बार 69524 हेक्टेयर में किसानों के द्वारा धान की फसल ली गई है। बढ़ोतरी के साथ 62 जगह पर धान का उपार्जन करना सुनिश्चित किया गया है। 50244 किसानों ने अपना रजिस्ट्रेशन धान बेचने के लिए किया है। सरकारी कार्यक्रम के अंतर्गत 1 नवंबर 2023 से कोरबा सहित सभी जिलों में धान की खरीदी शुरू कर दी गई है लेकिन चुनाव संबंधी कारणों से चार दिन पहले तक 7056 मेट्रिक टन धान इन केदो में पहुंची है। एक महीना बीतने के बाद धान की

यह क्वांटिटी ऊंट के मुंह में जीरा के समान है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह धान के पूर्व घोषित समर्थन मूल्य और बाद में चुनावी घोषणा के अंतर्गत दी जाने वाली राशि को माना जा रहा है। भारत सरकार ने विभिन्न प्रकार के अनाज की खरीदी के लिए अलग-अलग समर्थन मूल्य घोषित किया है जिसमें धान के लिए 2200 रुपए की राशि प्रति कुंतल के लिए फिक्स है। चुनावी सीजन में किसानों के लिए कांग्रेस और भाजपा के द्वारा आकर्षक ऑफर पेश किए गए थे। कांग्रेस ने 3200 का ऑफर दिया था तो भाजपा ने सरकार बनने पर 3100 रुपए की दर पर धान खरीदने की घोषणा की थी। चुनावी सीजन में यह सब हुआ था ऐसे में किस असमंजस में थी कि आखिर बिक्री अभी करें या बाद में। इसी का नतीजा रहा की एक महीने तक खेतों से काटी गई फसल उपार्जन केदो तक नहीं पहुंच सके। 3 दिसंबर को चुनाव के नतीजे सामने आने के साथ भाजपा की सरकार बनने का रास्ता साफ हो गया है। कोरबा जिले के धान खरीदी केदो से संबंधित कर्मचारी ने संभावना जताई है कि एक-दो दिन में टोकन के साथ-साथ धान आने की रफ्तार बढ़ सकती है। योजना के अनुसार जिन किसानों ने इससे पहले धान का विक्रय कर दिया है वे स्वाभाविक रूप से अंतर की राशि पाने के पात्र होंगे जबकि आगामी तिथि में उपार्जन करने वालों को नई दर से भुगतान होगा। जिले के सभी खरीदी केदो में आवश्यक तैयारी पहले से ही की जा चुकी है। इधर मौसम परिवर्तन और बारिश की संभावना को ध्यान में रखने के साथ नियंत्रण को लेकर जरूरी जतन किए जा रहे हैं।

एकमुश्त भुगतान का आकर्षण

कृषि क्षेत्र के साथ-साथ राजनीति में माहिर लोगों ने प्रदेश में भाजपा नेतृत्व वाली सरकार की जीत को लेकर कहां है कि इसके पीछे कई फैक्टर प्रभावि रहे। विशेष रूप से किसानों के मामले में समर्थन मूल्य का एकमुश्त भुगतान किया जाना लोगों को ज्यादा अट्रैक्ट कर गया। बार-बार की झंझट को लेकर बीते वर्षों में परेशान होने वाले किसानों में भाजपा की यह घोषणा अपील कर गई।

एक नजर

पत्नी से विवाद के दौरान बच्चे को पटका, मौत

डभरा 5 दिसंबर । अस्पताल में छह माह के बच्चे का उपचार कराने पहुंचे पति-पत्नी का आपसी विवाद इतना बढ़ा कि पिता ने अपने बच्चे को उठाकर पटक दिया। गंभीर स्थिति में उसे उपचार के लिए रायगढ़ रेफर किया गया। वहां उपचार के दौरान मासूस की मौत हो गई।यह दिल दहला देने वाली वारदात डभरा थाना क्षेत्र के ग्राम खोंधर की है। जानकारी के अनुसार शनिवार को खोंधर निवासी रोहित सिदार (27) और उसकी पत्नी मंजू सिदार (22) अपने छह माह के बेटे का उपचार कराने डभरा में डा. मिश्रा अस्पताल पहुंचे।उसका वहां उपचार चल रहा था इसी बीच किसी बात को लेकर पति -पत्नी में बहस हो गई। आक्रोशित रोहित सिदार ने आवेश में आकर अपने मासूस बच्चे को ही फर्श पर ही पटक दिया। इससे उसकी स्थिति गंभीर हो गई और डाक्टर ने उसे उपचार के लिए रायगढ़ जिला अस्पताल रेफर किया गया। रायगढ़ में उपचार के दौरान मासूम बच्चे की मौत हो गई। इस घटना से डभरा के अस्पताल में उपस्थित मरीज और उनके स्वजन दहल गए । घटना की सूचना पर पुलिस द्वारा आरोपित पिता रोहित सिदार सेपूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार रोहित सिदार शराब का आदी है। बहरहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रिश्तेदार की हत्या के मामले में जीजा गिरफ्तार

बलौदा 5 दिसंबर। जमीन विवाद में पैसे की लेनदेन को लेकर दशगात्र में शामिल होने आए साले की जीजा ने दिन दहाड़े तालाब पार में टांगी से ताबतोड़ वार कर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपित जीजा को गिरफ्तार कर लिया है।. जानकारी के अनुसार नेताजी चौक जांजगीर निवासी लक्ष्मीनारायण चक्रधारी (62) बलौदा निवासी मुन्ना चक्रधारी के दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होने परिवार के साथ गया हुआ था। बलौदा के नैया तालाब के पास करीब 40 से 50 लोग चबुतरे में बैठे हुए थे। इसी दौरान लगभग दोपहर 2-20 बजे लक्ष्मीनारायण चक्रधारी का जीजा बलौदा निवासी राजकुमार उर्फ बुलांदु (54) अपने मुंह में कपड़ा बांध कर और हाथ में टंगिया लेकर वहां पहुंचा और चबुतरे में बैठे लक्ष्मीनारायण के सिर, गला एवं छाती में ताबड़तोड़ प्रहार कर दिया। जिससे लक्ष्मीनारायण की मौके पर ही मौत हो गई। लक्ष्मीनारायण के ऊपर अचानक दिन दहाड़े हुए हमले से मौके पर मौजूद लोगों के होश उड़ गए। वारदात को अंजाम देने के बाद राजकुमार मौके से फरार हो गया। किसी ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर जांजगीर एसडीओपी प्रदीप सोरी, बलौदा थाना प्रभारी एस.आई. मनोहर सिन्हा स्टाफ के साथ मौके पहुंचे और शव का पंचनामा कर पीएम के लिए भेज दिया। आरोपी की पतासाजी के लिए थाना स्तर पर अलग अलग जगह पर पुलिस ने अपने लोगों को तैनात कर रखी थी जहां अपराधी को गिरफ्तार कर लिया गया है। बेटे का इलाज के लिए रूपए की थी जरूरत पुलिस को आरोपी राजकुमार उर्फ बुलांदु अपने घर मोहल्ले के रास्ते में हत्या कर खून से सना हुआ टंगिया लेकर जाते मिला। जिसे पुलिस ने हिरासत में लेकर थाने लेकर आई और पूछताछ की। जिसमें आरोपी राजकुमार ने बताया कि उसके बेटे की तबीयत खराब है। इलाज के लिए उसे रूपए की आवश्यकता है। लक्ष्मीनारायण से जमीन संबंधी लेनदेन के मामले में उसे रूपए लेना था। मगर वह इलाज के लिए रूपए नहीं दे रहा था। जिसकी वजह से उसने लक्ष्मीनारायण चक्रधारी के ऊपर टंगिया से हमला कर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को भादवि की धारा 302 के तहत गिरफ्तार किया और उसके पास से खून से सना हुआ टंगिया को जब्त किया ।

कार ने बाइक को मारी टक्कर मां-बेटे की मौत

बिलासपुर,5 दिसंबर। जिले के मस्तूरी थाना क्षेत्र के मल्हार चौकी के ग्राम चकरबेढ़ा के पास मतगणना के दिन एक तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार मां-बेटे की मौत हो गई। वहीं तीन लोग घायल हो गए, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। मामले में पुलिस ने फरार कार चालक के खिलाफअपराध दर्ज किया है। बता दें कि ग्राम रेमंड परसदा निवासी रामप्रसाद अपनी पत्नी तुलसी पटेल व बच्चे मानसी, कान्हा व जयंत के साथ बाइक क्रमांक सीजी 11 बीजी 0495 में सवार होकर कहीं जा रहे थे। तभी ग्राम चकरबेढ़ा के पास कार क्रमांक सीजी 10 एजेड 4320 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दिया। इस हादसे में बाइक सवार तुलसी पटेल व उसके पुत्र कान्हा पटेल की मौत हो गई। इस हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामले में कार चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

अज्ञात बीमारी से चार दिनों में तीन युवकों की मौत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

नारायणपुर 5 दिसंबर। नक्सल प्रभावित क्षेत्र नारायणपुर के कुम्हली गांव में अज्ञात बीमारी से तीन युवकों के मारे जाने की खबरें सामने आई है। वहीं इस बीमारी से गंभीर रुप से पीड़ित एक युवक को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। चार दिनों के अंदर हुई इन तीन युवकों की मौत के बाद गांव के लोग दहशत ज़दा है। जानकारी मिलने पर जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग की टीम प्रभावित गांव में पहुंची हुई है। प्राप्त समाचारों के अनुसार नारायणपुर से लगभग 27 किमी दूर सोनपुर गाँव में स्थित एक स्कूल की रंगाई और पोताई

का कार्य चल रहा था, अचानक वहां कार्यरत एक श्रमिक तबीयत खराब होने के कारण घर वापस लौट आया। अचानक तबियत खराब होने के बाद परिजनों के द्वारा जिला अस्पताल में उन्हें भर्ती किया गया था, जहाँ उसकी मौत हो गई, मृतक का नाम 30 वर्षीय अनिल पोटाई बताया जा रहा है। इसके अलावा 23 वर्षीय हेमलाल सलाम, 19 वर्षीय संजू पोटाई ये लोग भी बीच काम से ही घर वापस लौट आए थे। बताया जाता है कि हेमलाल किसी काम से बालोद गया था जहां उसकी तबीयत अचानक खराब हो गई और उसे बालोद जिला अस्पताल के बाद रायपुर के लिए रेफर किया गया था जहां उसकी 30 नवंबर को इलाज के दौरान मौत हो गई। दो दिन बाद ही संजू पोटोई और हेमलाल सलाम की भी अज्ञात बीमारी के चलते मौत हो गई। इन तीन युवकों की मौत के बाद ग्रामीणों में एक प्रकार से सन्नाटा पसरा हुआ है।

मृतक के परिजनों ने जो जानकारी दी है उसके अनुसार युवकों को काफी तेज बुखार आया था जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया गया था। स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम कुम्हली गांव में कार्यरत सभी मजदूरों के सैम्पल को जांच के लिए एकत्र कर रही है। वहीं सोमवार को एक और युवक सोनहेर पोटाई पिता दुलारसिंह पोटाई की तबियत अचानक खराब होने पर जिला अस्पताल में भर्ती किया गया हैं।

एसआर हॉस्पिटल चिखली में तीन दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दुर्ग 5 दिसंबर। एस आर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर धमधा रोड चिखली दुर्ग के सातवें स्थापना दिवस के अवसर पर अस्पताल प्रबंधन द्वारा अस्पताल परिसर में तीन दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया है । उक्त शिविर दिनांक 5 एवं 6 एवं 7 दिसंबर को किया जाएगाद्य शिविर का समय प्रातः 11:00 बजे से 3:00 बजे दोपहर तक रहेगाद्य उक्त शिविर में ओ.पी.डी. परामर्श नेत्र परीक्षण दंत परीक्षण ब्लड प्रेशर शुगर परीक्षण फिजियोथैरेपी व अन्य सुविधाएं निःशुल्क प्रदान की जाएगी। अस्पताल के सिनीयर रेडियोलाजिस्ट डॉ आर के दिवाकर ने जानकारी देते हुए बताया कि सोनोग्राफी कलर डॉपलर की जांच मात्र ?200 एवं एक्स-रे जांच मात्र ?100 एवं चश्मा फ्रेम सहित मात्र ?200 में शिविर के दौरान दिया जाएगा। डॉ विश्वामित्र दयाल ने उक्त शिविर में हाइड्रोसील मोतियाबिंद नसबंदी बच्चेदानी का ऑपरेशन नॉर्मल डिलीवरी सिजीरियन डिलीवरी का ऑपरेशन निःशुल्क

किया जाएगा जानकारी प्रदान की । सभी ऑपरेशन के लिए दवाइयां एवं खून पेशाब जांच ब्लड जांच का पैसा मरीज को देना होगा एवं सभी आपरेशन के लिए मरीजों को 24 घंटे पूर्व रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।

तूफान व विक्षोभ के प्रभाव से बरसे बादल, बढ़ी ठंड

अंबिकापुर। उत्तरी छत्तीसगढ़ में मंगलवार सुबह से घने बादल छाए हुए और हल्की वर्षा हो रही है। संभाग मुख्यालय अंबिकापुर में अचानक मौसम के बदलाव के बाद तापमान गिर गया है। दक्षिण भारत इलाके में सक्रिय तूफान और उत्तर भारत में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ से मौसम में भारी बदलाव हुआ है। मौसम विभाग ने पहले ही इसकी संभावना जताई थी। सरगुजा संभाग इलाके में आज से अगले दो दिनों तक मौसम के खराब रहने और कहीं-कहीं हल्की वर्षा की संभावना जताई गई है। मौसम में हुए बदलाव से किसान एक बार फिर चिंता में पड़ गए हैं।

धान की कटाई और मिसाई के साथ समितियों में बिक्री का कार्य इन दिनों जोरों पर है। ऐसे में हो रही हल्की वर्षा से इनका काम प्रभावित हो गया है। मौसम विज्ञानी एएम भट्ट के अनुसार तूफान और विक्षोभ के कारण अगले दो तीन दिनों तक उत्तरी छत्तीसगढ़ में बादल छाए रहेंगे और हल्की वर्षा की संभावना है।

दिसंबर के पहले सप्ताह में लगातार मौसम में उतार चढ़ाव का क्रम बना हुआ है। वर्तमान में सक्रिय तूफान और विक्षोभ के कमजोर पड़ने के बाद एक बार फिर ठंड में तेजी से वृद्धि होगी। कुछ दिनों की राहत के बाद 14 दिसंबर से एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। इससे उत्तरी छत्तीसगढ़ का मौसम फिर बदलने की संभावना है।

समाचार संक्षेप

कोल कर्मी की हार्ट अटैक से मौत

कुसमुंडा 5 दिसंबर। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की कुसमुंडा माइंस में कार्यरत एक कर्मचारी की हार्ट अटैक से मौत हो गई। नजदीकी अस्पताल ले जाने पर चिकित्सक ने परीक्षण के बाद उसे आधिकारिक रूप से मृत्यु घोषित कर दिया। स्थानीय पुलिस ने सूचना प्राप्त होने पर 174 सीआरपीसी के अंतर्गत मर्ग कायम किया है।

थाना प्रभारी कृष्ण कुमार वर्मा ने बताया कि 36 वर्षीय साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड कर्मचारी गोकुल प्रसाद पिता पन्नालाल गेवरा बस्ती का निवासी था। पिछली रात्रि उसका स्वास्थ्य अचानक बिगड़ गया जिस पर परिजनों को अवगत कराया गया। उन्होंने शीघ्रता से पीड़ित को अस्पताल ले जाने की व्यवस्था की लेकिन रास्ते में ही शारीरिक हलचल बंद हो गई। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर ने उसका परीक्षण किया और मृत्यु होने की पुष्टि की। माना जा रहा है कि हार्ट अटैक होने से कर्मचारी की मौत हुई है। मर्ग कायम करने के साथ पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जानकारी होने पर एसईसीएल में शोक छा गया। बताया गया कि इस प्रकार के मामलों में नियम के अनुसार एक आश्रित को अनुकंपा नियुक्ति दिए जाने के प्रावधान है। आगामी दिनों में जरूरी प्रक्रिया करने के साथ संबंधित कार्रवाई की जाएगी।

सूने मकान से गहने एवं नगदी की चोरी

जांजगीर चांपा 5 दिसंबर। नगर के गोपिया पारा स्थित किराए के मकान में रहने वाले सुपरवाइजर के का घर एवं अलमारी का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने नकद सहित अलमारी में रखे ढाई लाख रुपये के सोने चांदी के आभूषण को पार कर दिया। पुलिस मामला दर्ज कर पतासाजी कर रही है। मुलमुला थाना के ग्राम खपरीटांड़ निवासी चंद्रकांत पटेल पिता श्याम कुमार पटेल लटिया रोड अकलतरा स्थित एस.एस. इंटरप्राइजेज लिमिटेड में सुपरवाइजर का कार्य करता है। अकलतरा नगर के वार्ड क्रमांक 18 गोपिया पारा में स्थित गोपाल जायसवाल के मकान में अपने परिवार के साथ किराए से रहता है। 28 नवंबर को चंद्रकांत पटेल अपने परिवार को लेकर पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अपने गृह ग्राम खपरीटांड़ गया था। 30 नवंबर को चंद्रकांत पटेल के पड़ोसियों ने मोबाइल के माध्यम से सूचना दी कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ है। घटना की सूचना पर चंद्रकांत पटेल गोपिया पारा स्थित अपने मकान पहुंचा। जहां किराए के मकान का मुख्य गेट का ताला टूटा था। अंदर जाने पर अलमारी का ताला भी टूटा हुआ मिला । सामान बिखरे हुए थे। चंद्रकांत पटेल ने बताया कि अलमारी में रखे 3500 रुपये नकद एवं सोने की हार 2.5 तोले का मंगलसूत्र सात ग्राम, झुमका एवं ईयर रिंग तीन नग सोने का पायल छोटा चार नग, चांदी 118 तोला, पायल बडा एक नग चांदी के 15 तोला, करधन दो नग चांदी 15 तोला, कटोरी एक नग चांदी की दो तोला, हाथफूल, बिछिया मिलाकर दो लाख 30 हजार रुपये के आभूषण एवं नकद को अज्ञात चोरों ने पार कर दिया । चंद्रकांत पटेल की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है। साइबर सेल की टीम के द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर दरवाजे एवं अलमारी के ताले को तोडने में प्रयुक्त लोहे के राड को जब्त किया गया है। पुलिस द्वारा अज्ञात चोरों की तालाशी जा रही है।

11 केवी की चपेट में आने से युवक की मौत

सक्ती 5 दिसंबर । अच्छनकपुर के सोनू सिदार की 11 केवी विद्युत लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई। शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबह करीब 8.30 बजे जामपाली का हार्वेस्टर मेकेनिक काम के लिए अचानकपुर की ओर जा रहा था, वहीं रास्ते मे 11 केवी लाइन गुजरी थे जहां हार्वेस्टर को निकलने में परेशानी हो रही थी। हार्वेस्टर के ड्राइवर द्वारा वहीं पास से गुजर रहे सोनू सिदार को बांस के सहारे 11 केवी तार को उठाने के लिए बोला गया, जिस पर सोनू हार्वेस्टर के ऊपर चढ़ कर तार को हटा ही रहा अस्पताल रवाना किया गया, वहीं मार्ग कायम कर जांच में लिया। बता दें कि सोनू सिदार 21 वर्ष अचानकपुर का निवासी है और अपने मां बाप का इकलौता लड़का था, मृतक के दो बहनें भी हैं, उनमें से एक बड़ी बहन की शादी हो गई है। वहीं छोटी बहन अभी पढ़ाई कर रही है। ग्रामीणों ने बताया कि सोनू मजदूरी का काम कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। उक्त मामले में यह भी जानकारी मिली है कि जामपाली निवासी हार्वेस्टर मालिक द्वारा 5 लाख रुपए मृतक के परिजनों को तात्कालिक मुआवजा देने हेतु पुलिस के समक्ष कहा गया है, वहीं मामले को रफादफा करने की भी कोशिश कुछ रसूखदारों द्वारा की जा रही है। था कि अचानक वह दूसरे तार की चपेट में आ गया, जिससे मौके पर ही सोनू सिदार की मृत्यु हो गई।

कटघोरा से कांग्रेस की हार, अधिवक्ता संघ ने जताई खुशी

कोरबा 5 दिसम्बर। विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद कहीं खुशी, कहीं गम का माहौल बना हुआ है। वहीं कटघोरा में विधायक पुरूषोत्तम कंवर की हार के बाद जश्न मनाया जा रहा है। कटघोरा को जिला बनाओ अभियान को लेकर कटघोरा अधिवक्ता संघ ने मिठाई बांट कर खुशियां मनाते हुए कहा कि कंवर ने अपने पांच साल के कार्यकाल में किए गए एक भी वायदे को पूरा नही किया। परिणाम में कंवर की हार की खबर आते ही अधिवक्ता संघ में खुशी लहर देखने को मिली। संघ के सदस्यों ने पटाखे फोड़े। सचिव अमित सिन्हा ने कहा कि पूर्व विधायक पुरुषोत्तम कंवर ने कटघोरा जिला बनाने के वादे को पूरा नही किया। संघ द्वारा कई माह धरना प्रदर्शन करने के बाद भी पूर्व विधायक द्वारा किए गए वादे पर ध्यान नही दिया और क्षेत्र की जनता को जनता को धोखा दिया। इसलिए संघ के साथ पूरे नगर में पुरुषोत्तम कंवर का विरोध था। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी से कटघोरा की जनता के साथ साथ अधिवक्ता संघ भी उम्मीद है कि कटघोरा को जिला का दर्जा दिलाने में अपनी अहम भूमिका निभाएगा।

बचाने वैज्ञानिकों ने दी दवाओं की जानकारी

सेम की फसलों को पीला चितकबरा वायरस रोग

सुकमा, 5 दिसम्बर। सेम के पौधों में फली आने की अवस्था शरू हो गई है। वहीं खराब मौसम और सफेद मक्खी के प्रकोप से सेम के पौधों में पीला चितकबरापन वायरस रोग के लक्षण भी दिखने लगे हैं। ग्राम पुजारीपाल के कृषकों ने मैदानी भ्रमण में पहुंचे कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों को इस लक्षण से अवगत कराया। वैज्ञानिकों ने किसानों के खेत में जाकर हल्के हरें एवं पीले रंग के धब्बे और माहू से प्रभावित पौधों का अवलोकन किया। वैज्ञानिकों ने बताया कि यह रोग एक विषाणु यलो मोजेक वायरस द्वारा उत्पन्न होता है, जिसका वाहक सफेद

मक्खी है। यह वायरस सेम के अलावा मूंग, उड़द, सोयाबीन के फसलों को भी प्रभावित करती है।

पौध रोग विज्ञान के विषय वस्तु विशेषज्ञ श्री राजेन्द्र प्रसाद कश्यप, कीट विज्ञान के विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉ. योगेश कुमार सिदार ने किसानों से चर्चा करते हुए फसलों को बीमारी और किड़ों के रोकथाम के लिए शुरूआती अवस्था में नीम का तेल का छिड़काव तथा अधिक प्रकोप होने पर इमिडाक्लोप्रिड या थायोमिथाक्जम का छिड़काव करने की जानकारी दी। इस दौरान मत्स्य विज्ञान के कार्यक्रम सहायक डॉ. संजय कुमार राठौर ने भी किसानों से चर्चा की और उनके तालाबों का भी अवलोकन किया। उन्होंने मछलियों के तेजी से वृद्धि लिए 15 दिन में एक बार बियासी और उनके आहार की व्यवस्था के लिए किसानों को तालाब के ऊपर एक शेड का निर्माण कर मुर्गी, बकरी पालने के लिए प्रेरित किया।

भूपेश और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों के त्यागपत्र मंजूर, अधिसूचना जारी

रायपुर, 5 दिसम्बर। विधानसभा चुनाव में सत्ता से बाहर होते ही मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। 3 दिसंबर को मतगणना के परिणाम जारी होने के बाद ही बघेल ने राजभवन जाकर राज्यपाल को अपना और अपनी कैबिनेट के सभी सदस्यों का त्यागपत्र सौंप दिया था। हालांकि राज्यपाल ने इस्तीफा मंजूर करते हुए बघेल को नई सरकार के गठन तक कार्यभार संभालने के लिए कहा गया है। बता दें कि भूपेश बघेल और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों के त्याग पत्र के संबंध में दो अधिसूचना जारी की गई है। पहली अधिसूचना

राजभवन की तरफसे राजभवन के सचिव के हस्ताक्षर से जारी किया गया है। दूसरी अधिसूचना सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) की तरफ से मुख्य सचिव के हस्ताक्षर से जारी किया गया है।

एक नजर

छत्तीसगढ़ तेज गति से आगे बढ़ेगा:गीता घासी साहू

राजनांदगांव, 5 दिसंबर। खुज्जी विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 77 से भाजपा प्रत्याशीश्रीमती गीता घासी साहू ने चुनाव परिणाम को लेकर कहा की जनता नेआशीर्वाद दिया है उसे वे स्वीकार करती है। छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार बनेगी।क्षेत्रवासियों के समस्त कार्यकर्ताओं को आभार प्रकट करते हुए कहा की छत्तीसगढ़ में भाजपा की ऐतिहासिक जीत को छत्तीसगढ़ के गांव, गरीब ,किसान, मजदूर और युवाओं की जीत को निरूपित करते हुए कहा कि राज्य की जनता ने आज कांग्रेस रूपी अभिशाप से छत्तीसगढ़ को मुक्त करते हुए विकास का मार्ग चुन लिया है।श्रीमती गीता घासी साहू ने आगे कहा कि मोदी की गारंटी पर विश्वास किया जिसकी वजह से छत्तीसगढ़ कुशासन, अन्याय, अत्याचार, आतंक और भ्रष्टाचार से मुक्त हुआ है, अब भाजपा की सरकार बनते ही मोदी जी की गारंटी पूरी करने का श्री गणेश होगा।छत्तीसगढ़ विकास की तेज गति से आगे बढ़ेगी। भाजपा छत्तीसगढ़ निर्माता अटल बिहारी वाजपेई के सिद्धांतों के अनुरूप राज्य को सुशासन देगी। छत्तीसगढ़ महतारी का मान अब अपने शिखर पर होगी।

रेफ्रिजरेशन एवं एयर कंडीशनिंग प्रशिक्षण के लिए आवेदन 10 दिसम्बर तक आमंत्रित

धमतरी, 5 दिसम्बर । बड़ौदा स्वरोजगार संस्थान धमतरी द्वारा रेफ्रिजरेशन एवं एयर कंडीशनिंग और सर्विसिंग का 30 दिवसीय निःशुल्क एवं आवासीय प्रशिक्षण दिया जायेगा। इसके लिये 18 से 45 वर्ष तक की आयु के ग्रामीण बेरोजगार महिला एवं पुरूष आवेदकों से आगामी 10 दिसम्बर तक आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। निदेशक, बड़ौदा आरसेटी अनिता टुडू ने बताया कि प्रशिक्षण के लिए 35 सीट आरक्षित हैं। इसके लिये आवेलकों को बीपीएल राशनकार्ड, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड की फोटोकॉपी और 4 पासपोर्ट साईज के फोटो के साथ कम्पोजिट भवन के पीछे स्थित बड़ौदा आरसेटी में जमा करना होगा। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिये मोबाईल नंबर 73899-43193 और 97559-17024 पर सम्पर्क किया जा सकता है। बता दें कि प्रशिक्षण के दौरान असेम्बलिंग एवं डिअसेम्बलिंग, कम्प्रेशर लीकेज रिपेयरिंग, फाल्ट ढूंढना एवं समाधान, इलेक्ट्रॉनिक एयर सेंसर, एयर फ्लो व तापमान, रेफ्रिजरेशन एवं एयर कंडीशनिंग संबंधी सभी जानकारी के साथ ही उद्यमिता संबंधी जानकारी भी दी जायेगी।

कांकेर विधानसभा में पुनर्गणना के लिए प्राप्त नहीं हुआ कोई आवेदन

कांकेर, 5 दिसम्बर । विधानसभा आम निर्वाचन-2023 के तहत 03 दिसम्बर को तीनों विधानसभा क्षेत्र के लिए मतगणना सम्पन्न हुई, जिसमें कांकेर विधानसभा क्षेत्र के लिए मतगणना हुई। रिटर्निंग ऑफिसर कांकेर-81 ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-81 में ईव्हीएम के माध्यम से प्राप्त कुल वोट अभ्यर्थी श्री आशाराम नेताम को कुल 67,459 मत और श्री शंकर ध्रुवा को कुल 67,336 मत प्राप्त हुए। इस प्रकार दोनों के बीच प्राप्त मतों का अंतर 123 रहा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक चक्रवार गणना का ब्यौरा भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर भी तदनुसार उपलब्ध है। इसके उपरांत डाक मतपत्रों की गणना की गई, जिसमें अभ्यर्थी श्री आशाराम नेताम को 521 और श्री शंकर ध्रुवा को 628 मत प्राप्त हुए। इस प्रकार ईव्हीएम और डाक मतपत्रों की गणना के बाद अभ्यर्थी श्री नेताम को कुल 67,980 और श्री ध्रुवा को 67,964 मत प्राप्त हुए।

इस प्रकार दोनों अभ्यर्थियों को प्राप्त कुल मतों का अंतर 16 रहा। रिटर्निंग ऑफिसर कांकेर विधानसभा क्षेत्र ने बताया कि इसकी जानकारी मतगणना कक्ष में उपस्थित अभ्यर्थियों एवं अभिकर्ताओं को दी गई थी। उन्हें यह भी बताया गया कि पूरी गणना के पश्चात् रैण्डमली चयन कर 05 व्हीव्हीपैट की पर्चियों की गणना किए जाने के भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश हैं।किसी भी प्रत्याशी अथवा अभिकर्ता के द्वारा मतगणना के संबंध में कोई अपील, आवेदन अथवा शिकायत प्रस्तुत नहीं किया गया तथा गणना के पश्चात् भी किसी के द्वारा पुनर्गणना (रिकाउण्टिंग) हेतु आवेदन प्रस्तुत नहीं किया गया। उक्त सम्पूर्ण गणना भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एवं नियमानुसार तथा सामान्य प्रेक्षक कांकेर की उपस्थिति में की जाकर अंतिम परिणाम उद्घोषित किया गया।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाईन आवेदन 30 तक

राजनांदगांव 5 दिसम्बर । आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की पात्रता रखने वाले महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों से ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित की गई है। नवीन एवं नवीनीकरण आवेदन के लिए विद्यार्थी 30 दिसम्बर 2023 तक ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। प्रस्ताव लॉक करने के अंतिम तिथि 15 दिसम्बर 2023 से 20 जनवरी 20 जनवरी 2024 तक एवं स्वीकृति लॉक करने की अंतिम तिथि 15 दिसम्बर 2023 से 24 जनवरी 2024 तक निर्धारित है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के पात्रता रखने वाले विद्यार्थी वेबसाईट http://postmatricscholarship.cg.nic.in पर पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन प्रस्तुत कर सकते है।

ओपी को लोगों ने दी बधाई,चौधरी ने व्यक्त किया आभार

रायगढ़, 5 दिसम्बर। पूर्व विधायक एवं रायगढ़ विधानसभा के चुनाव संचालक विजय अग्रवाल ने कहा कि रायगढ़ विधानसभा से भाजपा के प्रत्याशी ओ पी चौधरी जी के ऐतिहासिक वोटो से जीतकर विधायक बनने पर पर बधाई देते हुए धन्यवाद ज्ञापित कर आम जनता एवं कार्यकर्ता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि तीन राज्य मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली प्रचंड जीत को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर 140 करोड़ जनता जनार्दन का अटूट विश्वास और भाजपा कार्यकर्ताओं की जीत बताया। उन्होंने इस जीत के लिए इन तीनो राज्य के जनता और कार्यकर्ता को बधाई देते हुए कहा कि देश के लोग मोदी सरकार द्वारा देशभर में गरीबए किसानए महिला एवं युवा के कल्याण के लिए चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाए भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस नीति और मोदी की विकास की गारंटी वाली राजनीति पर पूर्ण भरोसा करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्र की विकास और जोड़ने करने की बात करते है। विपक्षी गठबंधन सनातन धर्म को नीचा दिखाने और बदनाम करने की कोशिश में लगा हुआ है, वहीं प्रधानमंत्री सनातन संस्कृति का झंडा देश सहित विश्वभर में स्थापित करने का कार्य कर रहे है। देश की जनता गठबंधन के खोखले और लोक लुभावन वादे और झांसे में आने वाली नही है पीएम मोदी के नेतृत्व में देश हर क्षेत्र में विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है वहीं वैश्विक स्तर पर भी एक सशक्त राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर रहा है। छत्तीसगढ़ के लोग भी राज्य की कांग्रेस वाली सरकार से त्रस्त हो चुकी है।

पूर्व विधायक विजय अग्रवाल ने कहा कि ओपी चौधरी के विधायक बनने पर अब रायगढ़ नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगी विकास, रोजगार, सिंचाई सुविधा बढ़ेगी जरूरतमंद गरीबों के लिए प्रधानमंत्री आवास दिलाने, किसानों के हित के लिए व्यापारियों, आम जनता के हित के लिए काम करेगी। ओपी चौधरी जी ने रायगढ़ के विधानसभा के जनता के लिए जो वादा किए हैं वह पूरा करेंगे। मोदी की गारंटी की घोषणा पत्र में जो वादे किए हैं भाजपा सरकार पूरा करेगी।

महासमुंद। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने पर प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव एवं प्रदेश महामंत्री संगठन पवन साय को बधाई देते भाजपा नेता मोती साहू।

भाजपा की जीत में महिला मोर्चा का महत्वपूर्ण योगदान:सुधा साहू

महासमुंद। छत्तीसगढ़ सहित मध्यप्रदेश व राजस्थान में भाजपा को मिली भारी बहुमत पर खुशी व्यक्त करते हुए भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती सुधा साहू ने इसे प्रधानमंत्री पर जनता का भरोसा व भाजपा कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत का परिणाम बताया है। श्रीमती साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 5 साल कांग्रेस के कुशासन काल में छग की जनता त्रस्त थी। महिलाओं से की गई वादाखिलाफी सत्ता परिवर्तन का मुख्य कारण बना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर छग वासियों ने भरोसा किया। जिलाध्यक्ष श्रीमती साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा को पूर्ण बहुमत 54 सीटें मिली है।

इस कामयाबी का श्रेय भाजपा के बूथ स्तर के कार्यकर्ता से लेकर वरिष्ठ पदाधिकारियों को जाता है। जिले में भाजपा को दो सीटें मिली। इस महत्वपूर्ण उपलिब्ध में भाजपा महिला मोर्चा का बड़ा योगदान रहा। मोर्चा के बहनों ने मतदान के पूर्व घर-घर जाकर प्रधानमंत्री के जनकल्याणकारी कार्यों व महिलाओं के हित में लिए जा रहे फैसलों से अवगत कराया। मतदान के पूर्व भाजपा को विजयश्री दिलाने महिला मोर्चा के बहनों ने कड़ी मेहतन कर सकारात्मक परिणाम पार्टी के पक्ष में लाया। जिले के महिला मतदाताओं ने अपना अमूल्य वोट भाजपा के पक्ष में देकर प्रधानमंत्री मोदी के गारंटी पर विश्वास जताया। इसके लिए सभी बधाई के पात्र हैं। श्रीमती साहू ने समस्त महिला मोर्चा के कार्यकर्ता, पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया है।

कलेक्टर ने सफलतापूर्वक निर्वाचन संपन्न होने पर सभी को धन्यवाद दिया

राजनांदगांव 5 दिसम्बर । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री डोमन सिंह ने जिले में विधानसभा निर्वाचन 2023 सफलतापूर्वक संपन्न होने पर जिले के सभी नागरिकों, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, मीडिया प्रतिनिधियों, सुरक्षा बलों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद देते हुए उनका आभार व्यक्त किया है। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि सभी के सहयोग से विधानसभा निर्वाचन 2023 निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। सभी ने टीम भावना से जवाबदारीपूर्वक निर्वाचन कार्य में भागीदारी दी। उन्होंने कहा कि जिले के मतदाताओं ने मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया ।

सीएमएचओ ने सर्वाइकल कैंसर के लक्षण एवं उसके बचाव के संबंध में दी जानकारी

रायगढ़, 5 दिसम्बर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.आर.एन.मंडावी ने सर्वाइकल कैंसर के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाली सबसे गंभीर समस्या है जो महिलाओं में कैंसर से होने वाली मौंतो का प्रमुख कारण है। सर्वाइकल कैंसर गर्भाशय ग्रीवा के अस्तर में असामान्य कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि है। गर्भाशय ग्रीवा महिला प्रजनन प्रणाली का हिस्सा है और गर्भ के निचले हिस्से में स्थित है, जो गर्भ से योनि तक खुलती है। इस कैंसर को बच्चेदानी के कैंसर के नाम से भी जाना जाता है। ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) संक्रमण के कारण होते है। एचपीवी वायरस का एक समूह है। जो दुनिया भर में बेहद आम है। सर्वाइकल कैंसर के सबसे आम लक्षण और शुरूवाती संकेत है जैसेः-पीरियड्स के बीच ब्लीडिंग, संभोग के बाद खून, मैनोपोज के बाद खून बहना, संभोग के दौरान बैचेनी या खून आना, तेज गंध के साथ योनि से स्त्राव, रक्त के साथ योनि से स्त्राव, यूरिन करते समय दर्द महसूस होना।

सर्वाइकल कैंसर से बचावः-नियमित रूप से कराएं पैप जांच अगर आप खुद को सर्वाइकल कैंसर से बचाना चाहते है, तो इसके लिये बेहद जरूरी है कि नियमित रूप से पैप जांच कराएं पैप जांच की मदद से आप गर्भाशय ग्रीवा में होने वाली असामान्यताओं का पता लगा पाएंगी। साथ ही इस बारे में अपने डॉक्टर से संपर्क कर कब और किस उम्र में इस टेस्ट को कराना चाहिये। धूम्रपान करने से बचे, जिन महिलाओं की धूम्रपान करने की आदत होती है उनमें इस बीमारी का खतरा और भी बढ़ जाता है कि तंबाकू या उनके उत्पाद के सेवन से सर्विक्स कोशिकाओं के डीएनए को नुकसान पहुंचाते है, जो सर्वाइकल कैंसर में बदल सकता है। इसलिए धूम्रपान से दूरी बनायें रखें। एचपीवी के खिलाफ लगाएं टीका, एचपीवी के कई प्रकार है जिनमें से कुछ उच्च जोखिम वाले प्रकार पाये जाते है। दो एचपीवी प्रकार (16 और 18) 70 प्रतिशत सर्वाइकल कैंसर और कैंसर से पहले के सर्वाइकल घावों का कारण बनते है। एचपीवी को गुदा, योनी, लिंग और ऑरोफरीनक्स के कैंसर से जोड़ने के प्रमाण भी है, इस बारे में ज्यादा जानकारी के लिये अपने डॉक्टर से बचाव के लिये एचपीवी के खिलाफ टीका जरूर लगवाएं। सुरक्षित यौन संबंध का विशेष ध्यान रखें जिससे आप इस गंभीर बीमारी से खुद को काफी हद तक बचा सकते है।

पत्नी और साली के साथ मिलकर युवक ने किया जानलेवा हमला

रायगढ़, 5 दिसम्बर। जूटमिल पुलिस द्वारा कल रात हत्या के प्रयास मामले के फरार आरोपी रामसिंह सिदार को जूटमिल क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया, आरोपी को आज जूटमिल पुलिस द्वारा न्यायालय पेश कर जेल भेजा गया है। जानकारी के मुताबिक आहत महिला बुधयारिन बाई (25 साल) के पति केशव महंत निवासी ग्राम ननसिया द्वारा 16 नवंबर की रात्रि थाना जूटमिल में रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि पूर्व में उसकी बहन मधु सिदार, उसका पति राम सिंह सिदार और रितु महंत गांव ननसिया में रहते थे। उसकी पत्नी बुधियारिन का उसकी मां, दीदी मधु और बहन रीतू के बीच घरेलू झगड़ा विवाद होता था। इसी झगड़ा विवाद को लेकर 16 नवंबर के शाम मधु, रितु और मधु का पति राम सिंह सिदार घर अंदर घुसकर उसकी पत्नी बुधियारिन बाई से पूर्व झगड़ा विवाद रंजीश को लेकर गाली गलौज मारपीट करते हुए हाथ मुक्का और डंडा, लोहे के तवे से मारपीट किए हैं जिसमें बुधियारिन बाई को गंभीर चोटे आई है। प्रार्थी के रिपोर्ट पर थाना जूटमिल में आरोपियों के विरुद्ध धारा 450, 307, 34 आईपीसी के तहत अपराध पंजीकृत कर घटना के बाद से फरार हुए दोनों महिला आरोपी मधु सिदार रायगढ़ और रितु महंत को 19 नवंबर को जूटमिल पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

घटना के बाद से आरोपी राम सिंह सिदार फरार होकर लुक छिप रहा था जिसे कल शाम जेलपारा क्षेत्र में देखे जाने की सूचना पर टीआई जूटमिल रामकिंकर यादव एवं स्टाफ द्वारा दबिश देकर पकड़ा। आरोपी रामसिंह सिदार पिता चमार सिंह सिदार उम्र 39 साल जेलपारा थाना जूटमिल को जूटमिल पुलिस द्वारा आज गिरफ्तार कर रिमांड बाद जेल दाखिल किया गया है। आरोपियों की पतासाजी, गिरफ्तारी में थाना प्रभारी जूटमिल निरीक्षक रामकिंकर यादव, आरक्षक धर्नुजय बेहरा और विनय तिवारी की विशेष भूमिका रही है।

समाचार संक्षेप

अपर कलेक्टर पवन कुमार ने जिले के विभिन्न धान उपार्जन केन्द्रों का किया औचक निरीक्षण

बीजापुर 5 दिसम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 के अंतर्गत जिले में धान खरीदी 01 नवम्बर 2023 से प्रारंभ हो चुकी है। आज दिनांक 04 दिसम्बर 2023 को अपर कलेक्टर जिला बीजापुर श्री पवन कुमार प्रेमी ने जिले के कॉगूपल्ली, मददेड एवं मोदकपाल धान खरीदी केन्द्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खरीदी केन्द्रों में खरीदी से संबंधित सभी आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया एवं खरीदी संबंधी आवश्यक निर्देश दिये तथा वर्तमान में मौसम की स्थिति को देखते हुए बारिश से सुरक्षा हेतु भविष्य में ऐसी स्थिति से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहने को कहा गया। निरीक्षण के दौरान जिला खाद्य अधिकारी श्री गणेश कुमार कुरें एवं जिला विपणन अधिकारी श्री टामेश सिंह नागवंशी उनके साथ संयुक्त रूप से मौजूद रहे।

बीमार ग्रामीण महिला को 153 वाहिनी केरिपु के सहयोग से उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया

बीजापुर 5 दिसम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। अति संवेदनशील नक्सल प्रभावित क्षेत्र में तैनात केरिपु बल के जवान गांव वालों की जरूरतों में मदद के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। दिनांक 03 दिसम्बर को 153 वाहिनी केरिपु कैंप चिन्नागेलुर के जवानों ने कमाण्डर वैद्य संकेत के नेतृत्व मे अत्यंत गंभीर हालत में कमली हेमला पत्नी विज्जा हेमला ग्राम बड़ा तर्रेम (नदी पारा) को ग्रामीणों की मदद से गांव से कैंप में लाकर इलाज कराया । कैंप कमांडर योगेश के मार्गदर्शन मे 108 एंबुलेंस के माध्यम से बेहतर ईलाज हेतु बासागुड़ा रवाना किया गया। महिला की हालत स्थिर है तथा उसे उचित उपचार प्रदान किया जा रहा है।

शहीद वेंकट राव महाविद्यालय बीजापुर के 6 विद्यार्थियों ने मेरिट सूची में अपनी जगह बनाई

बीजापुर,5 दिसंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। बस्तर यूनिवर्सिटी के अन्तर्गत आने वाले महाविद्यालयों में से एक शासकीय शहीद वेंकटराव महाविद्यालय बीजापुर के छात्र - छात्राओं ने एमएससी वनस्पति विज्ञान में बस्तर यूनिवर्सिटी के टाप टेन मेरिट लिस्ट में अपनी जगह बनाई है।बस्तर यूनिवर्सिटी के वनस्पति विज्ञान टाप -10 मेरिट सूची में शा. शहीद वेंकटराव महाविद्यालय के 6 छात्र-छात्राओं ने अपने मेहनत और लगन से ये मुक़ाम हासिल किया है।बस्तर यूनिवर्सिटी टाप -10 की मेरिट सूची में दूसरे स्थान पर शारोन कुलदीप चौथे स्थान पर सकचेंद राणा छठे स्थान पर चंद्रा कुमार आंठवे स्थान पर लोकश्वर राणा नौवें स्थान पर तरुण फुलमाद्रि और दसवे स्थान पर चंचल पटेल आये है। बुधवार को महाविद्यालय परिसर में एक सादे समारोह में छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उज्जवल भविष्य की कामना की गई। सम्मान कार्यक्रम में संस्था के प्राचार्य प्रो. नारायण झाड़ी , वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रमोद कुर्रे ,सहायक प्राध्यापक शौक़ीलाल चौहान , ललित ठाकुर , सोमनाथ बंदोघोटी ,बीना करपाल,गुलेश्वर मरकाम,केजी किरण,आफ़रीद ख़ान ,गणेश निषाद ,मोहित कुमार जोशी एवं समस्त स्टाफ और छात्र छात्राएँ मौजूद थे। प्राचार्य प्रो. नारायण झाड़ी ने छात्रा छात्राओं को बधाई दिया। और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। प्राचार्य ने कहा कि वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रमोद कुमार कुर्रे,वनस्पति विज्ञान के सहायक प्राध्यापक गुलेश्वर मरकाम एवं आफ़रीद ख़ान को भी बधाई दी और कहा की आप लोग के मेहनत से बच्चे मेरिट सूची में आ पाये है। ये बीजापुर महाविद्यालय के लिए गौरव की बात है। महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक ने भी छात्र छात्राओं को बधाई दी। महाविद्यालय के समस्त विद्यार्थियों को भी प्रोत्साहित किया ताकि वे भी इसी तरह मेहनत करे, और महाविद्यालय का नाम ऐसे ही रोशन करें।

एक नजर

रंजना साहू ने क्षेत्रवासियों और कार्यकर्ताओं का जताया आभार

धमतरी, 5 दिसंबर। भाजपा प्रत्याशी श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में धमतरी

वासियों के इस चुनाव में समर्पित समस्त क्षेत्रवासियों स्नेहीजनों और कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चुनाव के परिणाम भले ही मेरे पक्ष में नहीं आए, पर धमतरी की उन्नति के लिए मेरा जीवन सदैव ही समर्पित रहेगा, हार जीत सिक्के के दो पहलू है जिसमें किसी को हर किसी को जीत मिलती है निरंतर मैं समर्पित होकर क्षेत्र के विकास के लिए कार्य करती रहूंगी एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश में हमारी भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने की सभी को शुभकामनाएं।

प्रदेश में भाजपा की सरकार, बिजली कर्मियों के लंबित कार्य होंगे पूरे

कोरबा, 5 दिसंबर। बिजली कर्मचारियों को अब तक दिवाली का बोनस नहीं मिल पाया है। कांग्रेस सरकार ने इस दिशा में ध्यान नहीं दिया। अब प्रदेश में भाजपा की सरकार आ चुकी है। बिजली कर्मचारी संघ के कार्यकर्ता अब शपथ ग्रहण समारोह का इंतजार कर रहे हैं। इस संबंध में राष्ट्रीय सचिव आरएस जायसवाल ने बताया कि कई बार प्रतिनिधि मंडल रायपुर जाकर अधिकारियों से मुलाकात कर चुके है। लेकिन अभी तक डीए व बोनस देने की घोषणा नहीं की गई है। भाजपा की सरकार आने से उनके सारे लंबित कार्य होंगे।

रामपुर में हुई राठिया की जीत

कोरबा, 5 दिसंबर। पिछले चुनाव में कोरबा जिले में तीन सीटों पर काबिज रहने वाली कांग्रेस को इस बार मात्र एक सीट से संतोष करना पड़ा है। यह एक सीट वह है जिस पर पिछले चुनाव में भाजपा काबिज रही। भाजपा के हाथों यह सीट छीनकर कांग्रेस ने जीता है। एक कुशल रणनीति के कारण यह संभव हो पाया है। हम बात कर रहे हैं रामपुर विधानसभा क्षेत्र के परिणाम की। यहां पर काफी कोशिश के बाद फूल सिंह राठिया को टिकट हासिल हो सकी। फूल सिंह को टिकट दिलाने में बड़ी अहम भूमिका जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल ने निभाई। फूल सिंह राठिया जो कि पिछले बार जोगी कांग्रेस से चुनाव लड़े थे और इन्हें कांग्रेस संगठन में पद देने के साथ-साथ जब टिकट दी गई तब इसका काफी विरोध हुआ।

चक्रवात के प्रभाव से मौसम का मिजाज बदला, होगी ठंड में बढ़ोत्तरी

कोरबा, 5 दिसंबर। पश्चिमी विक्षोभ के साथ ही चक्रवात के प्रभाव से मौसम का मिजाज बदल गया है और सोमवार विभिन्न क्षेत्रों में बारिश के आसार है।बस्तर संभाग में सोमवार चार दिसंबर और मंगलवार पांच दिसंबर तथा मध्य छत्तीसगढ़ में चार, पांच व छह दिसंबर को बारिश की संभावना है। इसके साथ ही सरगुजा संभाग में पांच व छह दिसंबर को बारिश होगी। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि अधिकतम व न्यूनतम तापमान में विशेष बदलाव नहीं होगा। छह दिसंबर के बाद मौसम खुलते ही न्यूनतम तापमान में गिरावट शुरू होगी और ठंड में बढ़ोतरी होगी।

ईव्हीएम सीलिंग कार्य रात 4 बजे पूरा हुआः स्ट्रांग रूम में किया गया भंडारण

सारंगढ़ बिलाईगढ़, 5 दिसम्बर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. परिहा आलम सिद्दीकी के निर्देशन में 3 दिसंबर 2023 को मतगणना समाप्ति के बाद जिले के दोनों विधानसभा सारंगढ़-17 और बिलाईगढ़-43 के रिटर्निंग अधिकारी मोनिका वर्मा और डॉ. स्निग्धा तिवारी और सहायक रिटर्निंग अधिकारी आयुष तिवारी, नेत्रप्रभा सिदार, रूपाली मेश्राम, अरपन कुर्रे, बंदेराम भगत, डीपीओ एनआईसी आशीष वर्मा, निर्वाचन पर्यवेक्षक हरिकिशन डनसेना सहित राजस्व विभाग के कोटवारों एवं अन्य निर्वाचन कार्मिकों के सहयोग से ईव्हीएम मशीनों का सीलिंग कार्य किया गया। सीलिंग कार्य में वीवीपेट मशीनों के अंदर रखे गए पर्ची और मॉक टेस्ट किए गए पर्चियों को निकाला गया और मोमबत्ती, रस्सी आदि उपकरण के सहयोग से सील किया गया और स्ट्रांग रूम में भंडार कर सुरक्षित किया गया। यह कार्य रात 4 बजे संपन्न हुआ।

खड़े ट्रक को चोर ने किया पार सीसीटीवी में आरोपी कैद

कोरबा, 5 दिसंबर। क्राइम कंट्रोल को लेकर लगातार मीटिंग और निर्देश का सिलसिला चल रहा है और इसके ठीक उल्टे शहरी क्षेत्र में आपराधिक तत्व अपने कारनामों को अंजाम देने में लगे हुए हैं। सीएसईबी पुलिस चैकी इलाके के अंतर्गत पंडित दीनदयाल उपाध्याय सांस्कृतिक भवन के सामने खड़े ट्रक को चोर ने पार कर दिया। सीसीटीवी में उसकी हरकतें कैद हुई है। घटना को अंजाम देने के लिए जो तरीका अपनाया गया, उससे लगता है कि चोर को तकनीकी जानकारी थी। पुलिस को इस मामले से अवगत करा दिया गया है जिस पर जांच पड़ताल की जा रही है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार नगर पालिक निगम के वार्ड क्रमांक 13 परिवहन नगर का यह क्षेत्र सीएसईबी पुलिस चैकी के अंतर्गत आता है, जहां पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय सांस्कृतिक भवन के सामने से वाहन की चोरी की गई। पिछली रात्रि 10.00 के बाद इस घटना को अंजाम दिया गया। चोरी हुआ वाहन नेहरू नगर कुआंभट्ठ में रहने वाले मोहम्मद मंसूर अंसारी का बताया गया है। उसके पास दो ट्रक है इनमें से एक बाहर चल रहा है जबकि दूसरे वाहन को एक सप्ताह से घटनास्थल के सामने मुख्य मार्ग पर खड़ा किया गया था। बताया गया कि इस गाड़ी का ड्राइवर अवकाश पर गया हुआ है, इसलिए वहां को यहां पर रखा गया था। एक दिन पहले कल्चरल हाल का कामकाज देखने वाले व्यक्ति ने कार्यक्रम होने का हवाला देकर वहां यहां से हटाने को कहा था जिस पर व्यवस्था की जा रही थी। इससे पहले ही रात्रि को वाहन की चोरी हो गई। जानकारी के अनुसार सुरक्षा के दृष्टिकोण से संबंधित मालवाहक में ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम लगाया गया था। रात्रि 9.00 वाहन मालिक ने यहां पहुंच कर जायजा लिया था तब तक सब कुछ ठीक-ठाक था। अगली सुबह चोरी होने के बारे में जानकारी हुई।

मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज देखने पर मालूम चला कि लगभग 10.30 बजे के आसपास एक व्यक्ति यहां पहुंचा और जीपीएस के केबल काटने के साथ घटना को अंजाम दिया। मीटर बोर्ड खोलने के बाद जीपीएस के केवल काट दिए गए। जिस तरीकों के साथ यह सब कारनामा किया गया है उसे लगता है कि संबंधित चोर तकनीकी के बारे में बेहतर जानकारी रखता है। मंसूर अली ने लाखों का वाहन चोरी होने के बारे में सीएसईबी पुलिस चैकी को सूचना दी है और कार्रवाई करने की मांग की है। 2 दिन पहले ही ट्रांसपोर्ट नगर दुर्गा पूजा पंडाल के पास चोरी की घटना में गैरेज का संचालन करने वाले अनूप मंडल को हजारों की चपत लगी। उनके यहां से कार्बाइड गैस टंकी को पार कर दिया गया। इसकी कीमत 20000 से ज्यादा की बताई गई है। इस मामले में सक्रिय कबाड़ चोरों की भूमिका का संदेह है। गैरेज का संचालन करने वाले अनूप के द्वारा इस मामले के बारे में सीएसईबी पुलिस को अवगत कराया गया है और जांच पड़ताल करने का निवेदन किया गया है। इससे पहले अनेक मौके पर ट्रांसपोर्ट नगर के विस्तृत व्यावसायिक क्षेत्र से गाडियों के पहिए, साउंड सिस्टम, बैटरी के अलावा अनेक सामान पार किया जा चुके हैं। कुछ मामलों में आरोपियों की धर पकड़ के साथ सामान बरामद किया गया है जबकि बहुत सारे मामले अभी भी पेंडिंग है।

ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में ऑटोमोबाइल के साथ-साथ डेंटिंग, पेंटिंग, अर्थमूवर्स, लेथ वर्क्स सहित अनेक प्रकार की गतिविधियां संचालित करने वाले संस्थान चल रहे हैं। कारोबारी ने इन कार्यों के लिए काफी निवेश कर रखा है। मंगलवार को व्यवसाय बंद होने के दिन का फायदा लेने के साथ क्षेत्र में कई बार घटना हो चुकी है। जबकि कई कारणों से चोर गिरोह का मनोबल बढ़ा हुआ है, जो मौका पाकर घटनाओं को परवान चढ़ा दिया करते है।

किसानों ने ऋण माफी की जगह चुना बोनस का विकल्प

कोरबा 5 दिसम्बर। जिले के अधिकांश किसानों ने कांग्रेस ने ऋण माफी की जगह भाजपा के दो साल के बोनस राशि और 3,100 रूपये प्रति क्विंटल धान खरीदी को अधिक पसंद किया है। खेती के लिए जिले के 23 हजार किसानों ने 81 करोड़ रूपये का कर्ज लिया है। 55 उपार्जन केंद्रों में 1.20 लाख क्विंटल धान की खरीदी हो चुकी है। अब तक धान बेचने वाले 1,932 किसानों से तीन करोड़ की वसूली हो चुकी है। नए सरकार गठन की स्थिति तय होने के बाद अब उपार्जन केंद्रों में धान की आवक बढ़ने लगी हैं।

किसानों के ऋण मुक्ति का जुमला देकर कांग्रेस पिछली बार भाजपा से सत्ता छीन लिया था। इसके उलट इस बार भाजपा ने प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी और एकमुश्त भुगतान की घोषणा कर कांग्रेस से कुर्सी को वापस छीन लिया है। सरकार बनने के स्थिति तय होने के बाद अब किसानों की नजर भाजपा की ओर से किए गए घोषणा पर पत्र पर जा टिकी है। औद्योगिक जिला होने के बावजूद जिले में 1.24 लाख किसान खेती कर जीवकोपार्जन करते हैं। इनमें 60 प्रतिशत किसान लघुसीमांत की श्रेणी में आते हैं। यानी उनके पास दो एक एकड़ से भी कम जमीन है। सिंचाई संसाधन नहीं होने के कारण वर्षा आश्रित खेती करते हैं। वन क्षेत्र से घिरे होने की वजह से जिले में कृषि के अनुकूल वर्षा होती है। यही कारण है कि लघु सीमांत किसान ऋण लेकर खेती नहीं करते। जब ऋण लिया ही नहीं तो ऋण माफी का भी सवाल नहीं उठता। 40 प्रतिशत किसान ऐसे हैं जो ऋण लेकर खेती करते हैं। बहरहाल जिन किसानों ने ऋण लिया है उनसे वसूली धान बिक्री के साथ शुरू हो गई है। धान खरीदी के 34 दिन बीते जाने के बाद 58 उपार्जन केंद्रों में 1.10 क्विंटल धान की खरीदी हुई है। सात केंद्रों में अभी भी खरीदी की बोहनी नहीं हुई है। अब तक धान बेचने वालों में 2,234 किसान शामिल है। पंजीकृत किसानों की संख्या 48,276 है। भाजपा की सरकार गठित हो रही है। अब किसानों की सीधी नजर घोषणा पर है। आगे लोकसभा चुनाव है, किसानों पूर्ण आशा है नवगठित सरकार चुनावी घोषणा पत्र में किए गए वायदों पर अमल करेगा। बीते वर्ष में तय की गई कीमत 2,500 रूपये प्रति क्विंटल के दर धान की खरीदी हो रही थी। नए सरकार ने 3,100 रूपये में धान लेना स्वीकार किया है। यह भी कहा गया है कि जिन किसानों ने धान की बिक्री कर ली है उसके अंतर की राशि 700 रूपये उनके खाते में प्रदान की जाएगा। कांग्रेस सरकार ने भले ही धान की कीमत पिछली बार 1,800 रूपये से बढ़ाकर 2,500 रूपये किया था लेकिन अंतर की राशि किश्त में दी जा रही। भाजपा धान खरीदी की राशि को एकमुश्त देने का वादा किया है।

शादी का प्रलोभन देकर महिला से दुष्कर्म करने वाले को 10 वर्ष का कारावास

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार 5 दिसम्बर। प्रार्थिया द्वारा थाना पलारी में रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि आरोपी द्वारा 11 जनवरी 2019 से 20 जून 2020 तक पलारी अस्पताल कंपाउंड के बाजु गली में स्थित अपने घर में आरोपी द्वारा पीड़िता को विवाह का प्रलोभन देकर, उसके साथ लगातार बलात्कार किया। तत्पश्चात पीड़िता के गर्भ ठहरने पर उससे विवाह करूंगा कहकर, पीड़िता को बिना बताए उसके पानी में गर्भपात की दवा मिलाकर उसे पिलाया तथा पीडिता के साथ लगातार शारीरिक संबंध स्थापित किया। कि रिपोर्ट पर थाना पलारी में आरोपी के विरुद्ध धारा 376, 313,506-द्वद्व भादवि के तहत अपराध पंजीकृत कर विवेचना में लिया गया। आरोपी पूर्व से विवाहित था, इसके बावजूद पीड़िता महिला को शादी का प्रलोभन देते हुए लगातार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा। उक्त रिपोर्ट पर थाना पलारी पुलिस द्वारा आरोपी को तत्काल गिरफ्तार करते हुए उत्कृष्ट विवेचना एवं जांच कार्यवाही कर प्रकरण में विवेचना पूर्ण कर चालान माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया।

न्यायालय प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश बलौदाबाजार ऋषि कुमार बर्मन ने प्रकरण की गंभीरता एवं साक्ष्यों के परिशीलन करने बाद आरोपी द्वारा किया गया, अपराध सिद्ध होना पाया गया। अपराध की गंभीरता को देखते हुए आरोपी रवि भूषण पिता रामलाल डंडो उम्र 32 वर्ष निवासी पलारी थाना पलारी को भादवि की धारा 376 में 10 वर्ष कारावास एवं 5000 अर्थदंड, धारा 313 में 05 वर्ष कारावास एवं ?2500 अर्थदंड तथा धारा 506-द्वद्व में 02 वर्ष कारावास एवं ?1000 अर्थदंड के दंड से दंडित किया गया है तथा सभी सजाएं साथ- साथ भुगताए जाने का आदेश दिया गया है। इस प्रकार कुल 10 वर्ष कारावास के साथ कुल 8500 का अर्थदंड आदेशित किया गया है।

कुदमुरा रेंज में सक्रिय 37 हाथियों का दल

26 हाथी चले धरमजयगढ़ की ओर, 11 अमलडीहा में मौजूद

कोरबा, 5 दिसंबर। जिले के कुदमुरा रेंज में सक्रिय 37 हाथियो के दल में से 26 हाथी बीती रात दल से अलग होकर पडोसी धरमजयगढ़ क्षेत्र चले गए । जबकि 11 हाथी अभी भी रेंज के अमलडीहा गांव के जंगल में मौजूद है। बड़ी संख्या में हाथियो के अन्यत्र जाने से यहां वन अमले ने राहत महसूस की है। लेकिन हाथियो के पुनः वापस लौटने की संभावना को देखते हुए अमला सावधानी बरत रहा है।

उधर कटघोरा वन मंडल के एतमा नगर, केंदई तथा पसान रेंज में हाथियो का तीन दल गुरसिया, खुरूपारा, तथा बनिया सर्किल के सरमा में विचरण कर रहा है हाथियो के इन दलों ने अभी कोई बड़ा नुकसान किया है। लेकिन रास्ते में चलते समय कुछ खेतो में खंड़े धान की फसल को नुकसान पहुंचा दिया है। हाथियो के तीन रेंज के 3 अलग-अलग जगहों पर होने से वन विभाग की परेशानी बढ़ गयी है। क्योंकि अलग-अलग स्थानों पर वन अमले को निगरानी करनी पड़ रही है।

केमिकल और पर्यावरण विज्ञान इंजीनियरिंग की उन्नति पर केमिकल कॉन्फ्रेंस आयोजित

समाज और संस्थान के लिए होगा फायदेमंद सम्मेलन : अमित केशव

रायपुर, 5 दिसंबर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा केमिकल और पर्यावरण विज्ञान इंजीनियरिंग की उन्नति पर 1 और 2 दिसंबर को नेशनल केमिकल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया।एक दिसंबर को उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि, चेयरमैन(बीओजी) डॉ.सुरेश हावरे,थे। एनआईटी रायपुर के डायरेक्टर एन.वी.रमना राव इस कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि थे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आईआईटी खड़गपुर के केमिकल विभाग के प्रोफेसर और हेड बी.सी.मैकाप थे, कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता केमिकल विभाग की प्रोफेसर ए.बी.सोनी ने की। समारोह संस्थान के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख डॉ. अमित केशव और सहायक प्रोफेसर डॉ. जे. आनंदकुमार के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य उद्योग जगत के विशेषज्ञों के बीच केमिकल इंजीनियरिंग, बायोटेक्नोलॉजी, पर्यावरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी, रसायन विज्ञान, आयुष आदि के क्षेत्रों में अनुसंधान प्रगति पर ज्ञान और नवीन विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक मूल्यवान मंच प्रदान करना था। उद्घाटन समारोह की शुरुआत राष्ट्रगीत वंदे मातर के साथ हुई।

ए.बी.सोनी ने सबका स्वागत करते हुए सम्मेलन के विषय में चर्चा की, संस्थान को 90 से

अधिक रिसर्च पेपर प्राप्त हुए और यह सम्मेलन संकायों, इंजीनियरों, छात्रों, औद्योगिक लोगों और अन्य शोधकर्ताओं को रासायनिक विज्ञान और इंजीनियरिंग के क्षेत्रों में नवीनतम प्रगति साझा करने का अवसर प्रदान करेगा। प्रो. अमित केशव ने रसायन विभाग के बारे में जानकारी दी और कहा कि यह सम्मेलन समाज और संस्थान के लिए फायदेमंद होगा। बी. सी. मैकाप ने बेहतर पर्यावरण के लिए प्रौद्योगिकी के महत्व को समझाया और पर्यावरण को दूषित होने से बचाने को कहा। एन.वी. रमना राव ने इस सम्मेलन को राष्ट्रीय स्तर के प्रोफेसर्स के साथ बातचीत के लिए एक अच्छा अवसर बताया जो छात्रों के लिए काफी फायदेमंद होगा। डॉ.सुरेश हावरे ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि इंजीनियरिंग मानसिकता तकनीकी समाधान देता है तथा कैसे देश का विकास करते है, इस विषय पर स्वीडन के गार्बेज ट्रीटमेंट प्लांट और साई सेवा संस्थान, शिरडी का उदाहरण देकर समझाया।

अंत में अब्स्ट्रेक्ट पुस्तिका प्रकाशित की गई तथा ए.बी सोनी ने डॉ. सुरेश हवारे और प्रोफेसर बी.सी मैकाप को स्मृति चिन्ह देकर उनका सत्कार किया। समारोह राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुआ। इसके पश्चात प्रो. बी. सी. मैकाप का कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांट में ईएसपी की फ्लाई-ऐश हटाने की क्षमता बढ़ाने के लिए सल्फर डाई ऑक्साइड और ग्रिप गैस कंडीशनिंग के नियंत्रण पर एक व्याख्यान सत्र हुआ।

समाचार संक्षेप

छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस 15 दिनों के लिए रहेगी रद्द

कोरबा 5 दिसम्बर। एक बार फिर गाड़ियों की गति तेज करने के बहाने यात्री ट्रेनों को पटरी से बाहर करने की तैयारी शुरू हो गई है। आवश्यक तकनीकी कार्यों के हवाले कुल 29 ट्रेनों का परिचालन आगामी दिनों में प्रभावित किया जाएगा। इनमें कोरबा से चलने वाली एक जोड़ी ट्रेन भी शामिल है, जिसे एक-दो या तीन दिन नहीं, बल्कि पूरे 15 दिनों के लिए रद कर दी जाएगी। वर्ष 2024 के गणतंत्र दिवस के दौरान कोरबा से अमृतसर के बीच चलने वाली छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस 15 दिन के लिए पटरी से गायब रहेगी और इसकी सुविधा यात्रियों को नहीं मिल सकेगी। उत्तर मध्य रेलवे के आगरा रेल मंडल में मथुरा यार्ड का आधुनिकीकरण का कार्य किया जाना है। इस कार्य के फलस्वरुप बड़ी संख्या में यात्री गाड़ियों का परिचालन प्रभावित किया जाएगा। रेलवे प्रशासन द्वारा अधोसंरचना विकास के लिए उत्तर मध्य रेलवे के आगरा रेल मंडल के पलवल-मथुरा सेक्शन में मथुरा यार्ड का आधुनिकीकरण का कार्य किया जाएगा। यह कार्य इसी माह 27 नवंबर से शुरू होगा और 23 मार्च तक किया जाएगा। इस कार्य के पूर्ण होते ही ट्रेनों की समयबद्धता व गति में तेजी होने की बात कही जा रही है। इस कार्य के फलस्वरूप कुछ यात्री गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा।

दिव्य ज्योति के छात्रों ने मनाया विश्व विकलांगता दिवस

कोरबा, 5 दिसंबर। प्रति वर्ष 3 दिसंबर को विश्व विकलांगता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन को मनाने के लिए, कोरबा में दिव्य ज्योति विशेष स्कूल के बच्चे स्कूल परिसर में इस अवसर को मनाने के लिए एक साथ आए। इसमें स्कूली बच्चों द्वारा विभिन्न प्रस्तुतियां दी गयीं. इस अवसर पर इनरव्हील एजुकेशन सोसायटी के सदस्य उपस्थित रहे और बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इनरव्हील क्लब से अध्यक्षा श्रीमती बसंता मनोहर,श्रीमती मोहिंदर कौर,नेहा अरोरा और साक्षी क्षेत्रपाल उपस्थित थे। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश एफ टी सी श्रीमती ज्योति अग्रवाल इस अवसर पर मुख्य अतिथि थीं और उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन में शामिल छात्रों और कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की। यह आयोजन एक बड़ी सफलता थी और इसने समाज को हमारे मौजूदा समाज में विकलांग जीवन को स्वीकार करने की आवश्यकता को समझने में मदद की। विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई विभिन्न सुंदर वस्तुओं की प्रदर्शनी भी लगाई गई।

गोरेगांव शाला की छात्राएं ले रहीं आत्मरक्षा का प्रशिक्षण

नगरी, 5 दिसंबर। संकुल केंद्र अमाली अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला गोरेगांव में अध्ययन रत बालिकाओं को 90 दिवसीय रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा ताइक्वांडो /कराते प्रशिक्षण, प्रशिक्षक सुश्री विमला यादव द्वारा दिया जा रहा है। शासकीय माध्यमिक शाला गोरेगांव, अमाली,बोडरा के सभी छात्राओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साथ- साथ शिक्षिकाएं चंद्रप्रभा साहू आरती साहू प्रशिक्षण में रुचि ले रही है। समन्वयक संकुल केंद्र अमाली सिद्धेश्वर साहू ने बताया कि प्रशिक्षण में छात्राओं को स्वयं की सुरक्षा व शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योग प्राणायाम आसन आदि निरंतर करने की सलाह दी जा रही है। प्रशिक्षण से बालिकाओं के आत्मविश्वास में वृद्धि और सुरक्षा की भावना जागृत हुई है। प्रधान पाठक के0पी0साहू ने ताइक्वांडो/ कराते प्रशिक्षण को आत्मरक्षा के लिए बेहतर बताया। उक्त अवसर पर राकेश कोसरिया व सुश्री कविता नेताम मौजूद थे।

भरभरा कर गिरा छज्जा, दो मासूम बाल-बाल बच्चे

कोरबा, 05 दिसम्बर। साउथ ईस्टर्न कोलफिल्ड लिमिटेड दीपका के गेवरा कॉलोनी में कर्मचारियों के क्वार्टर में एक बड़ा हादसा टल गया है। दरअसल यहां एक मकान का छज्जा भरभरा कर गिर गया। इस दौरान आंगन में खेल रहे दो मासूम बाल-बाल बच गए। इसके बाद से ही कालोनी में हड़कंप मच गया। सूत्रों ने बताया कि एसईसीएल के सिविल विभाग को कई बार शिकायत किया गया है. लेकिन शिकायत के बाद कोई अधिकारी कंप्लेंट अटेंड करने नहीं आ रहे थे. वहीं घटना की सूचना पर सिविल विभाग के बड़े अधिकारी मौके पर पहुंचे. आए दिन कर्मचारी कॉलोनी में छज्जा गिरने की घटनाएं घटित होने से दहशत में जीने को मजबूर हैं. वहीं स्वष्टरु प्रबंधन की ओर से किसी भी प्रकार की व्यवस्था नहीं की जा रही है।

लखन देवांगन सहजता - सरलता बनी जीत की वजह

कोरबा 5 दिसम्बर। विधानसभा क्षेत्र कोरबा से भाजपा प्रत्याशी की जीत को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही है लेकिन इसमें सबसे बड़ी भूमिका उनकी सहजता व सरलता रही। इसके अलावा पार्टी के पदाधिकारियों एवं बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की मेहनत ने भी रंग जमाया और शायद इसी वजह से इतनी बड़ी जीत मिली है। इसके बाद शहर में चर्चा चल रही है कि एकतरफा जीत मिलने के पीछे प्रमुख कारण भाजपा हाईकमान द्वारा प्रत्याशी चयन रहा। चुनाव परिणाम आने के बाद शहर में इस बात को लेकर चर्चा सरगर्म है कि आखिरकार 3 बार के विधायक एवं प्रदेश के दबंग मंत्री रहे जयसिंह अग्रवाल को इतनी बड़े अंतर से पराजय क्यों मिली? हालांकि लखनलाल देवांगन को भाजपा हाईकमान ने दो माह पूर्व यहां से टिकट फायनल कर दिया था तभी से इस बात को लेकर चर्चा चल रही थी कि इस चुनाव में मुकाबला काफी रोचक रहेगा और जीत-हार को लेकर किसी तरह के दावे नहीं किए जा रहे थे। इसमें भाजपा व कांग्रेस के कार्यकर्ता शामिल थे जो यह दावा कर रहे थे कि इस बार चुनाव में मुकाबला काफी कांटे का रहेगा। वहीं दूसरी ओर लखनलाल देवांगन को प्रत्याशी बनाए जाने के बाद भाजपाईयों में बूथ से लेकर जिला स्तर के पदाधिकारियों में एक नए उत्साह का संचार हुआ।

व्यवहार वाद में उपस्थिति हेतु

आदेश 5 नियम 1 एवं 05 व्यवहार प्रक्रिया संहिता।
व्य.वा.क्र- 03/2023 श्रवण तिथि 09/01/2024
प्रोसेस नम्बर: 192/23
समक्ष :- न्यायालय श्रीमान व्यवहार न्यायाधीश महोदय डोंगरगढ़ जिला - राजनांदगांव छ.ग
प्रतिमा सरकार //विरूद्ध// आवेदक
शाखा प्रबंधक एल.आई.सी. वगैरह अनावेदकगण

आवेदक प्रतिमा सरकार के द्वारा एक वाद में उत्तराधिकार के आधार पर स्वत्व अधिकार हेतु आम जनता एवं अन्य के विरूद्ध पेश किया गया है, उक्त प्रकरण मे आम जनता हेतु आपत्ती ईश्तहार का प्रकाशन किया जा रहा है, तथा अपेक्षा की जा रही है कि उक्त प्रकरण में हित रखने वाला कोई भी व्यक्ति न्यायालय में पेशी दिनांक 09/01/2024 को प्रातः 11:00 बजे आवेदन का उत्तर देने के लिए समंस दिया जाता है, आप संबंधित इस न्यायालय में स्वंय या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा हाजिर हो सकते हैं जिन्हें सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस दावे संबंधित सारवान तथ्यों का उत्तर दे सके, या जिसके साथ कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नों का उत्तर दे सके, आप लोगों को यह भी निर्देश दिया है कि आप उस दिन सभी दस्तावेजों को पेश करे जिस पर आपकी प्रतिरक्षा या प्रतिदावा आधारित है।

आप लोगों को सूचित किया जाता है कि आप अथवा आपका प्लीडर उपर बताई तारिख को इस न्यायालय में हाजिर नहीं होंगे तो दावे की सुनवाई और उसका अवधारण आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा, यदि किसी कारणवश उक्त पेशी तारीख को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाता है या यदि किसी कारणवश कार्य स्थगित किया जाता है तो अगले कार्यदिवस पर प्रकरण की सुनवाई की जावेगी।

अतः आज तारीख 24/11/2023 को मेरे हस्ताक्षर से न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया।

व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-1
डोंगरगढ़ (छ.ग.)

एक नजर

रोजगार मूलक कोर्स वही जो रोजगार दिलाये: मनोज चावला

रायपुर 5 दिसंबर। रायपुर स्थित एक्सेल टेली अब तक सैकड़ों प्रशिक्षार्थियों को रोजगार देने में सफल रहा है । विदित हो कि टैली एजुकेशन बैंगलोर से अधिकृत संस्था रायपुर स्थित टेली एजुकेशन इंस्टीट्यूट है, जो पूर्णत रोजगार मूलक एजुकेशनल इंस्टीट्यूट है। इस कोर्स को करने पर विद्यार्थियों को मिलने वाले लाभ और इस कोर्स से जुड़े सभी तरह की जानकारी से अवगत कराते हुए एक्सेल टेली के संचालक मनोज चावला ने बताया कि इस सीएटी कोर्स में टेली प्रोफेशनल का कोर्स कराया जाएगा। प्रशिक्षण उपरांत कई युवक युवतियों को रोजगार पाने में सफल रहें हैं । इसमें सीएटी अर्थात् सर्टिफिकेट इन अकाउंटिंग टेक्निशियन का कोर्स होता है, यह कोर्स ऐसे विधार्थी जो कंप्यूटर और अकाउंटिंग के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाना चाहते है, वे लोग जो नए कौशल को सीख रोजगार पाना चाहते है, ऐसे सभी विधार्थियो को एक्सेल टेली आमंत्रित करता है। जिसका सर्टिफिकेट टैली बैंगलोर से दिया जाएगा। इस कोर्स में जीएसटी, टीडीएस, टीसीएस, पेरोल, ई इनवॉइस, ई-वे बिल, जैसे एडवांस अकाउंटिंग सिखाया जाएगा, साथ ही बेसिक कंप्यूटर की जानकारी दी जायेगी । जिसमें एमएस वर्ड, एमएस एक्सेल, एमएस पावर प्वाईंट जैसे ऑफिस टूल्स सिखाया जाएगा। इसका सर्टिफिकेट सीएससी एकेडेमी से दिया जाएगा ।

सूने मकान से लाखों के जेवर पार

रायपुर 5 दिसंबर। ग्राम नेउरडीह स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने सोने-चांदी के जेवर पार कर दिए। प्रार्थी की शिकायत पर धरसींवा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी मुकेश आडिल 30 वर्ष ग्राम नेउरडीह का रहने वाला है। बताया जाता है कि अज्ञात चोर ने प्रार्थी के सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 1 लाख 30 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर धरसींवा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफधारा 457, 380 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

युवक पर चाकू से प्राणघातक हमला, जुर्म दर्ज

रायपुर 5 दिसंबर। जयहिंद चौक लोधीपारा में हत्या करने के नियत से युवक के पेट पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर मोवा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी आदित्य वर्मा 26 वर्ष जयहिंद चौक लोधीपारा का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी अपने दोस्त आनंद के साथ बैठा था, तभी आरोपी समी व सुफ्यान आया और पुरानी रंजिश के चलते प्रार्थी से गाली-गलौज कर हत्या करने के नियत से पेट आनंद के पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर मोवा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 307, 294, 34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

अपराधियों पर नकेल कसने राजधानी पुलिस एक्शन मोड में

रायपुर 5 दिसंबर। एसएसपी के निर्देश पर रायपुर पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई व सघन चेकिंग अभियान लगातार जारी है। अपराधों व अपराधियों पर नकेल कसने पुलिस एक्शन मोड में आ गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर लखन पटले के नेतृत्व में रायपुर पुलिस के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों व थाना प्रभारियों सहित फोर्स द्वारा भीड़भाड़ वाले इलाकों में सघन जांच-पड़ताल की जा रही है। सार्वजनिक स्थान/सूनसान स्थान में जमवाड़ा लगाकर नशा करने वालों, गुटबाजी/अड्डेबाजी करने वालों, संदिग्ध व्यक्तियों, असमाजिक तत्वों, संदिग्ध व्यक्तियों के वाहनों की डिक्की, धारदार/बटनदार चाकू रखकर घुमने वालों सहित आम स्थानों पर शराब पीने, शराब पीने हेतु स्थान उपलब्ध कराने, सार्वजनिक मैदान, पार्क, चौक-चौराहों एवं सार्वजनिक स्थान पर चार पहिया वाहन के अंदर बैठकर शराब पीने वालों की चेकिंग की जा रहीं है।

सरेआम शराब पीते 13 पकड़ाए

रायपुर 5 दिसंबर। राजधानी पुलिस ने नशेडियों के खिलाफ अभियान चलाकर सरेआम शराब पीते 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार आजाद चौक पलिस ने भैसथान के पास सरेआम शराब पीते आरोपी विक्रम देवांगन 23 वर्ष व अमिस देवांगन 23 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह खरोरा पुलिस ने आरोपी हरिश मिरझा 20 वर्ष व दुर्गेश कुर्रे 23 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं टिकरापारा पुलिस ने आरोपी निखिल पाल 20 वर्ष एवं मौदहापारा पुलिस ने अजीत कुमार नारा 70 वर्ष, विजय मदनानी 31 वर्ष व विलास मदनानी 26 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

शासकीय गौठान से सबमर्सिबल पंप पार

रायपुर 5 दिसंबर। ग्राम ओडगन स्थित शासकीय गौठान में लगे सबमर्सिबल पंप एवं कंट्रोल बोर्ड को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर नेवरा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी मधुसुदन धर दीवान 68 वर्ष ग्राम ओडगन का रहने वाला है।

कांग्रेस में नेता प्रतिपक्ष बनने की दौड़ शुरू

रायपुर 5 दिसंबर। सत्ता परिवर्तन के साथ ही छत्तीसगढ़ में कांग्रेस इस बार विपक्ष की भूमिका निभाने वाली है। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार के बाद विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष कौन होगा यह बड़ा सवाल हैं। कांग्रेस के नौ मंत्रियों को हार का सामना करना पड़ा है। इसमें कई अच्छे वक्ता भी रहे। ऐसे में अब यह सवाल उठ रहा है कि पांच वर्षों तक विधानसभा में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करने वाला चेहरा किसका होगा।

राजनीतिक विश्लेषकों का इशारा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की तरफ है, लेकिन छत्तीसगढ़ के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ कि मुख्यमंत्री को नेता प्रतिपक्ष बनाया गया हो। ऐसे में अब कांग्रेस की नजर वर्तमान ऐसे विधायकों

पर हैं, जो कि विधानसभा की कमान संभाल सकते हैं। कांग्रेस के जिन 35 विधायकों ने जीत हासिल की है। इनमें से 14 पहली बार विधानसभा चुनकर आए हैं, वहीं 21 विधायकों में कई प्रत्याशी दूसरी बार विधायक बने हैं। बता दें कि नेता प्रतिपक्ष की इस रेस में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व मंत्री कवासी लखमा, पूर्व मंत्री उमेश पटेल और लखेश्वर बघेल का नाम शामिल हैं।

छठवीं विधानसभा के गठन का रास्ता साफ

रीना बाबा साहब कंगाले ने राज्यपाल को निर्वाचित विधायकों की सूची सौंपी

- 8वीं बार जीते बृजमोहन अग्रवाल बन सकते हैं प्रोटेम स्पीकर

मुख्य नगर संवाददाता

रायपुर, 5 दिसम्बर। छत्तीसगढ़ विधानसभा 2023 के परिणाम आने के बाद शीघ्र ही छठवीं विधानसभा का गठन कर दिया जाएगा। आज मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबा साहब कंगाले ने राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें नवनिर्वाचित विधायकों की सूची सौंप दी है।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अनुसार विधानसभा निर्वाचन 2023 के परिणाम 3 दिसम्बर को घोषित कर दिए गए जिसमें भाजपा को बहुमत मिला है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों से अधिकृत सूची के साथ ही विजय प्रमाण पत्र की कॉपी मंगवाकर इसे राजपत्र में प्रकाशित कर दिया है। अब इसकी एक अधिकृत प्रतिलिपि राज्यपाल को सौंप दी गई है। राजभवन के अनुसार अब इसे विधानसभा सचिव और मुख्य सचिव को सौंप दिया जाएगा। राजपत्र में नाम प्रकाशित होने के बाद सभी विधायक अधिकृत हो गए हैं। वे शासन द्वारा मान्य वेतन व भत्तों के हकदार होंगे।

विधानसभा में बनाया गया स्वागत कक्ष

छत्तीसगढ़ विधानसभा में एक स्वागत कक्ष खोल दिया गया है। यह 8 दिसम्बर तक काम करेगा। विधानसभा सूत्रों के अनुसार विधायक एक निर्धारित प्रपत्र में अपना नाम व फोटो तथा एकाउंट नंबर भरेंगे। इसके पश्चात वे सरकारी अथवा किराये के मकान में रह सकेंगे। किराये का भवन लेने पर उन्हें 30 हजार रुपए का किराया दिया जाएगा। वे रेलवे तथा हवाई जहाज का करीब 4 लाख रुपए मूल्य के कूपन (प्रति वर्ष) के हकदार होंगे। विधानसभा सत्र शुरू करने के लिए राज्यपाल से अनुमोदन लेना होगा। चूंकि 15 दिसम्बर से खर मास शुरू हो रहा है इसलिए जनवरी के प्रथम अथवा अंतिम सप्ताह में सत्र बुलाया जाएगा। वर्तमान में बृजमोहन अग्रवाल सबसे वरिष्ठ विधायक हैं इसलिए वे प्रोटेम स्पीकर बन सकते हैं। शपथ ग्रहण के पश्चात नए अध्यक्ष का चुनाव होगा। इसके बाद बजट सत्र बुलाया जाएगा।

जनता के विश्वास को मजबूत करने का लें संकल्प: ओम माथुर

रायपुर, 5 दिसम्बर। जनता ने भाजपा पर भरोसा करते हुए आप सभी को छत्तीसगढ़ का भविष्य बनाने का जिम्मा सौंपा है और आप सभी की पहली जिम्मेदारी यही है कि अपनी निर्वाचक जनता और अपने क्षेत्र के विकास के साथ-साथ छत्तीसगढ़ राज्य की समृध्दि के लिए पहले दिन से ही जुट जाएं।

उक्त बातें छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा प्रभारी ओम माथुर ने नवनिर्वाचित विधायकों को अपनी शुभकामनाएं देत हुए कही। भारतीय जनता पार्टी के छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, चुनाव सह प्रभारी मनसुख मांडविया, संगठन सह प्रभारी नितिन नबीन, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सांसद अरूण साव एवं भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह से भाजपा के नवनिर्वाचित विधायकों ने बड़ी संख्या में भाजपा प्रदेश मुख्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में भेंट कर उनका आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया। प्रदेश प्रभारी माथुर एवं सह प्रभारी नबीन ने इस अवसर पर नवनिर्वाचित विधायकों से अत्यंत स्नेह एवं आत्मीयता से संवाद करते हुए उन्हें निर्वाचित होने पर हार्दिक शुभकामनाएं दी तथा विश्वास व्यक्त किया कि भाजपा के सभी नवनिर्वाचित विधायक छत्तीसगढ़ राज्य के विकास एवं राज्य की जनता के बेहतर भविष्य के लिए अपने संपूर्ण समर्पण के साथ कार्य करेंगे ताकि छत्तीसगढ़ राज्य देश के बड़े और विकसित राज्यों की श्रेणी में फिर से शामिल हो सके।

समुद्री तूफान से धान खरीदी प्रभावित

- मौसम का मिजाज बदला

मुख्य नगर संवाददाता

रायपुर, 5 दिसम्बर। समुद्री तूफान मिचौंग के कारण इस समय छत्तीसगढ़ में हल्की वर्षा हो रही है इसके कारण सहकारी समितियों में रखे धान भीग रहे हैं। वहीं खेतों में लगे धान के भी खराब होने की आशंका है।

मौसम विभाग के अनुसार इस समय समुद्री तूफान का व्यापक असर छत्तीसगढ़ में दिखाई दे रहा है जिसके कारण यहां पर न्यूनतम तापमान काफी गिर गया है। सहकारी समितियों

में धान भीगने के कारण सरकार को आर्थिक क्षति हो रही है। राज्य में धान की कटाई अभी शेष है। अच्छी किस्म के धान की कटाई नहीं हो पाई है। मार्कफेड के अधिकारियों के अनुसार सहकारी समितियों में धान भीगने से बचाने के लिए कैप कव्हर लगाए जाने की व्यवस्था की जा रही है। राज्य में अभी तक धान की रिकार्ड बिक्री हो चुकी है। राज्य 1.30 लाख मीट्रिक धान खरीदना है।

नई सरकार गठित होने के बाद किसानों को नई दर पर धान का मूल्य प्राप्त होगा इसलिए वे अभी टोकन नहीं कटाना चाहते। सहकारी समितियों में धान का टोकन कटाने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। इस समय 10 से 12 गांवों के बीच एक सहकारी समिति का गठन किया गया है। रायपुर जिले में केंद्रीय सहकारी बैंक सबसे ज्यादा धान खरीदी करता है। किसानों को त्वरित भुगतान किया जा रहा है। राज्य में धान की राजनीति काफी गरमाई हुई है। भाजपा और कांग्रेस ने समर्थन मूल्य बढ़ाने की घोषणा की है।

सालेम स्कूल के सामने चौपाटी को हटाने की कार्रवाई

- बुलडोजर व पुलिस टीम के साथ पहुंचा निगम का अमला, कब्जाधारियों ने किया विरोध

रायपुर 5 दिसंबर। सालेम स्कूल के सामने स्थित चौपाटी को हटाने की कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। भारी पुलिस बल और निगम के कर्मचारी मौके पर मौजूद है और अवैध दुकानों को यहां से तोड़कर हटाया जा रहा है। यह कार्रवाई सालेम गर्ल्स स्कूल की छात्राओं के विरोध प्रदर्शन के बाद की गई है। बता दें कि स्कूल के सामने सड़क पर प्रदर्शन किया था। उनका कहना है कि स्कूल की दीवार से लगकर रोज शाम आमलेट, चिकन और मीट के फास्ट फूड की दुकाने लगती हैं। जहां युवक झुंड में जुटते हैं। और जोर जोर से बातें, और गाली गलौज भी करते हैं। इससे दोपहर तीन बजे के बाद के कालखंड की पढ़ाई पर खासा असर पड़ता है। ये दुकानें स्कूल के सामने से लेकर स्टेडियम की गली तक लगती हैं । इस ओर भी मीट-मटन की दुकानें

लगती हैं। कुछ लोगों ने तो दुकानों के सीमेंट, ईंट से पक्का कर लिया है। जो किसी रेस्टोरेंट से कम नहीं है। इस पूरे इलाके को चिकन राइस चौपाटी का नाम भी दे दिया गया है। इसका विरोध करते हुए छात्राओं और शिक्षिकाओं ने सड़क पर रैली निकालकर लोगों का ध्यानाकृष्ठ किया था और इन दुकानों को हटाने कि मांग की थीं।

बदली-बारिश से लुढ़का पारा

रायपुर, 5 दिसम्बर । क्रवाती तूफान मिचौंग का असर छत्तीसगढ़ के मौसम पर भी देखने को मिल रहा है। सोमवार से ही प्रदेश में मौसम का मिजाज बदल गया है। बदली-बारिश के बीच ठंड अब कहर बरपाने लगा है। देशभर में कड़ाके की ठंड शुरू हो गई है। कई राज्यों में तो ठंड के बीच भारी बारिश ने तहलका मचा दिया है। पहाड़ों पर तो हो रही बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में देखने को मिल रहा है। उत्तर भारत के ज्यादातर हिस्से में तापमान गिरने लगा है और मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ गई है। वहीं छत्तीसगढ़ प्रदेश की बात करें तो मौसम विभाग के अनुसार 6 दिसंबर तक बादल छाए रहने की उम्मीद है।

विद्यार्थियों को मानसिक तनाव से दूर रहने के बताए गए टिप्स

रायपुर, 5 दिसम्बर । आयुष विभाग द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय केरता में आयुर्विद्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में डॉ. आरके सिंह आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, मानसिक काउंसलर अमर प्रीति एवं तोशन कुमार साहू द्वारा कक्षा 9वीं से 12 तक के 161 विद्यार्थियों को पढ़ाई के दबाव से होने वाले मानसिक तनाव, युवा छात्रों में बढ़ती उम्र में शारीरिक परिवर्तन के कारण होने वाले शारीरिक समस्या एवं छात्राओं में मासिक धर्म और शारीरिक स्वच्छता के साथ मानसिक तनाव, शिक्षा के दबाव एवं नशा, गलत आदतों से दूर रहने में मानसिक स्तर को आयुर्वेद, योग, प्राणायाम के माध्यम से अपने मानसिक स्तर को अच्छा बनाने की जानकारी दी गई।

भाजपा को 46.27प्रतिशत , कांग्रेस को 42.23 प्रतिशत वोट मिले, जोगी कांग्रेस से ज्यादा वोट बसपा को मिला

रायपुर, 5 दिसंबर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव की मतगणना के बाद प्रदेश में सियासी दलों के मिले कुल मतों का प्रतिशत सामने आ गया है। आंकड़ों के मुताबिक 54 सीटों के साथ भाजपा को सबसे ज्यादा कुल 46.27% वोट मिले हैं। वहीं 35 सीटों के साथ कांग्रेस पार्टी को मिले कुल 42.23% वोट। तीसरे नंबर रही बीएसपी को मिले 2.05% वोट। हालांकि बीएसपी एक भी सीट जीत नहीं पाई। वहीं प्रदेश की तीसरी ताकत माने जाने वाली जोगी कांग्रेस इस बार चौथे नंबर पर खिसक गई और उसे महज 1.23% वोट मिले।

जोगी कांग्रेस और आप का नहीं खुला खाता

हालांकि जोगी कांग्रेस भी विधानसभा में अपना खाता तक नहीं खोल पाई। वहीं दो-दो राज्यों के मुख्यमंत्रियों को प्रचार में झोंकने वाली आम आदमी पार्टी यानी आप को कुल 0.93% वोट ही मिल पाए। उसका भी खाता नहीं खुला। वहीं सीपीआई को 0.39% वोट मिले और0.26% लोगों ने नोटा का बटन दबाया है।

बृजमोहन अग्रवाल को लड्डुओं से तौला गया

रायपुर 5 दिसंबर। दक्षिण से रिकॉर्ड मतों से आठवीं बार जीतने वाले वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल को बधाई देने के लिए लोगों का तांता लगा रहा। रायपुर ही नहीं पूरे छत्तीसगढ़ से हजारों लोगों उनको बधाई देने पहुंचे।

इन बधाई देने वालों में आम से लेकर खास तक सभी लोग शामिल थे। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के अलावा ब्रह्मकुमारी, सिख समाज, सिंधी समाज, उत्कल समाज, मुस्लिम

समेत विभिन्न समाज, संगठन के लोगों के साथ ही नर्सिंग और दूसरे कॉलेज के छात्र भी बृजमोहन को बधाई देने पहुंचे। लोगों ने उनका मुंह मीठा कराया और फूल माला पहनाई।

बृजमोहन अग्रवाल को उनकी ऐतिहासिक जीत पर 75 किलो लड्डुओं से तौला गया। बृजमोहन अग्रवाल ने जीत के लिए लोगों का आभार जताया है और हमेशा उनका साथ देने की बात कही।

मेयर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने भाजपा पार्षद दल की बैठक, ढेबर से इस्तीफा की मांग

रायपुर 5 दिसंबर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद सत्ता परिवर्तन हो गई है। वहीं अब निगम में भी राजनीतिक उथल-पुथल शुरू हो गई है। कांग्रेस को शहर की चारों विधानसभा सीटों के 70 वार्डों में मिली हार के बाद कांग्रेस के पार्षदों में भी नाराजगी है। भाजपा पार्षद दल इसे भुनाने के फिराक में नजर आ रहा है। इसे लेकर मंगलवार को भाजपा पार्षद दल की बैठक दोपहर 12 बजे आहूत की गई। इसमें महापौर एजाज ढेबर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाये जाने को लेकर चर्चा की गई। भाजपा पार्षद दल ने महापौर से इस्तीफा देने की मांग की है। अगर इस्तीफा नहीं दिया तो उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जायेगा।

मीनल चौबे ने कहा कि महापौर को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए जिस तरह से सरकार जाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजयपाल को इस्तीफा सौंप दिया था। रायपुर के 70 वार्डों में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों को बहुमत मिली है, उनके साथ बहुमत नहीं है। वह किस हक से महापौर की कुर्सी में बैठे है। उनको नैतिकता के आधार पर अब इतिफा दे देना चाहिए, उनके कार्यकाल में रायपुर शहर का हाल बद से भी बदत्तर रहा है, सड़कों में गड्ढो का भरमार रहा है, अवैध कब्जे की भरमार रही है। लोगों को पेय जल भी उपलब्ध नहीं हो पाया है। भाजपा पार्षदों के साथ साथ कांग्रेस के पार्षद में उनके कार्यकाल से असंतुस्ट है। आज भाजपा पार्षद दल इसी विषय पर चर्चा कर रहा है। हम जिलाधीश से बात करेंगे कि वे अविश्वास प्रस्ताव के लिए बैठक बुलाए, संगठन हमकों आगे जब भी निर्देश देगा कि हमें यह कब करना है। शहर की जनता के मंशा के अनुरूप हम महापौर का इस्तीफा लेकर रहेंगे। वहीं अविश्वास प्रस्ताव लाए जाने के बाद मनोज वर्मा, मीनल चौबे, मृत्युंजय दुबे, प्रमोद साहू और सूर्यकांत राठौर के नाम महापौर की रेस में शामिल है।

कांग्रेस ने जिन 22 विधायकों की टिकट काटी थी उनमें से 14 सीटों पर भाजपा ने किया कब्जा

रायपुर, 5 दिसंबर । कांग्रेस के जिन 22 सीटों पर अपने वर्तमान विधायकों का टिकट काटा था, उनमें से 14 सीटों पर भाजपा ने कब्जा किया है। कांग्रेस केवल आठ सीटों पर ही सफलता प्राप्त कर पाई। एक सीट पाली तानाखार पर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने कब्जा किया है। कांग्रेस ने इस उम्मीद के साथ विधायकों का टिकट काटा था कि इन सीटों पर वर्तमान विधायकों का जनाधार कमजोर है। इसलिए प्रत्याशी बदले जाने पर पार्टी को जीत मिल सकती है, लेकिन कांग्रेस की यह तरकीब काम नहीं आई, बल्कि फायदा भाजपा को हुआ। भाजपा ने यहां बड़ी रणनीति पर काम किया। भाजपा ने यहां कांग्रेस प्रत्याशियों के मुकाबले दमदार प्रत्याशियों को टिकट दिया। आखिरकार परिणाम चौकाने वाले रहे। विधायकों का टिकट काटा, साथ में कांग्रेस को हार का भी सामना करना पड़ा। 2018 के चुनाव में कांग्रेस ने 15 साल बाद सत्ता में वापसी की थी। कांग्रेस ने 68 सीटों के साथ अपनी सरकार बनाई थी। 2018 में भाजपा के कई बड़े चेहरों को हार का सामना करना पड़ा था। ठीक इसी तरह अब कांग्रेस के दिग्गजों को मुंह की खानी पड़ी है। भाजपा ने जिन दो विधायकों को टिकट काटी। उनमें बेलतरा और बिंद्रानवागढ़ विधानसभा सीट से हैं। बिंद्रानवागढ़ कांग्रेस और बेलतरा सीट भाजपा को सफलता मिली है। भाजपा-कांग्रेस दोनों पार्टियों के हिस्से में 2023 के विधानसभा चुनाव में 88.50 प्रतिशत वोट मिले हैं। बीते विधानसभा चुनाव में दोनों पार्टियों को 77 प्रतिशत वोट मिले थे।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरूण छत्तीसगढ़, तरूण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2021-23